शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 163 | गुवाहाटी | शनिवार, 11 जनवरी, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

संभल की शाही जामा मस्जिद विवाद पर यूपी सरकार को नोटिस, कुएं की ... पेज 2

कांग्रेस का राज्यव्यापी प्रदर्शन मुख्यमंत्री पर गंभीर आरोप पेज 3

मांगे पूरी होने तक आत्महत्या करने वाले किसान का नहीं करेंगे अंतिम संस्कार पेज 5

वानखेड़े स्टेडियमकी 50वीं वर्षगांठ पर एमसीए में मौजूद रहेंगे तेंदुलकर... पेज 7

भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए हो रहा जलमार्गों का विकास : सीएम

काजीरंगा (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था की पूरी क्षमता को उजागर करने के लिए भारत सरकार जलमार्गों का व्यापक विकास कर रही है। इससे विभिन्न क्षेत्रों के बीच संपर्क बढ़ेगा, लॉजिस्टिक लागत घटेगी और आर्थिक विकास को गति मिलेगी। काजीरंगा में इनलैंड वॉटरवेज डेवलपमेंट काउंसिल (आईडब्ल्यूडीसी) 2025 की बैठक में केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल के साथ शामिल होते हुए मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने कहा कि हम असम के साथ ही पूरे देश में जलमार्गों की पूरी क्षमता का उपयोग करके विकास की ओर अग्रसर हो रहे हैं। डॉ. शर्मा ने काजीरंगा में आयोजित इनलैंड वॉटरवेज डेवलपमेंट काउंसिल -शेष पृष्ठ दो पर

मेरी जोखिम लेने की क्षमता का अभी पूरी तरह उपयोग हुआ ही नहीं : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि वह कोई वीआईपी नहीं बल्कि एक आम आदमी हैं। उन्होंने कहा कि वह कभी कम्फर्ट जोन में नहीं रहे और उनकी जोखिम लेने की क्षमता का अभी तक पूरी तरह से उपयोग नहीं हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी ने जीरोधा के सह-संस्थापक निखिल कामथ के साथ एक पॉडकास्ट में अपने बचपन, मित्रों, घर छोड़कर जाने, युवाओं के लिए दृष्टिकोण, गुजरात के मुख्यमंत्री और फिर प्रधानमंत्री के तौर पर तीसरे कार्यकाल के लक्ष्यों सहित कई विषयों पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने वैश्विक पटल पर भारत के प्रमुख शक्ति रूप में उभरने का जिक्र करते हुए कहा कि 2005 में जब वह एक विधायक थे, तब अमेरिका ने उनका वीजा रद्द कर दिया था। आज दुनिया भारत के वीजा के लिए कतार में खड़ी है। यह प्रधानमंत्री मोदी का पहला पॉडकास्ट था। प्रधानमंत्री ने विचारधारा से ज्यादा आदर्शवाद की अहमियत पर बात करते हुए कहा कि महात्मा गांधी और वीर सावरकर के रास्ते अलग-अलग थे, लेकिन उनकी विचारधारा *स्वतंत्रता* थी। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में अच्छा वक्ता होने से ज्यादा महत्व अच्छे से संवाद करना होता है। महात्मा गांधी लाठी लेकर चलते थे लेकिन बात अहिंसा की करते थे। यह उनके संवाद की ताकत थी। उन्होंने कभी टोपी नहीं पहनी लेकिन उनके आसपास लोग टोपी पहनते थे। उनका क्षेत्र राजनीति था लेकिन उन्होंने कभी राजसत्ता नहीं संभाली, कभी चुनाव नहीं लड़ा। लेकिन उनकी समाधि राजघाट पर बनाई गई है। उन्होंने कहा कि मैं ऐसा व्यक्ति नहीं हूं जो अपनी सुविधा के अनुसार अपना रुख बदल ले। मैं केवल एक ही विचारधारा में विश्वास करते हुए बड़ा हुआ हूं। उन्होंने कहा कि अगर मुझे अपनी विचारधारा को कुछ शब्दों में बताना हो तो मैं कहूंगा, *राष्ट्र पहले*। राष्ट्र पहले टैगलाइन में जो -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

एचेमपीवी वायरस : हाई अलर्ट पर राज्य

असम की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली आपात स्थिति के लिए तैयार : मंत्री

डिब्रूगढ़। असम के स्वास्थ्य मंत्री अशोक सिंघल ने जोर देकर कहा कि राज्य की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली, कोविड-19 महामारी के दौरान अपने अनुभव से मजबूत होकर, आपात स्थिति के लिए अच्छी तरह से तैयार है। मंत्री ने शुक्रवार को डिब्रूगढ़ में एक समीक्षा बैठक के दौरान कहा कि हमारे डॉक्टरों, नर्सों और पैरामेडिक्स ने महामारी के दौरान असाधारण समर्पण का प्रदर्शन किया। उस आधार पर, हमें किसी भी स्वास्थ्य संकट का प्रबंधन करने की अपनी क्षमता पर भरोसा है। मानव मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) के संभावित खतरे को संबोधित करते हुए, सिंघल ने आश्वासन दिया कि तत्काल कोई सलाह जारी न किए जाने के बावजूद राज्य हाई अलर्ट पर है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर राष्ट्रीय स्तर पर मामले बढ़ते हैं तो हम स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू) के दिशा-निर्देशों का पालन करने के लिए तैयार हैं। हालांकि, वर्तमान में चिंता का कोई कारण नहीं है। ऊपरी असम के जिलों में आयोजित की गई श्रृंखला -शेष पृष्ठ दो पर

ऊपरी असम के जिलों में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर अधिक

डिब्रूगढ़। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री अशोक सिंघल ने शुक्रवार को कहा कि ऊपरी असम के जिलों में राज्य के बाकी हिस्सों की तुलना में मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) और शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) काफी अधिक है। डिब्रूगढ़, तिनसुकिया, शिवसागर और चराइदेउ पर केंद्रित एक व्यापक स्वास्थ्य समीक्षा बैठक के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए सिंघल ने कहा कि ऊपरी असम के जिलों में मातृ मृत्यु दर और एक वर्ष से कम उम्र के शिशु मृत्यु दर ने धुबड़ी और ग्वालपाड़ा जैसे पारंपरिक रूप से चुनौतीपूर्ण जिलों को भी पीछे छोड़ दिया है। मैंने इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की है और एमएमआर और आईएमआर दोनों को कम करने के लिए जल्द ही पूरे असम में एक विशेष अभियान लागू किया जाएगा। -शेष पृष्ठ दो पर

कोयला खदान मामला : मृत मजदूर की पत्नी पहुंची असम, बोलीं-

अब परिवार कैसे चलेगा?

गुवाहाटी। असम के पास डिमा हसाउ जिले में कोयला खदान में फंसे आठ श्रमिकों को निकालने के लिए बचाव अभियान चल रहा है। एनडीआरएफ, नौसेना, सेना समेत तमाम एजेंसियां अभियान में लगी हुई हैं। खदान हादसे में जान गंवाने वाले नेपाल के श्रमिक गंगा बहादुर श्रेष्ठ की पत्नी उसका शव लेने असम पहुंची। पत्नी सुशीला राय सोनुरू ने कहा कि गंगा बहादुर घर में अकेले कमाने वाले थे। अब परिवार का गुजारा कैसे होगा? डिमा हसाउ जिले के उमरंगसो के तीन किलो क्षेत्र में कोयला खदान में सोमवार को 300 फीट गहरी खदान में अचानक पानी भर गया था। इस खदान में नौ श्रमिक फंस गए थे। इसके बाद भारतीय सेना और स्थानीय अधिकारियों की संयुक्त टीम ने त्वरित और प्रभावी तरीके से बचाव -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
दूध पीने के लिए गाय का बछड़ा अपनी मां के थनों पर प्रहार करता है।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

राज्य विस का बजट सत्र 17 फरवरी से

गुवाहाटी (हि.स.)। असम विधानसभा का बजट सत्र 17 फरवरी से शुरू होगा। इस सत्र का पहला दिन कोकराझाड़ में आयोजित किया जाएगा। सत्र के शेष दिन राज्य की राजधानी दिसपुर में विधानसभा कक्ष में होंगे। इस संबंध में असम विधानसभा सचिवालय ने अधिसूचना जारी कर दी है। अधिसूचना के अनुसार विधानसभा का सत्र दोपहर 12 बजे शुरू होगा।

पूर्वोत्तर में असम को सबसे अधिक 5,412.38 करोड़ रुपए मिले

नई दिल्ली / गुवाहाटी। केंद्र सरकार ने 10 जनवरी को राज्य सरकारों को 1,73,030 करोड़ रुपए का कर हस्तांतरण जारी किया। दिसंबर 2024 में 89,086 करोड़ रुपए के हस्तांतरण की तुलना में यह धनराशि राज्यों को पूंजीगत व्यय में तेजी लाने और उनके विकास और कल्याण संबंधी व्यय को वित्तपोषित करने में मदद करने के लिए है। पूर्वोत्तर राज्यों में, असम को 5,412.38 करोड़ रुपए की सबसे अधिक कर हस्तांतरण किस्त मिली, जबकि -शेष पृष्ठ दो पर

ट्रांसजेंडरों के लिए स्वास्थ्य सेवा

एसओपी पर हाईकोर्ट ने असम सरकार से जवाब मांगा

गुवाहाटी। गौहाटी उच्च न्यायालय ने असम सरकार को एक याचिकाकर्ता द्वारा दायर अतिरिक्त हलफनामे पर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है ताकि यह बताया जा सके कि ट्रांसजेंडर समुदाय को प्रदान किए जाने वाले उपचार और अन्य चिकित्सा सुविधाओं के संबंध में केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) को राज्य में लागू किया गया है या नहीं। मुख्य न्यायाधीश विजय -शेष पृष्ठ दो पर

अवैध इमीग्रेशन पर सीएम सैनी सख्त बजट सत्र पर लाएंगे नया कानून

पंचकूला। आज मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपराध एवं कानून व्यवस्था को लेकर समीक्षा बैठक की है। इस बैठक में सीएम नायब सिंह सैनी ने अवैध इमीग्रेशन को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि इस मामले को लेकर सरकार कानून बनाएगी। आगामी बजट सत्र में इसको लेकर नया कानून लाया जाएगा। विदेश में बैठे अपराध में शामिल लोगों पर सीएम का बड़ा बयान दिया है। सीएम ने कहा कि विदेश में रहकर अपराधिक गतिविधियों में शामिल अपराधियों और उनकी यहां से मदद करने वाले लोगों पर मुहिम चला कर अपराध की रीड की हड्डी तोड़ने का काम पुलिस को करने का निर्देश दिया है। पुलिस को जिन भी संसाधनों की आवश्यकता है वह सरकार मुहैया करवाएगी। साथ में उन्होंने कहा कि अपराध रोकने के लिए अच्छा काम करने वाले पुलिस कर्मचारियों के लिए पॉलिसी बनाकर उन्हें सम्मानित करेंगे। अगर पुलिसकर्मी अपराधी को -शेष पृष्ठ दो पर

सत्ता में आए तो महाकुंभ की तर्ज पर होगा छठ महापर्व : कांग्रेस

नई दिल्ली (हि.स.)। दिल्ली विधानसभा चुनाव में इस बार सभी सियासी दल पूर्वांचल मूल के मतदाताओं को लुभाने के लिए तरह-तरह के वादे कर रहे हैं। इसी कड़ी में शुक्रवार को कांग्रेस पार्टी ने एलान किया कि सत्ता में आने पर वह महाकुंभ की तर्ज पर दिल्ली में छठ महापर्व का आयोजन कराएगी। यमुना तट पर भोजपुरी कोकिला शारदा सिन्हा के नाम पर घाट का नाम रखा जाएगा। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय राजीव भवन में एक संवाददाता सम्मेलन में राज्यसभा सांसद और बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अखिलेश -शेष पृष्ठ दो पर

नहीं थम रही रुपए में गिरावट, सबसे निचले स्तर पर पहुंची इंडियन करेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रुपया अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। 10 जनवरी को एक डॉलर की कीमत 85.97 रुपए तक पहुंच गई। इससे पहले 9 जनवरी को भी रुपया कमजोर हुआ था, जब एक डॉलर 85.93 रुपए का हो गया था। यह तीसरा लगातार दिन था, जब रुपया अपने पिछले रिकॉर्ड से नीचे बंद हुआ। इसके साथ ही, यह दसवां हफ्ता है, जब रुपया लगातार गिर रहा है। रुपए पर दबाव डालने वाली बड़ी वजह डॉलर की मजबूती और कमजोर निवेश प्रवाह है। डॉलर का इंडेक्स 109 के ऊपर बना हुआ है, जो दो साल का उच्चतम स्तर है। अमेरिकी नॉन-फार्म पेरोल डेटा का बाजार इंतजार कर रहा है, जो अमेरिकी फेडरल रिजर्व की दरों में कटौती की संभावनाओं को प्रभावित कर सकता है। हालांकि, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के निर्देशों के तहत कुछ सरकारी बैंकों ने डॉलर बेचा, जिससे रुपए की गिरावट कुछ हद तक नियंत्रित हुई है। विशेषज्ञों का -शेष पृष्ठ दो पर

इंडिया पर तेजस्वी के बयान से मचा घमासान, देनी पड़ी सफाई

पटना। आईएनडीआईए का अस्तित्व नहीं रह जाने से संबंधित अपने पहले के बयान को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को दोबारा स्पष्ट किया। इंटरनेट मीडिया एक्स पर पोस्ट में उन्होंने कहा है कि मुझसे दिल्ली के संदर्भ में आईएनडीआईए के बारे में प्रश्न पूछा गया था। उन्होंने कहा, हमने लोकसभा चुनाव आईएनडीआईए के बैनर तले लड़ा। पंजाब में आम आदमी पार्टी अलग से लड़ी। केरल में वाम दल अलग लड़े। राष्ट्रीय स्तर पर हमारा गठबंधन आईएनडीआईए है और जहां तक बिहार का प्रश्न है, यहां आईएनडीआईए शुरू से ही महागठबंधन है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री -शेष पृष्ठ दो पर

राज्यपाल ने हंस रीनल केयर सेंटर और क्रेडक्रॉस फिजियोथेरेपी सेंटर का किया उद्घाटन

गुवाहाटी (हिंस)। राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने आज गुवाहाटी के क्रेडक्रॉस अस्पताल में *हंस रीनल केयर सेंटर* का उद्घाटन किया। डायलिसिस यूनिट हंस फाउंडेशन और भारतीय क्रेडक्रॉस सोसाइटी (आईआरसीएस), असम राज्य शाखा के बीच सहयोग से स्थापित की गई है, ताकि रोगियों को मुफ्त गुर्दे की देखभाल सेवाएं प्रदान की जा सकें। यह सुलभ स्वास्थ्य सेवा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर अपने हुए, राज्यपाल ने हंस फाउंडेशन और भारतीय क्रे डक्रॉस सोसाइटी (आईआरसीएस), -शेष पृष्ठ दो पर

ग्रेटर इजरायल के नए मैप पर बवाल, भड़के मुस्लिम देश

तेल अबीब। इजराइल के विदेश मंत्रालय द्वारा विवादित नक्शा जारी करने के बाद पूरे अरब जगत में कूटनीतिक हंगामा मच गया है। इसके अरबी भाषा के सोशल मीडिया अकाउंट पर प्रकाशित मानचित्र में दर्शाया गया है कि यह इजराइल का प्राचीन साम्राज्य होने का दावा करता है। इस चित्रण में आधुनिक जॉर्डन, लेबनान और सीरिया के महत्वपूर्ण हिस्से शामिल हैं, जिसकी अरब देशों ने व्यापक निंदा की है, जो इसे अपनी संप्रभुता के अपमान के रूप में देखते हैं। एक विस्तृत ऐतिहासिक विवरण के साथ साझा किया गया नक्शा, 3,000 साल पहले राजा शाऊल के अधीन स्थापित और बाद में राजा डेविड और राजा सोलोमन -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

संभल की शाही जामा मस्जिद विवाद पर यूपी सरकार को नोटिस, कुएं की पूजा पर लगाई रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने संभल की शाही जामा मस्जिद के विवाद में उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस जारी किया है। इस नोटिस में सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से स्टेट्स रिपोर्ट मांगी है। संभल शाही जामा मस्जिद प्रबंधक कमेटी की याचिका पर यह नोटिस जारी किया गया है। याचिका में मस्जिद कमेटी प्रबंधन ने मांग की थी कि जिलाधिकारी को निर्देश दिया जाए कि यथास्थिति बरकरार रखी जाए। दरअसल जिस निजी कुएं की खुदाई की जा रही है, वह मस्जिद की सीढ़ियों के पास स्थित है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की सदस्यता वाली पीठ ने प्रशासन को यह भी निर्देश दिया है कि वे नगर पालिका के नोटिस पर कार्रवाई न करें, जिसमें सार्वजनिक कुएं को हरि मंदिर बताया गया है और उसकी पूजा की इजाजत दी गई थी। अब सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में पूजा पर रोक लगा दी है। हालांकि कुएं के सार्वजनिक इस्तेमाल की छूट है। संभल शाही जामा मस्जिद प्रबंधन कमेटी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी। ट्रायल कोर्ट ने 19 नवंबर 2024 को मस्जिद के सर्वे का निर्देश दिया था। मस्जिद कमेटी की तरफ से वरिष्ठ वकील हुफैजा अहमदी सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए। वहीं वादी पक्ष की तरफ से वरिष्ठ वकील विष्णु शंकर जैन पेश हुए। जैन ने अदालत में कहा कि कुआं मस्जिद के बाहर स्थित है। वहीं अहमदी ने कहा कि कुआं आधा अंदर और आधा मस्जिद के बाहर है। अहमदी ने ये भी दावा किया कि कुआं मस्जिद के इस्तेमाल के लिए ही है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कुएं का इस्तेमाल अगर मस्जिद के बाहर से हो रहा है तो इसमें कोई आपत्ति नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों और कैसीनो के खिलाफ जीएसटी विभाग द्वारा जारी एक लाख करोड़ रुपए से अधिक के टैक्स धोखाधड़ी के नोटिस पर रोक लगा दी। जस्टिस जे बी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने कहा कि इस मामले की सुनवाई की जरूरत है और इस दौरान गेमिंग कंपनियों के खिलाफ सभी कार्यवाही स्थगित रहेंगी।

कोकराझाड़ डीडीसी बैठक में हुई विकासात्मक योजनाओं की समीक्षा

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ में जिला आयुक्त कार्यालय में आज जनवरी 2025 के लिए जिला विकास समिति (डीडीसी) की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला आयुक्त मासांडा पर्टिन ने की। बैठक की शुरुआत में पर्टिन ने इस वर्ष एपीएससी सीसीई पास करने वाले कोकराझाड़ के प्रतिभाशाली उम्मीदवारों, जिसमें मंजीत बसुमतारी और श्रीजीत बसुमतारी को सम्मानित किया। चूंकि श्रीजीत बसुमतारी बैठक में उपस्थित नहीं हो सके, उनके भाई ने उनकी ओर से यह सम्मान ग्रहण किया। जिला आयुक्त ने जिले में चल रही विकास योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की और समय सीमा का पालन सुनिश्चित करने और परियोजनाओं को कुशलतापूर्वक पूरा करने पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों से प्रगति बनाए रखने, समस्याओं को सक्रिय रूप से हल करने और योजनाओं को समन्वित प्रयासों के माध्यम से अधिकतम प्रभावशाली बनाने का आग्रह किया। चर्चाओं में कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों को शामिल किया गया, जैसे कि बोड़ोलैंड हैंडलूम मिशन को बढ़ावा देना, विशेष रूप से एडी सिल्क पर ध्यान केंद्रित करना, जो दक्षिण-पूर्व एशियाई बाजारों में काफी लोकप्रिय है। राशन कार्ड लाभ सही लाभार्थियों तक पहुंचे, यह सुनिश्चित करना एक प्रमुख विषय रहा, जिसमें उन्होंने प्रक्रिया में पारदर्शिता और कुशलता पर जोर दिया। बैठक में स्वास्थ्य देखभाल पहल, जैसे प्रसव देखभाल में सुधार, स्कूलों में छात्र उपस्थिति बढ़ाने की रणनीतियां, व्यापक आधार आईडी पंजीकरण को सुविधाजनक बनाना और टाइफॉयड जैसी बीमारियों से लड़ने के प्रभावी उपायों पर भी चर्चा की गई। इसके अलावा, पर्टिन ने अधिकारियों से न्यूनतम लक्ष्यों को पार करने और सभी योजनाओं में व्यापक परिणाम प्राप्त करने का आग्रह किया। बैठक में एडीसी, एसडीओ (सी) परबतझोरा और विभिन्न क्षेत्रों के विभाग प्रमुखों ने भाग लिया।

सड़क हादसे में दो भूटानी नागरिक गंभीर रूप से घायल

कामरूप (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिले के रंगिया में हुए एक सड़क हादसे में दो भूटानी नागरिक घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को नलबाड़ी की ओर से आ रही ऑल्टो कार (एएस-01डीएन-4721) और मारुती कार (बीपी-1-5396) में राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर भिड़ंत हो गयी। जिसकी वजह से कार में सवार दो भूटानी नागरिक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के समय राष्ट्रीय राजमार्ग-27 से (बीपी-1-5396) कार का चालक भूटान की ओर जाने के लिए सड़क की ओर मोड़ी दिया, जिसके चलते यह हादसा हुआ।

पूसीरे में लेजर आधारित व्हील प्रोफाइल माप प्रणाली की शुरूआत

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) ने लेजर आधारित व्हील प्रोफाइल प्रबंधन प्रणाली की शुरूआत की है। माप प्रणाली के दो प्रकार हैं- कैलिप्री सी42 और कैलिप्री प्राइम। ये प्रणालियां गैर-संपर्क व्हील प्रोफाइल माप सेंसर हैं, जो पोर्टेबल, वजन में हल्के और संचालन में आसान हैं। ये माप उपकरण ऑपरेटर के प्रभाव से स्वतंत्र, सटीक और पुनरुत्पादित परिणाम प्रदान करके रेलवे के निर्दिष्ट मांगों की पूर्ति करते हैं। इन विशेष प्रोफाइल माप उपकरणों का उपयोग व्यापक रूप से व्हील घिसाव निरीक्षण, ब्रेक डिस्क माप, व्हील बैक-टू-बैक और व्यास माप और रेल घिसाव निरीक्षण के लिए किया जाता है। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कपिंजल किशोर शर्मा ने आज बताया है कि ट्रेन के पहिये का सेट एक विशिष्ट रूप से लगने वाले भाग है और यात्रियों के आराम एवं सुरक्षा के साथ-साथ आवाज और सवारी पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालते हैं। इसलिए पहियों, ब्रेक डिस्क, रेल और स्विचों की प्रोफाइल को कठिन परिचालन स्थितियों में आवर्ती माप संचालन द्वारा विनियमित किया जाता है। यह चुनौती संपूर्ण व्हील-रेल प्रणाली के लिए वैध माप डेटा के कुशल उत्पादन में निहित है। कुशल व्हील सेट प्रोफाइल माप समय पर रखरखाव कार्यों को आगे बढ़ा सकता है और ट्रेन संचालन के समय को कम करने में मदद कर सकता है, साथ ही रेल यात्रियों के लिए एक सहज और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित कर सकता है।

उमरांग्सू में चार नए विद्या निकेतन स्थापित

कार्बी आंग्लांग (हिंस)। पश्चिम कार्बी आंग्लांग जिले के उमरांग्सू क्षेत्र में शिशु शिक्षा समिति ने चार नए विद्या निकेतन स्थापित किए हैं। इनका उद्घाटन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के असम क्षेत्र के क्षेत्र प्रचारक बशिष्ठ बुजरबरुवा की उपस्थिति में हुआ। उद्घाटन समारोह में अपने संबोधन में बशिष्ठ बुजरबरुवा ने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए समाज के विकास में इसकी भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने जनजातीय परंपरा और कार्बी गुरु-कुल पद्धति के संरक्षण पर विशेष ध्यान देने की बात कही। बुजरबरुवा ने कहा कि जनजातीय भाषाओं को लुप्त होने नहीं दिया जा सकता, क्योंकि ये भाषाएं समुदाय की पहचान और सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने में अहम भूमिका निभाती हैं।

No.KED/NIT-66/Pt l/2024-25/2806 *Dated, Kokrajhar the 9th January, 2025*

DETAILS TENDER NOTICE

Scaled tender in prescribed form affixing non-refundable Court Pee Stamp of Rs 8.25 (Rupees Eight & twenty five paisa) only subsequently to be drawn up in printed "F-2 Form" Documents with validity period of 30 (Thirty; days from the date of receipt of Tenders arc invited from the Registered Class-I (A, B, C) & Class-II P.W.D. Electrical Contractor under the Addl. Chief Engineer. (Electrical) Chandmari, Guwahati-3, Superintending Engineer, PWD Guwahati Electrical Circle, Fancy f3azar, Guwahati-1 and the Registered Class-III, PWD Kokrajhar Electrical Division, Kokrajhar of 2024-25 and having valid Electrical Contractor License for the following electrical works and will be received in the Office of the undersigned up to 2.00 PM of 18-01-2025 and will be opened at 2.30 PM of the same date. The Contractors or their authorized agents may be present at the time of opening tender.

Sl. No.	Name of work	Approx. Estimated value	lime of Completion	Cost of Tender document (in Rs.)	Earnest Money
1	Providing & Installation of 30KVA D.G. set replacement of Ceiling fan, LED Tube light, Panel Board and U.G. cable etc. lo the District Library, Bongaigaon.	Rs. 9,94,465.00	120 (One hundred twenty) Days	Rs. 500.00	General 2% (PC) of Tender value. 1% of Tender value in case of SC'ST/BC

The Contractors shall be received the Tender Documents forms the Office of the Executive Engineer, PWD Kokrajhar Electrical Division, Kokrajhar during working hour by submitting the cost of Tender Document with a non-refundable fees as indicated in the table above, by Indian crossed Postal Order payable to the undersigned up to 3.00p.m dated 17-01-2025 on application mentioned registration No. etc. No, application for issue of tender document will be received after the deadline as mentioned.

Sd/-
Executive Engineer, PWD,
Kokrajhar Electrical Division, Kokrajhar

IPR(BTC)-2023-24/1290

पृष्ठ एक का शेष

भारतीय अर्थव्यवस्था को...

की दूसरी बैठक को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जलमार्गों के विकास से क्षेत्रीय संपर्क मजबूत होगा और यह राज्य की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने भाजपा की केंद्र और राज्य सरकार द्वारा देश के विकास के लिए किए जा रहे हैं विभिन्न कार्यों की चर्चा की।

मेरी जोखिम लेने ...

भी चीज फिट बैठती है, वह मुझे विचारधारा और परंपरा की बेड़ियों में नहीं बांधती। इसने हमें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। मैं पुरानी चीजों को छोड़कर नई चीजों को अपनाने के लिए तैयार हूं। हालांकि, शर्त हमेशा राष्ट्र पहले की है। प्रधानमंत्री ने 2002 के गोधरा कांड को याद करते हुए कहा कि 24 फरवरी 2002 को वह पहली बार विधायक बने और 27 फरवरी को विधानसभा गए। उन्होंने कहा कि जब गोधरा में ऐसी घटना हुई, तब वह तीन दिन पुराने विधायक थे। मोदी ने कहा कि हमें सबसे पहले ट्रेन में आग लगने की खबर मिली, फिर धीरे-धीरे हमें हताहतों की खबरें मिलने लगीं। मैं सदन में था और मैं चिंतित था। जैसे ही मैं बाहर आया, मैंने कहा कि मैं गोधरा जाना चाहता हूं। वहां केवल एक ही हेलीकॉप्टर था। मुझे लगता है कि यह ओएनजीसी का था, लेकिन उन्होंने कहा कि चूंकि यह सिंगल इंजन है, इसलिए वे इसमें किसी वीआईपी को अनुमति नहीं दे सकते। हमारे बीच बहस हुई और मैंने कहा कि जो कुछ भी होगा, उसके लिए मैं जिम्मेदार रहूंगा। मैं गोधरा पहुंचा और मैंने वह दर्दनाक दृश्य, वे शव देखे। मैंने सब कुछ महसूस किया, लेकिन मुझे पता था कि मैं ऐसी स्थिति में बैठा हूं जहां मुझे अपनी भावनाओं और स्वाभाविक प्रवृत्ति से बाहर रहना होगा। मैंने खुद को नियंत्रित करने के लिए जो कुछ भी कर सकता था, किया। यह पूछे जाने पर कि क्या समय के साथ उनकी जोखिम लेने की क्षमता बढ़ी है, इस पर प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी जोखिम उठाने की क्षमता का अभी पूरी तरह उपयोग हुआ ही नहीं है। मैंने अपने विषय में कभी सोचा ही नहीं है और जो अपने बारे में नहीं सोचता, उसके पास जोखिम उठाने की क्षमता बेहिसाब होती है। उन्होंने देशवासियों विशेषकर युवाओं को सफलता का मंत्र देते हुए कहा कि वह कभी भी कम्फर्ट जोन में नहीं रहे। उन्होंने कहा कि मैंने जिस तरह का जीवन जिया है, उसमें छोटी-छोटी चीजें भी मुझे संतुष्टि देती हैं। मोदी ने कहा कि लोग जब कम्फर्ट जोन के आदी हो जाते हैं तो जीवन में असफल होते हैं। उन्होंने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि मैंने जीवन को कम्फर्ट जोन में नहीं बिताया है, कभी वहां नहीं रहा चूंकि मैं कम्फर्ट जोन से बाहर था, इसलिए मुझे पता था कि मुझे क्या करना है। शायद मैं कम्फर्ट के लिए अयोग्य हूं। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल को याद करते हुए मोदी ने कहा कि जब मैं सीएम बना, तो मैंने तीन प्रतिबद्धताएं साझा कीं- मैं अपने प्रयासों में कोई कसर नहीं छोड़ूंगा, मैं अपने लिए कुछ नहीं करूंगा और मैं इंसान हूं-मैं गलतियां कर सकता हूं, लेकिन मैं बुरे इरादे से गलतियां नहीं करूंगा। उन्होंने कहा कि ये सिद्धांत उनके जीवन का मंत्र बन गए। उन्होंने कहा कि मैं भी मनुष्य हूं देवता थोड़ा हूं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जब अमेरिकी सरकार ने उन्हे वीजा देने से इनकार किया था, तब वे विधायक थे। एक व्यक्ति के तौर पर, अमेरिका जाना कोई बड़ी बात नहीं थी, मैं पहले भी गया था; लेकिन मुझे एक चुनी हुई सरकार और देश का अपमान महसूस हुआ और मेरे मन में कसक थी कि क्या हो रहा है। उस दिन मैंने एक प्रेस कांफ्रेंस की, जहां मैंने कहा कि अमेरिकी सरकार ने मेरा वीजा रद्द किया है। मैंने यह भी कहा था कि मैं एक ऐसा भारत देख रहा हूं, जहां दुनिया वीजा के लिए कतार में खड़ी होगी, यह मेरा 2005 का बयान है और आज हम 2025 में खड़े हैं। इसलिए, मैं देख सकता हूं कि अब समय भारत का है। मोदी ने 2014 में प्रधानमंत्री के रूप में अपने शुरुआती दिनों के बारे में एक दिलचस्प किस्सा साझा करते हुए बताया कि दुनिया के नेताओं ने उन्हें पदभार ग्रहण करने पर बधाई देने के लिए शिष्टाचार भेंट की थी। इस दौरान चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी थे। अपनी बातचीत के दौरान शी ने भारत और विशेष रूप से गुजरात की यात्रा करने की इच्छा व्यक्त की। प्रधानमंत्री ने बताया कि गुजरात में शी की दिलचस्पी चीन में उनके अपने गांव से ऐतिहासिक जुड़ाव की वजह से थी। शी ने मोदी को बताया कि प्रसिद्ध चीनी दार्शनिक और यात्री ह्वेनसांग जो भारत भर में अपनी व्यापक यात्राओं के लिए जाने जाते हैं, उन्होंने अपनी यात्रा का सबसे लंबा हिस्सा मोदी के जन्मस्थान वडनगर में बिताया था। चीन लौटने पर, ह्वेनसांग शी के गांव में बस गए, जिससे दोनों नेताओं के गृहनगरों के बीच एक अनूठा संबंध बन गया। युवाओं को राजनेता बनने के लिए योग्यता के प्रश्न पर प्रधानमंत्री ने कहा कि राजनीति में निरंतर अच्छे लोग आते रहने चाहिए। युवाओं को राजनीति में महत्वाकांक्षा नहीं, बल्कि मिशन लेकर आना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजनेता बनना एक बात है और राजनीति में सफल होना एक अलग बात है। मेरा मानना है कि इसके लिए आपको समर्पण, प्रतिबद्धता की आवश्यकता होती है, आपको लोगों के लिए मौजूद रहना चाहिए और आपको एक अच्छा टीम प्लेयर होना चाहिए। अगर आप खुद को सबसे ऊपर मानते हैं और सोचते हैं कि हर कोई आपका अनुसरण करेगा, तो हो सकता है कि उसकी राजनीति काम करे और वह चुनाव जीत जाए, लेकिन इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि वह एक सफल राजनेता होगा।

अब परिवार कैसे ...

अभियान की शुरुआत की थी। इसके बाद से लगातार सेना, असम राइफल्स, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, नौसेना और पुलिस की टीम श्रमिकों को तलाश रही है। बुधवार को खदान में 85 फुट नीचे से एक श्रमिक का शव बरामद किया था। जिसकी पहचान नेपाल के उदयपुर जिले के गंगा बहादुर श्रेष्ठो के रूप में हुई। खदान स्थल पर पहुंची गंगा बहादुर की पत्नी सुशील राय सोनुरू ने कहा कि मेरे पति दो महीने पहले डिमा हसाउ आए थे। हमें छह जनवरी को घटना के बारे में पता चला। मेरे दो लड़की और एक लड़का है। अब पता नहीं मैं क्या करूंगी, कैसे रहूंगी ? मैं काफी परेशानियों का सामना कर रही हूं। मैं भारत सरकार से मदद मांग रही हूं। वहीं मृतक श्रमिक के रिश्तेदार रोशन राय ने कहा कि गंगा बहादुर के अलावा एक और नेपाली श्रमिक लिजान भी खदान में फंस गया था। वह अब तक नहीं निकल सका है। हम यहां श्रमिक के तौर पर काम कर रहे थे। एक और युवक श्याम कुमार श्रेष्ठ ने बताया कि मृतक श्रमिक गंगा बहादुर की पत्नी, बच्चों और माता-पिता को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। उसकी पत्नी एक बच्चे को लेकर यहां आई है। वह उसका शव नेपाल लेकर जा रही है। असम के खान और खनिज मंत्री कौशिक राय ने बुधवार को कहा था कि खदान से एक श्रमिका का शव मिला है। खदान में फंसे श्रमिकों को बचाने के लिए अभियान शुक्रवार को भी जारी रहा। एनडीआरएफ की पहली बटालियन के कमांडेंट एचपीएस कंधारी ने कहा कि पानी निकालने के प्रयास किए जा रहे हैं। एक पंप लगाया गया है। एक हैवी-ड्यूटी पंप भी लाया गया है। एनडीआरएफ इस प्रक्रिया में सहायता कर रहा है। यह एक संयुक्त प्रयास है।

असम की स्वास्थ्य ...

की इस बैठक में स्वास्थ्य सेवा की चुनौतियों, खास तौर पर मातृ एवं नवजात मृत्यु दर (एमएमआर और आईएमआर) पर भी ध्यान केंद्रित किया गया, जो इस क्षेत्र में असमान रूप से उच्च बनी हुई है। सिंघल ने स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और माताओं और नवजात शिशुओं के लिए नियमित टीकाकरण का विस्तार करने के महत्व पर प्रकाश डाला, जिला अधिकारियों से पंजीकरण डेटा के आधार पर 100 प्रतिशत टीकाकरण कवरेज सुनिश्चित करने का आग्रह किया। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) पर काफी ध्यान दिया गया, जिसमें 30-32 प्रमुख संकेतकों पर स्कूल स्वास्थ्य जांच बढ़ाने के निर्देश दिए गए। सिंघल ने 30 वर्ष से अधिक आयु के लोगों में गैर-संचारी रोगों की प्रारंभिक जांच की आवश्यकता पर भी जोर दिया और योग और शारीरिक गतिविधि जैसे निवारक स्वास्थ्य देखभाल उपायों की वकालत की। चाय बागान क्षेत्रों में, मंत्री ने गर्भवती महिलाओं के लिए मजदूरी मुआवजा योजना में खामियों को दूर करने के लिए तत्काल हस्तक्षेप करने का निर्देश दिया, खासकर तिनसुकिया में, जहां छूट एक चिंता का विषय बनी हुई है। उन्होंने कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रत्येक पात्र लाभार्थी को उनका उचित समर्थन मिले। डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की कमी को स्वीकार करते हुए, सिंघल ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) को भर्ती प्रयासों में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने जमीनी स्तर पर स्वच्छता जागरूकता और निवारक स्वास्थ्य सेवा को बढ़ावा देने के लिए आशा कार्यकर्ताओं का लाभ उठाने का आह्वान किया। बैठक के दौरान, जिसमें जिला आयुक्त, विधायक और एनएचएम प्रतिनिधि शामिल हुए, सिंघल ने आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाते (एबीएचए) कार्यक्रम के तहत पंजीकरण में तेजी लाने के महत्व पर भी जोर दिया। इस पहल का उद्देश्य पूरे राज्य में स्वास्थ्य सेवा को अधिक सुलभ और किफायती बनाना है। हमारा लक्ष्य असम के हर नागरिक को उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है। हमारी स्वास्थ्य सेवा टीमों की प्रतिबद्धता और लक्षित पहलों से हमें इस लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिलेगी, सिंघल ने एक मजबूत स्वास्थ्य सेवा प्रणाली बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा।

पूर्वोत्तर में असम को ...

अरुणाचल प्रदेश को 3,040.14 करोड़ रुपए मिले। इन दो राज्यों के बाद, मेघालय को 1,327.13 करोड़ रुपए, मणिपुर को 1,238.90 करोड़ रुपए, त्रिपुरा को 1,225.04 करोड़ रुपए, नगालैंड को 984.54 करोड़ रुपए और सिक्किम को 671.35 करोड़ रुपए मिले। शुद्ध आय के राज्यवार वितरण पर, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया। अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर सीएम खांडू ने कहा कि इस फंड आवंटन से राज्य की राजकोषीय क्षमता मजबूत होगी, जिससे प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का समय पर क्रियान्वयन हो सकेगा, हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए कल्याणकारी योजनाओं को मजबूती मिलेगी और क्षेत्र में सतत आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह सहायता अरुणाचल और पूरे उत्तर पूर्व के समग्र विकास के लिए केंद्र की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है। उत्तर प्रदेश को सबसे अधिक 31039.84 रुपए का आवंटन मिला, जबकि गोवा को सबसे कम 667.91 रुपए का आवंटन मिला।

एसओपी पर हाईकोर्ट ...

बिश्नोई और न्यायमूर्ति कौशिक गोस्वामी की उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने अधिवक्ता स्वाति बिधान बरुआ द्वारा दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश जारी किया, जिसमें विभिन्न प्राधिकारियों की ओर से कथित उदासीनता का मुद्दा उठाया गया था, जो असम में रहने वाले ट्रांसजेंडर समुदाय के सदस्यों की चिकित्सा आवश्यकताओं को पूरा करने में विफल रहे, विशेष रूप से पुनर्निर्माण सर्जरी की सुविधा प्रदान करने में। केंद्रीय मंत्रालय ने राज्य में ट्रांसजेंडर समुदाय को प्रदान किए जाने वाले चिकित्सा उपचार और अन्य चिकित्सा सुविधाओं आदि के संबंध में 3 सितंबर, 2024 को एसओपी जारी की थी। याचिकाकर्ता ने एक अतिरिक्त हलफनामा प्रस्तुत करते हुए कहा कि असम सरकार को स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी उक्त एसओपी को लागू करना आवश्यक है। अदालत ने कहा कि प्रतिवादी सरकारी विभाग की ओर से उपस्थित विद्वान वकील को अतिरिक्त हलफनामे पर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया जाता है, जिसमें स्पष्ट किया जाए कि मंत्रालय और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, भारत सरकार द्वारा जारी एसओपी को असम राज्य में लागू किया गया है या नहीं। न्यायालय ने राज्य सरकार को ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019 के प्रावधानों के संदर्भ में उसके द्वारा उठाए गए उपायों के बारे में विवरण प्रदान करने का निर्देश दिया। मामले को 3 मार्च, 2024 को पुन: सूचीबद्ध किया गया। अदालत ने कहा कि इस बीच, याचिकाकर्ता यदि चाहे तो इस जनहित याचिका में शामिल मुद्दे पर राज्य या केंद्र सरकार द्वारा उठाए जाने वाले आगे के कदमों के संबंध में एक अतिरिक्त हलफनामा दायर कर सकता है।

अवैध इमीग्रेशन पर ...

रोकने में नाकाम रहा है तो उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी। सीएम सैनी ने अपराध और अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के लिए पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। सीएम ने कहा कि किसी निर्दोष व्यक्ति के साथ नाइंसाफी नहीं होनी चाहिए। अच्छा काम करने वाले पुलिस के अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया जाएगा और लापरवाही बरतने वालों पर कार्रवाई भी होगी। सीएम ने कहा कि नशे के कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। नशा मुक्ति अभियान को आगे बढ़ाते हुए साल 2025 तक 70 प्रतिशत गांव को नशा मुक्त किया जाएगा। सीएम ने कहा कि 3350 गांव और 876 वार्ड को नशा मुक्त करने का अभियान पुलिस ने चलाया है।

ऊपरी असम के ...

डिब्रूगढ़ में समीक्षा बैठक में एक और महत्वपूर्ण स्वास्थ्य चिंता भी सामने आई: वयस्क आबादी में जीवनशैली संबंधी बीमारियों का बढ़ता प्रचलन। 35 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों में मधुमेह और उच्च रक्तचाप के बढ़ते मामलों से विशेष रूप से चिंतित सिंघल ने कहा कि डेटा चिंताजनक है। हमारे स्क्रीनिंग कार्यक्रमों से पता चला है कि जांच की गई आबादी में से 15 प्रतिशत को मधुमेह है, जबकि 6 से 7 प्रतिशत उच्च रक्तचाप से पीड़ित हैं। हयूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) के बारे में हाल ही में हुई चिंताओं के बारे में पूछे जाने पर स्वास्थ्य मंत्री ने आश्वस्त करने वाला रुख अपनाया। सिंघल ने कहा कि घबराने की कोई बात नहीं है। हालांकि हमें एचएमपीवी के बारे में केंद्र सरकार से कोई सलाह नहीं मिली है, लेकिन हम स्थिति के प्रति सतर्क और सजग हैं।

सत्ता में आएं तो ...

प्रसाद सिंह ने कहा कि पूर्वांचली भाई-बहन दिल्ली के निर्माता हैं। दिल्ली के निर्माण में उनका बहुत बढ़ा योगदान है, लेकिन भाजपा और आआपा के सत्ताधारी दलों ने उनको सिर्फ वोट के नजरिए से देखा। उन्होंने कहा कि जब सत्ता की भूख मिटानी होती है तो पूर्वांचल याद आता है। इसके विपरीत कोरोना महामारी में हमारे पूर्वांचली लोगों को दर-दर की ठोकरें खाने से लेकर छठ पर्व के दौरान आस्था की डुबकी तक हमारे भावनाओं को आआपा और भाजपा ने ठेस पहुंचाई। उन्होंने कहा कि आस्था के पर्व छठ पर हम मां यमुना में डुबकी लगा रहे थे तब यमुना का पानी दुनिया में सर्वाधिक गंदा था और उसमें पूजा-अर्चना पर रोक लगा दी गई। 29 अक्तूबर 2021 को अधिसूचना जारी कर के छठ पूजा पर रोक लगाई थी, जिसे चुनौती दी गई थी। उस पर हाई कोर्ट ने कहा कि रोक जारी रहेगी क्योंकि पानी इतना गंदा है कि लोग बीमार पड़ जाएंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली में 1797 कच्ची कालोनियां हैं, जिसमें ज्यादातर पूर्वांचल से दिल्ली में आए लोग रहते हैं। वो इतनी बदहाली की अवस्था में रहते हैं कि बारिश का पानी घरों में घुस जाता हैं, गर्मी में पीने का पानी नहीं मिल पाता है। उनके लिए रोजगार के कोई अवसर नहीं हैं। अखिलेश प्रसाद सिंह ने आरोप लगाया कि एक तरफ भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने संसद में हमारे पूर्वांचली भाइयों की रोहिंग्या, बांग्लादेशियों और घुसपैठियों से तुलना की तो दूसरी तरफ केजरीवाल कहते है कि पूर्वांचलियों के फर्जी वोट जुड़वा रहे हैं, क्या पूर्वांचल के लोग फर्जी दिखाई देते हैं। जो लड़ाई ये वोट के लिए लड़ रहे हैं, क्या कभी वो उनके अधिकारों की लड़ाई लड़ी ? उन्होंने कहा कि हम आज संकल्प लेते हैं कि महाकुंभ की तर्जी पर छठ महापर्व मनाया जायेगा जो छठ का विश्व का सबसे बढ़ा आयोजन होगा एक बहुत बढ़ा स्थान यमुना किनारे निर्धारित कर के उसे जिला घोषित किया जाएगा, जिसे शारदा सिन्हा घाट के नाम से घोषित किया जाएगा।

नहीं थम रही ...

मानना है कि आने वाले समय में भी रुपए पर दबाव बना रह सकता है। मिराए एसेट शेयरखान के रिसर्च एनालिस्ट अनुज चौधरी ने कहा कि घरेलू बाजारों की कमजोर स्थिति, मजबूत डॉलर, विदेशी निवेशकों की निकासी और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें रुपए को और कमजोर कर सकती हैं। डॉलर की मजबूती और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच, रुपए पर दबाव है। हालांकि, भारतीय रिजर्व बैंक के नियमित हस्तक्षेप से रुपए की गिरावट को सीमित करने में मदद मिल रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक आर्थिक हालात और घरेलू कारणों के चलते भारतीय रुपया कमजोर रह सकता है।

इंडिया पर तेजस्वी...

अरविंद केजरीवाल के बयान पर तेजस्वी ने कहा कि यह चुनाव के दौरान मतदाता सूची में नाम हटाने या जोड़ने का मामला है। महाराष्ट्र में भी लाखों वोट बाद में एकत्र किए गए थे। यह मतदाता सूची में नाम जोड़ने या घटाने का मामला है। केजरीवाल इसे एक मुद्दा बनाने की कोशिश कर रहे हैं। आईएनडीआईए पर तेजस्वी के बयान के बाद जदयू भी मुखर हो गई है। समाज कल्याण मंत्री एवं जदयू के वरिष्ठ नेता मदन सहनी ने शुक्रवार को कहा कि नीतीश कुमार के अलग होते ही आईएनडीआईए धराशायी हो गया। आज इस गठबंधन का कहीं कोई राजनीतिक अस्तित्व नजर नहीं आता है। जदयू प्रदेश कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत के क्रम में उन्होंने यह बात कही। मदन सहनी ने कहा कि *प्रगति यात्रा* के दौरान नीतीश कुमार ने जिस जिले में भी विकास योजनाओं की सौगात दी थी उसे शुक्रवार को कैबिनेट की बैठक में मंजूरी दी गई। विकास के प्रति यह नीतीश कुमार के ईमानदार सोच और मजबूत संकल्प का परिचायक है।

ग्रेटर इजरायल के ...

द्वारा शासित इजराइल के बाइबिल साम्राज्य का संदर्भ देता है। सोशल मीडिया पोस्ट में मानचित्र को इजराइल की ऐतिहासिक विरासत के हिस्से के रूप में चित्रित करते हुए इस युग के दौरान सांस्कृतिक, धार्मिक और आर्थिक विकास पर जोर दिया गया। हालांकि, पड़ोसी देशों तक फैले ग्रेटर इजराइल के चित्रण की विस्तारवादी महत्वाकांक्षाओं के संभावित संकेत के रूप में व्यापक रूप से आलोचना की गई है। इजराइल के मानचित्र प्रकाशन पर जॉर्डन, कतर, संयुक्त अरब अमीरात और अन्य अरब देशों से तीखी प्रतिक्रियाएं आई हैं। जॉर्डन के विदेश मंत्रालय ने एक कड़े शब्दों में बयान जारी कर मानचित्र के चित्रण को फिलिस्तीनी राज्य और क्षेत्रीय स्थिरता को कमजोर करने का एक जानबूझकर प्रयास बताया।

राज्यपाल ने हंस ...

असम राज्य शाखा को उनकी मानवीय सेवाओं के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि उनकी परोपकारिता जरूरतमंदों को स्वास्थ्य और खुशी का आनंद लेने में मदद करने में बहुत मददगार साबित होगी। राज्यपाल ने कहा कि *पहला धन स्वस्थ शरीर है* ने भारतीय परंपरा में स्वास्थ्य के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यदि हम स्वस्थ हैं, तो हमारा समाज स्वस्थ है और हमारा राष्ट्र स्वस्थ है। स्वास्थ्य सभी खुशियों का आधार है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्वास्थ्य सेवा पहलों की सराहना की, आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं और अटल अमृत अभियान तथा मुख्यमंत्री की नि:शुल्क निदान सेवा जैसे राज्य कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला। उन्होंने इन पहलों को देश भर में जरूरतमंदों को लाभ पहुंचाने वाले परिवर्तनकारी उपाय बताया। राज्यपाल ने समकालीन स्वास्थ्य और कल्याण पहलों के मार्गदर्शन में भारत के प्राचीन दर्शन वसुधैव कुटुम्बकम-*एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य* की प्रासंगिकता को भी रेखांकित किया। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि हंस फाउंडेशन और आईआरसीएस के बीच सहयोग से रेडक्रॉस अस्पताल स्थानीय स्तर पर किडनी रोगियों को नि:शुल्क डायलिसिस सेवाएं और अन्य उपचार प्रदान करने में सक्षम होगा, जिससे उन्हें राज्य के बाहर कहीं और सेवाएं लेने की आवश्यकता नहीं होगी। डायलिसिस केंद्र का उद्घाटन करने के अलावा राज्यपाल ने अस्पताल में रेडक्रॉस फिजियोथेरेपी केंद्र का भी उद्घाटन किया। हंस फाउंडेशन और आईआरसीएस के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि यह नेक प्रयास दूसरों के लिए एक बेंचमार्क के रूप में काम करेगा और उन लोगों को महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान करेगा, जो इस क्षेत्र में हैं।

4.5 करोड़ की हेरोइन और यावा टैबलेट समेत दो गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। असम पुलिस द्वारा कछार और लखीमपुर में चलाए गए दो अलग-अलग अभियान के दौरान दो ड्रग्स तस्करों को यावा टैबलेट और हेरोइन समेत गिरफ्तार किया गया है। राज्य के डीजीपी जीपी सिंह द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार लखीमपुर पुलिस द्वारा गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान 215 ग्राम हेरोइन समेत एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार की पहचान छोटन मंडल के रूप में की गई है। जब्त की गई हेरोइन की कीमत 1.5 करोड़ रुपए आई गई है। वहीं कछार पुलिस द्वारा चलाए गए अभियान के दौरान 10000 यावा टैबलेट समेत एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। जब्त यावा टैबलेट की कीमत 3 करोड़ रुपए आंकी गई है। दोनों मामलों में पुलिस ने अलग अलग प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार तस्करों से सघन पूछताछ कर रही है।

मणिपुर : सर्च ऑपरेशन में हथियार और गोला-बारूद बरामद

काकचिंग (हिंस)। मणिपुर के काकचिंग जिले के हियांगलाम थाना क्षेत्र के सेक्मैजिन हंगूल मयाई लीकाई क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा बलों ने बड़ी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद किए हैं। बरामद हथियारों में 7.62 एसएलआर (बिना मैगजीन), एसबीबीएल गन, देशी 9 मिमी पिस्टल (मैगजीन सहित), देशी .32 पिस्टल, तीन 36 हैंड ग्रेनेड और दो आर्मिंग रिंग (डिटोनेटर के बिना), ट्यूब लॉन्चिंग, तीन 9 मिमी लाइव गोलियां, दो 12 बोर कारतूस, 10 एके राइफल के फायर किए गए खाली केस, दो सामान्य स्टन शेल, एक टियर स्मोक शेल, एक टियर गैस ग्रेनेड, एक स्टन ग्रेनेड, एक केनवुड वायरलेस सेट, एक पॉवर लिंक सोलर नैनो रॉयल टॉर्च, दो बीपी कवर (वेस्ट), टैक्टिकल बूट्स दो जोड़ी, एक बीपी हेलमेट शामिल हैं। सुरक्षा बलों ने इस ऑपरेशन को गुप्त सूचना के आधार पर अंजाम दिया। बरामद सामानों की जांच जारी है।

कांग्रेस का राज्यव्यापी प्रदर्शन मुख्यमंत्री पर गंभीर आरोप

गुवाहाटी (हिंस)। कांग्रेस ने राज्यभर में धरना-प्रदर्शन कर असम सरकार और मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा पर गंभीर आरोप लगाए। कांग्रेस ने अवैध रेट होल माइनिंग और कोयला सिंडिकेट को लेकर मुख्यमंत्री पर संरक्षण देने का आरोप लगाया। गुवाहाटी में आयोजित मुख्य प्रदर्शन में असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भूपेन बोरा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने भ्रष्टाचार विरोधी छवि बनाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उनकी पत्नी और अन्य नेताओं पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप हैं। उन्होंने दावा किया कि जनता 2026 में उन्हें चुनाव में *अचेत* कर देगी। कांग्रेस

के प्रदर्शन में सकड़ा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया और भाजपा नेताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। महिला कांग्रेस और युवा कांग्रेस के नेताओं ने कोल इंडिया के कार्यालय का घेराव कर सरकार के खिलाफ विरोध दर्ज कराया। प्रदेश कांग्रेस ने ऐलान किया कि यह आंदोलन 2026 के विधानसभा चुनाव तक जारी रहेगा।

उमरांग्सू कोयला खदान हादसा खनिकों की खोज पांचवें दिन भी जारी

डिमा हसाओ (हिंस)। उमरांग्सू कोयला खदान में फंसे खनिकों की तलाश शुक्रवार को पांचवें दिन में प्रवेश कर गया है, लेकिन अभी तक कुछ भी परिणाम सामने नहीं आया है। राहत एवं बचाव कार्य में जुटी एजेंसियों को अभियान के तीसरे दिन एक खनिक का शव मिलने के बाद कोई सफलता नहीं मिली है। हादसा स्थल पर खनिकों के परिजन आशा भरी निगाहों से बचाव अभियान को देख रहे हैं। पांचवें दिन आज सुबह 7.45 बजे तलाशी अभियान आरंभ किया गया। खदान से पानी निकालने के लिए पंपों की संख्या बढ़ाई गई है। आयर इंडिया के साथ ही कोल इंडिया के पंप से भी खदान से पानी निकाला जा रहा है। वहीं, नौसेना सोनार सिस्टम के जरिए खदान में खनिकों का पता लगाने की कोशिश की लेकिन सफलता नहीं मिली। राज्य के पहाड़ी जिला डिमा हसाओ के उमरांग्सू से 25 किमी दूर असम-मेघालय के सीमावर्ती 3किलो में हुए कोयला खदान हादसे के पांचवें दिन बचाव अभियान फिर से आज सुबह आरंभ किया गया। हादसे के तीसरे दिन सुबह गोताखोरों ने एक डेड बॉडी को खदान से बाहर निकाला था। उसके बाद बचाव अभियान को कोई सफलता नहीं मिली है। प्रथम बटालियन एनडीआरएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने आज बताया कि नेवी, थल सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ समेत अन्य एजेंसियां राहत एवं बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। इलाके में हुई बरसात और प्राकृतिक कठिनाइयों के कारण स्थिति चुनौती पूर्ण बनी हुई है। एनडीआरएफ के सूत्रों ने बताया है कि 200 मीटर गहरी खदान में अभी भी 50 से 60 फीट पानी भरा हुआ है। जिसे बाहर निकलने के लिए प्रयत्न किए जा रहे हैं। अभियान चला रहे गोताखोरों के अनुसार खदान के अंदर जितनी बार जांच की गयी है, वहां पर कुछ भी नहीं मिला है। संभवत: खनिक रैट होल के अंदर फंसे हैं। पानी कम होने के बाद खदान के अंदर उनको ढूंढा जा सकता है। उल्लेखनीय है कि कोयला खदान में गत सोमवार को अचानक पानी भरने के चलते अंदर काम कर रहे खनिक फंस गए। उनकी सटीक संख्या औपचारिक तौर पर सामने नहीं आई है। हालांकि, 11 लोगों के अंदर फंसे होने की बात कही जा रही है। जिसमें एक व्यक्ति का शव बरामद कर लिया गया है, जो मूल रूप से पड़ोसी देश नेपाल का रहने वाला था।

मेगा झुमुर नृत्य में असम विश्व रिकॉर्ड बनाने की ओर अग्रसर : बिमल बोरा

गुवाहाटी (हिंस)। असम के सांस्कृतिक कार्य मंत्री बिमल बोरा आज गुवाहाटी के पंजाबारी स्थित शिल्पग्राम में मेगा झुमर नृत्य के लिए चल रहे प्रशिक्षण का मुआयना करने पहुंचे। मुआयना के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि असम सरकार के नेतृत्व में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की प्रेरणा से असम की सांस्कृतिक धरोहर को वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित करने और चाय जनजाति समुदाय के महत्वपूर्ण योगदान को सम्मानित करने के उद्देश्य से फरवरी में मेगा झुमुर नृत्य का आयोजन होगा। आज गुवाहाटी के पांजाबाड़ी स्थित शिल्पग्राम में चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम का उन्होंने निरीक्षण किया, जो 6 जनवरी से 367 मास्टर ट्रेनरों के लिए चल रहा है। ये ट्रेनर अब विभिन्न जिलों में प्रतिभागियों को प्रशिक्षण देंगे, ताकि असम एक और विश्व रिकॉर्ड स्थापित कर सके, जैसे बृहद बिहू नृत्य प्रदर्शन के लिए गिनीज रिकॉर्ड हासिल किया गया था। इस अवसर पर, प्रशिक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए उन्हें प्रदर्शन को और बेहतर बनाने के लिए पूरी मेहनत से तैयारी करने का आग्रह किया। यह नृत्य *मंदार, ढोल, नगाड़ा,* और *बांसुरी* की ताल पर एक लयबद्ध और समन्वित प्रदर्शन होगा, जो दुनिया को मंत्रमुग्ध करेगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर झूमर नृत्य को परिचित बनाने के उद्देश्य से 24 फरवरी को गुवाहाटी में आयोजित होने वाले एडवांटेज असम 2.0 के हिस्से के रूप में असम मेगा झूमर कार्यक्रम के लिए तैयार है। उन्होंने प्रशिक्षण की प्रगति का जायजा लेते हुए कहा कि अधिकारियों, कर्मचारियों और कार्यक्रम से जुड़े लोगों और मास्टर ट्रेनरों के साथ उन्होंने बातचीत की। उन्होंने अधिकारियों और कार्यक्रम से जुड़े सभी लोगों से इस आयोजन के सफल कार्यान्वयन का आह्वान किया। इसमें 7500 से अधिक झूमर कलाकार मादल की थाप पर नृत्य करेंगे।

उमरांग्सू कोयला खदान हादसा : असम पुलिस ने जांच तेज की, मैनेजर गिरफ्तार

डिमा हसाओ (हिंस)। डिमा हसाओ जिले में 6 जनवरी को हुए कोयला खदान हादसे में असम पुलिस ने खदान के मैनेजर हनन लस्कर को गिरफ्तार किया है। यह हादसा 3 किलो क्षेत्र की अवैध रैट-होल खदान में पानी भरने से हुआ था, जिसमें 15 मजदूर फंस गए थे। पुलिस ने बताया कि हनन लस्कर खदान मजदूरों के भुगतान का जिम्मा संभालता था। उमरांग्सू थाने में केस संख्या 02/2025 के तहत मामला दर्ज किया गया है। इसमें धारा 3(5)/105 बीएनएस और 1957 के खनिज और खनन (विकास और विनियमन) अधिनियम की धारा 21(1) शामिल है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले एक अन्य आरोपी पुनिश नुनिसा को भी गिरफ्तार किया गया था। फंसे मजदूरों को बचाने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन शुक्रवार को पांचवें दिन भी जारी है। इस घटना के बाद अवैध रैट-होल खनन और मजदूरों की सुरक्षा को लेकर सख्त कानूनों की मांग तेज हो गई है।

डॉ. स्वर्गियारी ने सड़क निर्माण परियोजना की रखी आधारशिला

बीटीसी के बुनियादी ढांचा विकास पर दिया जोर

विकसित भारत समाचार

कोकराझाड़। बीटीसी ईएम सूचना और जनसंपर्क, पीएचई आदि डॉ. निलुट स्वर्गियारी ने आज धनसिरी वीसीडीसी में चुबुरा चुबुरी पाथर एलपी स्कूल से नूर हुसैन हाउस तक एक महत्वपूर्ण सड़क के निर्माण की आधारशिला रखी, जो क्षेत्र में सड़क संपर्क में सुधार लाने के उद्देश्य से एक प्रमुख परियोजना है। शिलान्यास समारोह के दौरान, डॉ. स्वर्गियारी ने सड़क बुनियादी ढांचे में सुधार और बीटीआर में बेहतर संपर्क सुनिश्चित करने के लिए बीटीसी की मजबूत प्रतिबद्धता पर जोर दिया। सीईएम प्रमोद बोरो के कुशल नेतृत्व में, बीटीसी एक प्रगतिशील विकास एजेंडे पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जिसमें बेहतर पहुंच सुनिश्चित करने और क्षेत्र में समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए सड़कों का निर्माण और रखरखाव शामिल है। डॉ. स्वर्गियारी ने कहा कि बुनियादी ढांचे का विकास बीटीआर के लिए हमारे दृष्टिकोण का मूल है। हमारा मानना है कि एक प्रगतिशील बोड़ोलैंड की नींव कनेक्टिविटी के सुधार में निहित है। यह सड़क परियोजना न केवल यात्रा सुविधा को बढ़ाएगी बल्कि आसपास के क्षेत्रों के सामाजिक-आर्थिक उत्थान में भी योगदान देगी। डॉ. स्वर्गियारी ने बुनियादी ढांचे, शिक्षा और रोजगार जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए बेहतर जीवन स्तर और बीटीआर के समग्र विकास की दिशा में काम करने के लिए बीटीसी के चल रहे प्रयासों को दोहराया। समारोह में कई स्थानीय नेता, समुदाय के प्रतिनिधि और सरकारी अधिकारी शामिल हुए।

खानापाड़ा में शुरू हुआ 5वां पशुधन और पोल्ट्री मेला

गुवाहाटी (हिंस)। असम पशुपालन और पशु चिकित्सा विभाग एवं असम पशुधन और पोल्ट्री निगम के तत्वावधान में आज से तीन दिवसीय 5वां पशुधन और पोल्ट्री मेला शुरू हुआ। गुवाहाटी के खानापाड़ा स्थित फर्म गेट मैदान में आयोजित इस मेले का उद्घाटन राज्य के पशुपालन और पशु चिकित्सा मंत्री कृष्णेंदु पॉल ने किया। उद्घाटन समारोह में अपने संबोधन में मंत्री कृष्णेंदु पॉल ने कहा कि पशुपालन क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं, जो आत्मनिर्भरता के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने विभाग से आग्रह किया कि वैज्ञानिक और लाभदायक पशुपालन के महत्व को किसानों और युवाओं तक पहुंचाने के लिए ठोस प्रयास किए जाए। असम पशुधन और पोल्ट्री निगम के अध्यक्ष मनोज सैकिया ने अपने संबोधन में कहा कि इस मेले का उद्देश्य शिक्षित युवाओं को वैज्ञानिक और संगठित रूप से पशुपालन के प्रति प्रेरित करना है। उन्होंने बताया कि राज्य में पशुपालकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है और कई युवा आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। राज्य में प्रतिदिन 21 लाख अंडों का उत्पादन हो रहा है। इस अवसर पर गुवाहाटी लोकसभा क्षेत्र की सांसद बिजुली कलिता मेधी, निगम के उपाध्यक्ष परेश बरकाकती, पशु चिकित्सा महाविद्यालय के वैज्ञानिक डॉ. विवेकानंद सैकिया, पशुपालन विभाग के प्रमुख सचिव मनीष ठाकुर और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मेले में पूर्वोत्तर राज्यों से विभिन्न भागीदार और 150 से अधिक स्टॉल शामिल हैं। इसमें विभिन्न प्रकार के पशुधन, पोल्ट्री, सजावटी पक्षियों की प्रदर्शनी और बिक्री के साथ-साथ पशु उत्पाद एवं दुग्ध उत्पाद उपलब्ध हैं।

समुत्कर्ष महाशिविर : 5000 विद्यार्थी करेंगे घोष वाद्यों का प्रदर्शन

गुवाहाटी। विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र द्वारा आयोजित *समुत्कर्ष महाशिविर* आगामी दिनों में गुवाहाटी के सरुसजाई स्टेडियम में संपन्न होने जा रहा है। विद्या भारती करने जा रही है पूर्वोत्तर भारत के बृहत शैक्षिक और सांस्कृतिक महाशिविर का आयोजन, जिसमें सातों राज्यों से 200 से अधिक विद्यालयों के हजारों विद्यार्थी भाग लेंगे। इस महाशिविर का मुख्य आकर्षण 5000 विद्यार्थियों द्वारा घोष वाद्यों का सामूहिक प्रदर्शन होगा, साथ ही 10000 विद्यार्थी विभिन्न शारीरिक कार्यक्रमों में भाग लेंगे। सर्वांगीण विकास हेतु विभिन्न सत्र होंगे आयोजित। इस ऐतिहासिक आयोजन की तैयारियों के लिए गुवाहाटी के जू रोड स्थित असम प्रकाशन भारती कार्यालय में महाशिविर की योजना बैठक संपन्न हुई। बैठक में आयोजन समिति के अध्यक्ष ले. जन (रिटा.) राणा प्रताप कलिता, संयोजक दीपांकर बोरा, शिशु शिक्षा समिति असम के अध्यक्ष कुलेंद्र कुमार भगवती, प्रांत मंत्री जगन्नाथ राजवंशी, विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र

के क्षेत्रीय संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी सहित आयोजन समिति के सभी विभागों के प्रमुख उपस्थित रहे। बैठक के दौरान शिविर की कार्ययोजना और तीन दिवसीय कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए ले. जन. (रिटा.) राणा प्रताप कलिता ने कहा कि यह शिविर शिक्षा जगत के लिए प्रेरणादायक होगा। बच्चे यहां से भारतीय शिक्षा प्रणाली के पांच आधारभूत सिद्धांतों का अनुभव लेकर जाएंगे।

रंगिया राइजमेल का वार्षिक उत्सव सफलतापूर्वक संपन्न

रंगिया (विभास)। रंगिया राइजमेल का वार्षिक उत्सव पारंपरिक रूप से 9 और 10 जनवरी को ऐतिहासिक राइजमेल कृषक शहीद भवन प्रांगण में आयोजित किया गया। 9 जनवरी, बृहस्पतिवार को पहले दिन के कार्यक्रम में रंगिया राइजमेल कृषक शहीद स्मृतिरक्षा समिति के सचिव पवन कलिता ने ध्वजारोहण किया। इसके पश्चात योगाचार्य ज्योतिष कलिता के मंगलाचरण पाठ के साथ ही असम के युवा नेता स्वर्गीय मोहन चंद्र कलिता की स्मृतिचारण सभा आयोजित की गई। सभा की शुरुआत में स्व.मोहन चंद्र कलिता की छवि के सामने उनके भातृ धीरू दत्त कलिता द्वारा दीप प्रज्ज्वलन और श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके पश्चात खुली सभा में हरदत्त वीरदत्त हाई स्कूल के सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक मुनींद्र मालाकर द्वारा *रंगिया की विरासत और उसका भविष्य* शीर्षक विषय पर एक चर्चा का संचालन किया गया। इस मौके पर संसाधन बालीसत्र सत्संगी सत्र के सत्राधिकार रॉबिन गोस्वामी और योगेश्वर विद्यापीठ हाई स्कूल के मुख्य शिक्षक मिराजुल इस्लाम उपस्थित रहे जिन्होंने इसका विस्तार से वर्णन किया। उत्सव के दूसरे दिन का कार्यक्रम 10 जनवरी, शुक्रवार को शहीद भवन प्रांगण में स्थित शहीद स्मारक स्तंभ पर दीप प्रज्वलन, श्रद्धांजलि तर्पण और सर्वधर्म प्रार्थना के साथ शुरू हुआ। इस कार्यक्रम में ग्राम स्वराज परिषद के कलाकारों ने रामधुन, नामाचार्य गोपेश चंद्र पाठक द्वारा घोषा पाठ, मौलाना स्कन्दर आलम द्वारा कैरट पाठ करने के अलावा श्री कृष्ण गीता और कीर्तन घोषा का प्रदर्शन यादव कलिता और अच्युत कलिता द्वारा किया गया।

इसके पश्चात भाग्यप्रिया नामती दल का नाम प्रदर्शन के बाद, रंगिया राजस्व मंडल के सर्कल अधिकारी देवाशीष बरठाकुर ने रंगिया राइजमेल कृषक शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके पश्चात राज्यसभा के सांसद भुवनेश्वर कलिता ने फिजियोथेरेपी भवन का आधिकारिक उद्घाटन किया और इस मौके पर आयोजित उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता की। कार्यक्रम के दौरान साधना योग केंद्र के नियमित योग साधकों ने उद्घाटन समारोह की शुरुआत में एक देशभक्तिपूर्ण सामूहिक गीत प्रस्तुत किया। उद्घाटन समारोह में क्रमश: डॉ. संजय तालुकदार, लक्ष्मीकांत महंतो, अब्दुल जब्बर और अन्य विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे। सचिव पबिन कलिता ने बैठक के उद्देश्यों की व्याख्या की और सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद देकर कार्यक्रम का समापन किया। योगाचार्य ज्योतिष कलिता द्वारा संचालित इस कार्यक्रम में सर्वश्री पवित्र कलिता, भवेन लहकर, गौरी प्रभा महंतो, परमेश्वर बुजरबरुवा, रेनू कलिता, रुनुमी दत्त डेका, सरस्वती कलिता, धीरू दत्त कलिता, दीपक कलिता, सुरभि लहरकर, दीपा कलिता सहित समिति के सभी पदाधिकारी और सदस्य सहित स्थानीय गणमान्य लोगों ने भाग लिया। वहीं संध्या लेखिका समारोह समिति, रंगिया शाखा की अध्यक्षा गौरी प्रभा महंतो द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

श्रीहरि सत्संग समिति एक सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक आंदोलन है : राज्यपाल

गुवाहाटी। श्रीहरि सत्संग समिति, पूर्वोत्तर एक सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक आन्दोलन है जो जन-गन के दिलों में कथा, सत्संग के माध्यम से राम और कृष्ण को स्थापित करने का कार्य कर रही है, साथ ही सनातन धर्म की महत्ता को भी जनमानस में फैला रही है। यह बातें राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने कहीं। आठगांव स्थित श्री गौहाटी गौशाला के वृंदावन गार्डन प्रांगण में श्रीहरि सत्संग समिति, पूर्वोत्तर के तत्वावधान में चल रहे पांच दिवसीय श्री कृष्ण कथा के चौथे दिन बतौर मुख्य अतिथि राज्यपाल ने कहा कि संस्था द्वारा संस्कार रक्षा, के माध्यम से वनवासी समाज में भगवत शक्ति के प्रति श्रद्धा का भाव जगाने का कार्य बड़े रूप में किया जा रहा है। भगवत शक्ति के माध्यम से जन-गन को भारत विकास यात्रा में सहयोगी बनने की प्रेरणा दी जा रही है। इतने बड़े रूप में यह कार्य हो रहा है वह भी बिना किसी सरकारी सहायता के जो संस्था के पदाधिकारियों के देश व समाज के प्रति संगठित शक्ति व समर्पण भाव को दर्शाता है। राज्यपाल ने कहा कि मुझे खुशी है, श्रीहरि सत्संग समिति, पूर्वोत्तर द्वारा जो प्रयास किए जा रहे हैं, वास्तव में इन प्रयासों से मानवीय चरित्र

निर्माण हो रहा है। युवा पीढ़ी में संस्कारों की परिपक्वता दृढ़ हो रही है, जिसका साक्षात प्रमाण है यहां उपस्थित व्यास कथाकार बहनें जो प्रशिक्षण प्राप्त कर गांव गांव में समाज को सनातन धर्म के प्रति बड़े स्तर पर जागृत करने का कार्य कर रही हैं। राज्यपाल ने आगे कहा कि जब समाज विभिन्न वर्गों में बंटा हो और उनकी विचारधारा, उनकी मान्यताएं अलग-अलग हो तो टकराव की शंकाएं बढ़ जाती है। श्रीहरि सत्संग समिति अपने कार्यो से सर्व वर्ग संभाव का उद्देश्य लेकर कार्य रही है, अर्थात विभिन्न जन-जातियों को एक साथ लाने का प्रयास यह संस्था कर रही है। यहां उपस्थित बच्चें भी अलग अलग जनजाति समाज से हैं, इन्होंने एक साथ प्रशिक्षण ग्रहण किया, एक साथ संस्कार शिक्षा ग्रहण की, कोई नहीं बता सकता कि ये बच्चे अलग-अलग जनजातियों से है। वास्तव में जनजाति समाज के बच्चों को कथा का प्रशिक्षण देकर श्रीहरि सत्संग समिति, पूर्वोत्तर ने अनुकरणीय उदाहरण पेश किया है। एक जैसा स्वरूप, एक जैसा परिवेश और एक जैसी विचारधारा के साथ ईश्वरीय कार्य के लिए निकलें है। जो कार्य ये बच्चे कर रहे हैं, वह सहज नहीं है, जटिल कार्य होते हुए भी इनकी संकल्प शक्ति इनके उद्देश्यों को साकार कर रही है। हम सबका दायित्व है कि इन बच्चों के हौसलों को कम न होने दें, इनके मार्ग को सहज बनाने के लिए आगे आएं। इससे पूर्व राज्यपाल आचार्य ने व्यासपीठ की पूजा कर मुख्य कथावाचक अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक प्रवक्ता स्वामी भूपेंद्र भाई पंड्या से आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर राज्यपाल के साथ मंच पर वरिष्ठ समाजसेवी शंकरलाल गोयनका, संरक्षक रामावतार भरतीया, कैलाश लोहिया, मार्गदर्शक अरुण कुमार बजाज, सुभाष अग्रवाल, विहिप के संगठन मंत्री दीनेश तिवाड़ी, समिति के अध्यक्ष अजीत जाना, श्रीकृष्ण कथा के चेयरमैन विनोद जसरासरिया व अशोक कुमार अग्रवाल मौजूद थे।

No.TDB/GAD/102/2024-25/1521 *Date 10/01/2025*

INVITATION FOR BIDS

The Block Development Officer, Tamulpur Development Block, Dist-Tamulpur, BTC, Assam invites bid affixing non-refundable Court fee Stamp of Rs. 8.25 (Rupees Eight and Twenty Five Paisa) only from the approved and eligible contractor Class-I (A, B, C), Class-II or Class-III category registered with Assam PWD (R&B)/Irrigation Deptt. For the following work under GAD Deptt. under SOPD fund for the year 2024-25. Tender Box will be available for dropping tender in the Office of the Block Development Officer, Tamulpur Development Block from 11/01/2025 upto 2.00 PM on 03/02/2025 (if any holidays or Bandh falls then the subsequent day) and the tender box will be opened at the same day on 3.00 PM in same office.

Sl. No.	Name of work	Tender value (In Lakh)	Time of Completion	Tender Cost & Earnest Money & Date of Tender
1	Const. of Brick Drain in the periphery of Tamulpur Durga Mandir	8.30	180 days from the date of issue of final work order	1. Tender cost @ 0.03% of A/A amount to be pledged by Bank draft in favour of Principal Secretary, BTC. 2. Earnestmoney@2% (In case of ST/SC 1%) of estimated value to be pledged by demand draft/FDR in favour of B.D.O Tamulpur Development Block 3. Bidders are specifically requested to inspect the field and study the working condition before submitting their offer/bid.
2	Improvement/Re-Development of Tamulpur Durga Mandir Field and provision of Grillage in Sabha Ghar	15.05		
3	Const. of Remaining work for Dimilapar Durga Mandir	15.00		
4	Const. of Stage at Srimanta Sankardev Sakha Satra near Matangapar Chowk, Tamulpur District.	16.80		
5	Const. of No.1 Banguri Bathou Thansali Rabha Ghar for the year 2024-25.	12.00		
6	Const. of Shiv Mandir Rabha Ghar at Nawakhat Hajong Supa for the year 2024-25.	12.00		
7	Const. of Kahibari Hari Mandir Rabha Ghar for the year 2024-25.	13.93		

Details NIT may beseen at Office of the B.D.O., Tamulpur Development Block, Tamulpur, Dist-Tamulpur.

Sd/- Block Development Officer,
Tamulpur Dev. Block, Tamulpur

IPR(BTC)-2023-24/1282

संपादकीय

स्त्री विरोधी अश्लील बदजुबानी

दिल्ली अद्र्धराज्य का चुनाव गरमाने नहीं, उबलने लगा है। दिल्ली में कौन 'आपदा' है और कौन 'बदनसीब', 'घोटालेबाज' है? इन सवालों का विश्लेषण करने से पहले हम प्रधानमंत्री मोदी से जानना चाहेंगे कि क्या भाजपा बदजुबान नेताओं की भी पार्टी है? प्रधानमंत्री ऐसे नेताओं पर खामोश ही नहीं हैं, बल्कि उन्हें चुनाव में प्रत्याशी भी बनाया गया है। फिलहाल रमेश बिधूड़ी भाजपा के सबसे बदजुबान, असभ्य, अमर्यादित नेता के तौर पर कुख्यात हैं। वह दो बार लोकसभा सांसद और 3 बार विधायक रह चुके हैं। नौसीखिया, बचकाना या अपरिपक्व नेता नहीं हैं। भाजपा ने उन्हें दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी के खिलाफ कालकाजी विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया है। कांग्रेस की अलका लांबा भी मुकाबले में हैं। बिधूड़ी ने एक सार्वजनिक मंच से कहा कि वह कालकाजी की सारी सडक़ें प्रियंका गांधी के गालों जैसी बनवा देंगे। यह अश्लील, असंगत उपमा देते हुए बिधूड़ी ने लालू यादव का उदाहरण दिया, जिन्होंने 2005 में बिहार की सडक़ें हेमामालिनी के गालों जैसी बनाने की घोषणा की थी। वह उपमा भी अश्लील थी और इस बार की उपमा भी भद्दी, महिला-विरोधी है। बिधूड़ी के बयान पर जबरदस्त राजनीतिक बवाल मचा, तो उन्होंने बयान वापस लेते हुए खेद व्यक्त किया, माफी नहीं मांगी। खेद जताने से ही अपराध की विद्रूपता कम नहीं हो सकती। बहरहाल इस प्रकरण के कुछ देर बाद ही बिधूड़ी ने उस मंच से, जहां से प्रधानमंत्री मोदी का संबोधन तय था, एक बार फिर बदजुबानी की और कहा कि आतिशी ने तो अपना बाप ही बदल लिया। यह एक महिला का नहीं, दिल्लीवालों और वहां की मुख्यमंत्री का अपमान है। यह भद्दा, कुत्सित, महिला-विरोधी, आधी आबादी-विरोधी बयान लोकतंत्र का भी अपमान है। क्या ऐसी बदजुबानी पर प्रधानमंत्री भाजपा को वोट देने और आप-दा को बाहर करने का आह्वान कर सकते हैं? क्या दिल्ली की महिलाओं को ऐसे 'आदतन अपराधियों' को वोट देने चाहिए? दरअसल रमेश बिधूड़ी ऐसी बदजुबानी के 'आदी' हो गए हैं। उन्होंने बीती लोकसभा में विपक्षी सांसद दानिश अली को 'ओए...ओए..' कहकर संबोधित किया था और समूचे मुस्लिम समाज को 'आतंकवादी' करार दिया था। बिधूड़ी के खिलाफ एक जांच-समिति बिठाई गई, लेकिन उसका निष्कर्ष और निर्णय क्या रहा, क्या कार्रवाई की गई, आज तक कोई सार्वजनिक जानकारी नहीं है। बेशक भाजपा ने उन्हें लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी नहीं बनाया, क्योंकि क्षेत्र में उनके खिलाफ जन-लहर महसूस की जा रही थी। अब विधानसभा चुनाव में उन्हें क्यों उतारा गया? यानी भाजपा बिधूड़ी की बदजुबानी को 'असभ्य, असामाजिक, अश्लील' बयानबाजी नहीं मानती। इस बार बिधूड़ी ने जो बयान दिए हैं, वे एक औसत महिला के सम्मान, स्वाभिमान और चरित्र पर करारा प्रहार करते हैं, जो किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बीते 10 साल की राजनीति में भाजपा को महिलाओं ने लबालब वोट दिए हैं, जिन्होंने भाजपा की जीत सुनिश्चित की है। विडंबना तो यह है कि संसद में स्पीकर और संसद के बाहर, सार्वजनिक जीवन में, चुनाव आयोग ऐसी बदजुबानी का संज्ञान ही नहीं लेते, दंडित करना तो बहुत दूर की कौड़ी है। अश्लील बयानबाजी सिर्फ प्रियंका गांधी तक ही सीमित नहीं है। कांग्रेस के नेता भी अब कंगना रनौत और कैटरीना कैफ के गालों की उपमाएं दे रहे हैं, क्योंकि हेमामालिनी बूढ़ी हो गई हैं। महिलाओं को 'परकटी' भी कहा गया है।

दिल्ली में कौन 'आपदा' है और कौन 'बदनसीब', 'घोटालेबाज' है? इन सवालों का विश्लेषण करने से पहले हम प्रधानमंत्री मोदी से जानना चाहेंगे कि क्या भाजपा बदजुबान नेताओं की भी पार्टी है? प्रधानमंत्री ऐसे नेताओं पर खामोश ही नहीं हैं, बल्कि उन्हें चुनाव में प्रत्याशी भी बनाया गया है। फिलहाल रमेश बिधूड़ी भाजपा के सबसे बदजुबान, असभ्य, अमर्यादित नेता के तौर पर कुख्यात हैं। वह दो बार लोकसभा सांसद और 3 बार विधायक रह चुके हैं। नौसीखिया, बचकाना या अपरिपक्व नेता नहीं हैं। भाजपा ने उन्हें दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी के खिलाफ कालकाजी विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया है। कांग्रेस की अलका लांबा भी मुकाबले में हैं। बिधूड़ी ने एक सार्वजनिक मंच से कहा कि वह कालकाजी की सारी सडक़ें प्रियंका गांधी के गालों जैसी बनवा देंगे। यह अश्लील, असंगत उपमा देते हुए बिधूड़ी ने लालू यादव का उदाहरण दिया, जिन्होंने 2005 में बिहार की सडक़ें हेमामालिनी के गालों जैसी बनाने की घोषणा की थी। वह उपमा भी अश्लील थी और इस बार की उपमा भी भद्दी, महिला-विरोधी है। बिधूड़ी के बयान पर जबरदस्त राजनीतिक बवाल मचा, तो उन्होंने बयान वापस लेते हुए खेद व्यक्त किया, माफी नहीं मांगी।

एचएमपीवी के खिलाफ कोई टीका या प्रभावी दवा नहीं है और इलाज ज्यादातर लक्षणों को प्रबंधित करने के लिए होता है

नये चीनी वायरस से चिन्ता में डूबी दुनिया

ललित गर्ग

नये वर्ष में प्रवेश की शुभबेला में एकाएक इस महामारी की खबर से दुनिया भौचक्क एवं खौफ में आ गयी है। क्योंकि कोविड-19 महामारी के पांच साल बाद, चीन मौजूदा समय में नए वायरस एचएमपीवी से जूझ रहा है। इस वायरस ने चीन में हजारों लोगों को अपनी गिरफ्त में ले लिया है। वहां हालात बेकाबू हो रहा हैं, अस्पतालों के बाहर मरीजों की भीड़ नजर आ रही है। हालांकि, हर बार की तरह चीन का कहना है कि मीडिया खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। ये मौसम बदलने का असर है। ठंड बढ़ने से आमतौर पर लोग खांसी-जुकाम की समस्या से जूझते हैं। ये भी मौसम की वजह से ही हो रहा है।

मानव इतिहास की सबसे बड़ी एवं भयावह महामारी कोरोना को झेल चुकी दुनिया पर एक और नये चीनी वायरस ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) के संक्रमण की खबर ने दुनियाभर को चिंता में डूबो दिया है, बाजार से लेकर सामान्य जन-जीवन तक में डर, खौफ, अफरा-तफरी एवं असमंजस्य का माहौल व्याप्त है। कोविड-19 और अन्य श्वसन वायरस की तरह एचएमपीवी भी खांसने, छींकने और संक्रमित लोगों के निकट संपर्क से उत्पन्न बूंदों या एरोसोल के माध्यम से फैलता है। बुखार, सांस फूलना, नाक बंद होना, खांसी, गले में खराश और सिरदर्द इसके सामान्य लक्षण हैं। लेकिन डॉक्टरों का कहना है कि कुछ मरीजों को इस संक्रमण के कारण ब्रोंकाइटिस और निमोनिया हो सकता है। एचएमपीवी के खिलाफ कोई टीका या प्रभावी दवा नहीं है और इलाज ज्यादातर लक्षणों को प्रबंधित करने के लिए होता है। चीन में सांस की बीमारियों के बढ़ते मामलों की खबरों के बाद, भारत सरकार ने सतर्कता बढ़ा दी है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने डब्ल्यूएचओ से स्थिति पर लगातार अपडेट देने का अनुरोध किया है। नये वर्ष में प्रवेश की शुभबेला में एकाएक इस महामारी की खबर से दुनिया भौचक्क एवं खौफ में आ गयी है। क्योंकि कोविड-19 महामारी के पांच साल बाद, चीन मौजूदा समय में नए वायरस एचएमपीवी से जूझ रहा है। इस वायरस ने चीन में हजारों लोगों को अपनी गिरफ्त में ले लिया है। वहां हालात बेकाबू हो रहा हैं, अस्पतालों के बाहर मरीजों की भीड़ नजर आ रही है। हालांकि, हर बार की तरह चीन का कहना है कि मीडिया खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। ये मौसम बदलने का असर है। ठंड बढ़ने से आमतौर पर लोग खांसी-जुकाम की समस्या से जूझते हैं। ये भी मौसम की वजह से ही हो रहा है। चीन के सरकारी ब्रॉडकास्टर सीसीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार, दिसंबर के अंत में चीनी सीडीसी के आंकड़ों के मुताबिक 14 वर्ष और उससे कम आयु के मामलों में एचएमपीवी की पॉजिटिव दर में हाल ही में वृद्धि हुई है। एचएमपीवी वायरस से छोटे बच्चे, वृद्ध और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोग ज्यादा प्रभावित हुए है। चीन के साथ ही दुनिया के अनेक हिस्सों से इस महामारी से पीड़ति लोगों की खबरें आ रही है। भारत में भी चीन का खतरनाक वायरस एचएमपीवी पहुंच गया है। खबरों की मानें तो बेंगलुरु में 8 महीने का एक बच्चा एचएमपीवी वायरस से संक्रमित पाया गया है। बच्चे का ब्लड टेस्ट किये जाने के बाद ये दावा किया जा रहा है। यह

भारत में एचएमपीवी वायरस का पहला मामला है। हालांकि, भारत में एचएमपीवी वायरस के मामले की आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई। चीन में सोशल मीडिया यूजर्स का कहना है कि इन्फ्लूएंजा ए, एचएमपीवी, माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया और कोविड सहित कई वायरस फैल रहे हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि एचएमपीवी मामलों में वृद्धि के कारण अचानक मृत्यु दर में चिंताजनक वृद्धि हुई है तथा 40 से 80 वर्ष की आयु के लोग विशेष रूप से इससे प्रभावित हुए हैं। चीन की जिम्मेदार एजेंसियां इस वायरस के दुष्प्रभाव को घटाने में लगी हैं और यह उम्मीद की जा रही है कि चीन इस रोग पर लगाम लगाने में कामयाब हो जाएगा। चीन अपने यहां कोरोना वायरस पर भी लगाम लगाने में एक हद तक कामयाब रहा था। लेकिन वह दूसरे देशों में उसे फैलने से नहीं रोक पाया। लेकिन इस बार अब यह उम्मीद करनी चाहिए कि सजग चीन मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए अपने यहां से किसी भी संदिग्ध को किसी दूसरे देश की यात्रा न करने दें। साथ ही इस महामारी पर नियंत्रण पाने में जिस विधि एवं उपचार पद्धति से वह सफलता पाये, उसे समूची दुनिया से साझा करें, ताकि महामारी से महाविनाश का प्रकोप व्यापक न बन सके। एचएमपीवी का संक्रमण व्यक्तिगत संपर्क से बढ़ रहा है। अगर किसी संक्रमित व्यक्ति के किसी सामान को कोई स्वस्थ व्यक्ति छुए या उसके सम्पर्क में आये तो संक्रमण का खतरा बताया जा रहा है। यह वायरस चूंकि नया है, तो इसका अभी कोई टीका नहीं है। इसकी कोई एंटीवायरल दवा भी नहीं है। यह अच्छी बात है कि अधिकांश मामलों में लोगों को मामूली समस्याएं आ रही हैं। ज्यादातर लोग लक्षण के अनुरूप उपचार और आराम से ही ठीक होते जा रहे हैं। चीन ने साफ तौर पर कुछ बताया नहीं है, मगर अनुमान यही है कि गंभीर मामलों में लक्षणों को प्रबंधित करने के लिए अस्पताल में भर्ती होने, ऑक्सीजन थेरेपी या कॉर्टिकोस्टेरॉइड उपचार की आवश्यकता पड़ सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की अगर मानें, तो इस वायरस का संक्रमण अक्तूबर महीने से ही बढ़ रहा है। अच्छा यही है कि यह बीमारी मौसमी साबित हो और कम से कम लोगों के जीवन पर असर डाले। कोरोना महामारी तो महाविनाश का कारण बनी थी, एचएमपीवी ऐसा अनर्थ ना करें। चीन की साख कोरोना महामारी के कारण बहुत गिरी थी, दुनियाभर में लोगों के स्वास्थ्य पर हमला करने वाला चीन दुनिया की नजरों से गिर गया था। आखिर चीन अच्छी-अच्छी वस्तुओं, तकनीक एवं साजोसामान का निर्यात करते-करते महामारियों का निर्यातक क्यों बन गया? स्वास्थ्य एवं वैज्ञानिक क्रांति के लिये अग्रणी चीन अपने यहां आए दिन हो रहे ऐसे संक्रमण को लेकर सजग क्यों नहीं है? अब यह सवाल बिल्कुल जायज है कि वैज्ञानिक या कृत्रिम तरक्की की होड़ में कहीं चीन अपने लोगों के बुनियादी स्वास्थ्य की अनदेखी तो नहीं कर रहा है? कहीं चीनियों की रोग प्रतिरोधक क्षमता समाप्त या बहुत कम तो नहीं हो गई है? वे बार-बार किसी-न-किसी प्रकार की महामारी की चपेट में आ रहे हैं और सम्पूर्ण मानव जाति को इससे पीड़ति बना रहे है तो यह गंभीर बात है। क्या इसका बड़ा कारण चीनी लोगों को खान-पान है? जरूरत से ज्यादा सुविधावादी जीवनशैली, कृत्रिम संसाधनों की प्रचुरता एवं अप्राकृतिक जीवन उनकी सेहत पर भारी पड़ रहा है। ध्यान रहे कोरोना महामारी के समय विश्व स्वास्थ्य संगठन की भूमिका संतोषजनक नहीं थी। कोरोना महामारी की भयावहता के बावजूद वह चीन के प्रति उदार बना रहा। इसलिये एचएमपीवी महामारी के सन्दर्भ में सवाल उठ रहे हैं कि क्या डब्ल्यूएचओ गंभीरता दिखाते हुए पर्याप्त कदम उठायेगा? क्या उसने कोरोना महामारी के समय चीन से सही सवाल पूछे होते तो इस बीमारी के संभावित खतरे को नियंत्रित किया जा सकता था? क्या कोरोना बीमारी को लेकर विश्व को समय से सलाह न दे पाने में नाकाम रहने के लिए उसे जिम्मेदार माना जाना चाहिए? इस नयी महामारी को लेकर भी इन्हीं कारणों से डब्ल्यूएचओ पर ज्यादा विश्वास कैसे किया जा सकता है? भारत में स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक डॉ.अतुल गोयल ने शुक्रवार को कहा कि एचएमपीवी एक सामान्य सांस संबंधी वायरस है जो सर्दी जैसे लक्षण पैदा करता है। कुछ लोगों को, खासकर बुजुर्गों और शिशुओं को, फ्लू जैसे लक्षण हो सकते हैं।

दृष्टि कोण

पाकिस्तान के नक्शेकदम पर बांग्लादेश

कातिल की ये दलील भी मुंसिफ ने मान ली, मक्तूल खुद गिरा था खंजर की नोक पे'। बांग्लादेश की मौजूदा हुकूमत के सामने वहां के अल्पसंख्यक समुदाय पर हो रहा तशद्दुद व हिंसा का खौफनाक मंजर कुछ यही बयान कर रहा है। जाहिर है जब कातिल खुद ही अदालत का मुंसिफ होगा तो उसके एब ओ हुनर की तफ्तीश नहीं हो सकती। पाक सैन्य हुक्मरानों के जहन में बांग्ला लोगों के प्रति नफरत व हिकारत इस कदर थी कि पाक जरनैल 'अयूब खान' ने अक्तूबर 1958 को पाकिस्तान में तख्तापलट का पहला मजमून लिखकर बंगाली मूल के राष्ट्रपति 'इस्कंदर अली मिर्जा' को बर्खास्त करके पाकिस्तान छोडऩे का फरमान जारी कर दिया था। बर्तानिया में शरण लेने के बाद 12 नवंबर 1969 को लंदन में फौत हुए 'इस्कंदर अली मिर्जा' की मयत को पाकिस्तान में दफनाने की इजाजत भी नहीं मिली। काफी जद्दोजहद के बाद साबिक सद्रे पाक इस्कंदर मिर्जा के ताबूत को पड़ोसी मुल्क 'ईरान' में कब्र नसीब हुई थी। अपनी आजादी के प्रति भी बांग्लादेशियों के दोहरे मापदंड थे। पाक सेना की बर्बरता का शिकार हुए पूर्वी पाक के सियासी रहनुमा भारतीय सेना के रहमोकरम से आजाद होकर अपना बांग्ला निजाम नाफिज करना चाहते थे। मगर बांग्लादेश की कुछ सियासी जमातें व मजहबी रहनुमां आजाद होकर मानसिक व जज्बाती तौर पर पाकिस्तान के साथ ही रहना चाहते थे। मार्च 1971 में बांग्ला आवाम पर पाक सेना की दरिंदगी के बदनुमां दाग बांग्लादेश में आज भी मौजूद हैं। बांग्लादेश की महिलाओं के साथ पाक सेना ने जो बर्बरता का सलूक किया था, उस शर्मनाक कारकर्दगी को लफ्जों में बयान नहीं किया जा सकता। पाक सेना की हलाकत से बचने के लिए लाखों बांग्ला लोगों ने हिजरत करके भारत के सरहदी राज्यों में शरण ली थी। इनसानियत का कत्ल तब होता है, जब पीड़ित को उठाने के बजाय लोग तमाशा देखने लगें। सन् 1971 में भी यही हुआ। पूर्वी पाक की कत्लोगारत का मुद्दा भारत ने कई मुल्कों के समक्ष उठाया। लेकिन बांग्ला लोगों को पाकिस्तान के जुल्मोसितम से बचाने व शरण देने की जहमत किसी भी मुल्क ने नहीं उठाई। जगजाहिर है कि भारतीय सेना के जोरदार पलटवार से बेबस होकर पाक सेना ने 16 दिसंबर 1971 को पूर्वी पाक में आत्मसमर्पण कर दिया। भारतीय सेना ने पूर्वी पाक को नए मुल्क बांग्लादेश में तब्दील कर दिया था। मगर बांग्लादेश के मजहबी रहनुमां अपनी आजादी का श्रेय भारत के बजाय अपनी मुक्ति वाहिनी को दे रहे हैं, जबकि हकीकत यह है कि मुक्ति वाहिनी को हथियार उपलब्ध कराकर भारतीय सेना ने ही प्रशिक्षित किया था। बांग्लादेश की चरमपंथी जमातें व मजहबी रहनुमां पाकिस्तान के इशारे पर भारत के खिलाफ जहर उगल रहे हैं। अलबत्ता यहां 'अगरतला षड्यंत्र' का जिक्र करना जरूरी है। बांग्लादेश की सत्ता से बेदखल होकर भारत में शरण ले चुकी साबिक वजीरे आजम शेख हसीना के वालिद शेख मुजीबुर्रमान को अगरतला षड्यंत्र का हवाला देकर पाक सेना ने मई 1968 में कैद कर लिया था। पाक सदर 'अयूब खान' के दौरे हुकूमत में राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किए गए कई बांग्ला नागरिकों व पाक नौसेना के बंगाली मूल के अधिकारियों पर इल्जाम था कि उन लोगों ने पूर्वी पाकिस्तान की आजादी के लिए 'त्रिपुरा' राज्य की राजधानी 'अगरतला' में हिंदोस्तान से समर्थन की गुजारिश की थी। अगरतला साजिश को पाक हुकूमत ने पूर्वी पाक के वजूद के लिए खतरनाक चुनौती माना था। अगरतला षड्यंत्र को बेनकाब करने का खुलासा पूर्वी में तैनात 'आईएसआई' के कर्नल 'शम्सुल आलम' ने किया था। शम्सुल आलम को पाक सेना ने शांतिकाल के सर्वोच्च पदक 'सितारा-ए-बसालत' से सरफराज किया था। हालांकि अदालत में शेख मुजीब पर अगरतला षड्यंत्र के तहत पाकिस्तान को अस्थिर करने का आरोप साबित नहीं हुआ था, मगर पाक सेना ने 15 फरवरी 1969 को अगरतला साजिश के आरोपी बांग्ला सार्जेंट 'जहूरूल हक' को जेल में ही हलाक कर दिया था। जहूरूल हक के कत्ल की खबर से पूर्वी पाक भयंकर हिंसा की चपेट में आ गया। नतीजतन भारत की दखलअंदाजी के खौफ से अयूब खान ने अगरतला षड्यंत्र का केस रद्द कर दिया। ढाका विश्वविद्यालय का एक हॉस्टल उसी जहूरूल हक के नाम से जाना जाता है। मगर बांग्लादेश के हुक्मरान तथा मजहबी रहनुमां पाकिस्तान की जिहादी उल्फत में इस कदर नाबिना हो चुके हैं कि सन1971 में पाक सेना द्वारा की गई कत्लोगारत को नजरअंदाज कर रहे हैं। सूरतेहाल यह है कि बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर्रहमान की तमाम निशानियों को मिटाया जा रहा है। बांग्ला मुक्ति संग्राम में युद्धघोष बना 'जॉय बांग्ला' नारे को भी हटाया जा रहा है। अविभाजित भारत में सन् 1922 में बांग्ला शायर काजी नजरूल द्वारा अपनी नज्म में लिखा गया 'जॉय बांग्ला' बांग्लादेश का कौमी नारा है।

कुछ अलग

गौरवमयी इतिहास और तिलचट्टे

हमें सदा गल्प में जीने की आदत रही है। पुनर्जन्म में विश्वास रखने वाले हम तिलचट्टे सदा स्वर्ग की कामना में डूबे रहते हैं। सवाल पूछने की हिम्मत और आदत हम में न तब थी, न अब है। हमें तो हमेशा अपना अस्तित्व बचाने की चिंता लगी रही। इस जन्म में नहीं तो अगले जन्म में सही। हमारा उद्धार जरूर होगा, हम यही सोचकर जीते रहे। आज भी जी रहे हैं। अवतारों में विश्वास करने वाले हम तिलचट्टे मानते हैं कि हमारे आज के राजा भी नॉन-बॉयोलॉजिकल हैं। उन्होंने भले अप्रत्यक्ष रूप से देश को जंजीरों में जकड़ दिया है, कर के शत-प्रतिशत बोझ से हमें लाद दिया है और अपने मित्रों के माध्यम से खजाने भर लिए हैं। पर हम मानते हैं कि मरने के बाद सब कुछ यहीं छूट जाता है, जमीनें भी और खजीने भी। इसलिए हम उनका कोई प्रतिरोध नहीं करते। जाते समय तो सिकंदर भी हाथ खोले ही गया था। हमारे नाम की उत्पत्ति हमारे चाटने की विशेषता के कारण ही हुई है। तिलचट्टा शब्द 'तेल जमा चाट जमा आ' के मेल से बना है, जिसका अर्थ है तेल चाटने वाला। फिर चाहे तेल चाटो या तलवे, क्या फर्क पड़ता है। हम तो हमेशा इसी बात पर गर्वाए रहते हैं कि हम, जिन्हें अंग्रेजी में कॉकरोच कहा जाता है, पृथ्वी पर मौजूद सबसे प्राचीन कीटों में से एक हैं। हमारी तादाद आज दुनिया में सबसे ज्यादा है। जिसके कारण वही हैं, जो मैं पहले भी बता चुका हूं, कैसी भी विषम परिस्थितियों में लचीला आहार, पर्यावरणीय तनावों के प्रति प्रतिरोध, अनुकूलनशीलता, अद्वितीय आनुवंशिक लक्षण और तेज प्रजनन की क्षमता। हम विश्व के विभिन्न देशों की कला, साहित्य, लोक कथाओं, थिएटर और फिल्मों में मौजूद हैं। हमारे गौरवशाली अतीत को देखते हुए ही फ्रांज काफ्का ने अपनी कहानी 'द मेटामोर्फोसि' में अपने मुख्य किरदार ग्रेगर सैमसा को जिस विशाल 'कीड़े' में वर्णित किया है, उसके शारीरिक विवरण से साफ पता चलता है कि वह एक तिलचट्टा है। इस उपन्यास की पैरोडी में मार्क एस्ट्रिन की रचना 'इन्सेक्ट ड्रीम्स : द हाफ लाइफ ऑफ ग्रेगर सैमसा', जिसमें ग्रेगर सैमसा अपने परिवर्तन के बावजूद समृद्ध होता जाता है, अपने समाज में एक अहम व्यक्ति बन जाता है, और टायलर नॉक्स की नोयर कॉमेडी 'कॉकरोच' में एक कॉकरोच एक सुबह एक आदमी के रूप में जागता है और टाइम्स स्क्वायर में एक प्रमुख गैंगस्टर बन जाता है। ये रचनाएं बताती हैं कि आदमी कॉकरोच होने के बाद बेइंतहा तरक्की करता है। ऐसी रचनाएं हमें अपने कॉकरोच या तिलचट्टा होने पर गौरवान्वित करती हैं। हमारे देश में भले हम पर कोई फिल्म या टेलीविजन सीरियल न बना हो, पर हमें गर्व है कि पूरी दुनिया में हमारी चिकनाहट और चमक पर न जाने कितनी फिल्में और सीरियल बने हैं। क्या अब भी आपको यकीन नहीं कि हमारी हस्ती को न किसी क्षुद्र ग्रह का टकराना मिटा सकता है और न कोई सेक्स फेरोमोन्स जैसी कोई दवा। यह सत्य है कि हम आज ध्रुवीय बर्फ की चोटियों पर नहीं पाए जाते। लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि इनसानी बेवकूफियों के चलते ग्लोबल वार्मिंग के कारण बर्फ पिघलने के बाद हम जल्द ही उत्तरी और दक्षिणी ध्रुरव पर भी अपना साम्राज्य कायम कर लेंगे। हमारा सबसे पुराना जीवाश्म लगभग दो हजार लाख साल पुराना है। यही बात हमें अपने स्वर्णिम और गौरवशाली इतिहास पर इतराने पर मजबूर करती है और हमें विश्वास दिलाती है कि चाहे देश में इमरजेंसी हो, टैक्स का बोझ कमर तोड़ दे, गरीबी और बेरोजगारी हमारे गाल और पेट पिचका दे, शिक्षा का गिरता स्तर हमें रीढ़विहीन बना दे, पर हम हमेशा बने रहेंगे।

देश दुनीया से

नहीं गई दोस्ती में दगा की आदत

अक्टूबर 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच हुई मधुर बातचीत और विवादित स्थलों को लेकर समझौते की कडिय़ां आगे बढऩे से ऐसा लगने लगा था कि भारत और चीन के रिश्ते पटरी पर आ रहे हैं। लेकिन दोस्ती में दगा करने के आदी चीन ने फिर वही कटुता पैदा करने वाली हरकतें शुरू कर दीं। चीन ने होतान प्रांत में दो नए जिले बनाने की घोषणा की है। इन जिलों की सीमा का विस्तार भारत के केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में आता है। इसके पहले चीन ने तिब्बत क्षेत्र में ब्रह्मपुत्र नदी पर 137 अरब डॉलर की लागत से दुनिया का सबसे बड़ा बांध बनाने की घोषणा भी की है। इन दोनों घोषणाओं पर भारत ने भारतीय संप्रभुता के संबंध में दीर्घकालिक और सतत स्थिति पर असर नहीं पडऩे और न ही इससे चीन के अवैध और जबरन कब्जे को वैद्यता मिलेगी, ऐसा विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा है। हालांकि उन्होंने यह स्वीकारा कि इन तथाकथित जिलों का कुछ हिस्सा भारत के लद्दाख में आता है। ये विवादित घोषणाएं ऐसे समय में की गई हैं, जब दोनों देशों के विशेष प्रतिनिधियों ने लगभग पांच साल बाद फिर से सीमाओं के संदर्भ में बातचीत शुरू की है। इसी बातचीत के चलते दोनों देश पूर्वी लद्दाख के डेमचोक और देपसांग क्षेत्रों से पीछे हटने पर सहमत हुए थे। गलवान में 2020 में घटी सैन्य घटना से पहले की स्थिति बहाल रखने पर भी सहमति बन गई थी। सनद रहे कि चीन ने अक्साई चिन के करीब 40000 वर्ग किमी क्षेत्र पर पहले से ही कब्जा किया हुआ है। लद्दाख में 14000 फीट की ऊंचाई पर स्थित दुर्गम गलवन नदी घाटी में चीनी सैनिकों की दगाबाजी के चलते 20 भारतीय वीर सपूतों को शहीद होना पड़ा था। चीन के भी 40 से अधिक सैनिक मारे गए थे। 20 अक्टूबर 1975 के बाद 2020 में पहली बार इतना बड़ा हिंसक सैन्य संघर्ष भारत-चीन सीमा विवाद के परिप्रेक्ष्य में घटा था। 1975 में अरुणाचल प्रदेश के तुलुंगला क्षेत्र में असम राइफल्स की पेट्रोलिंग पार्टी पर चीनी सैनिकों ने घात लगाकर हमला किया था। इसमें हमारे चार सैनिक शहीद हुए थे। लेकिन अब बातचीत के बाद सेनाओं के पीछे हटने से लग रहा था कि स्थाई शांति बहाल हो जाएगी। परंतु लद्दाख के इसी क्षेत्र में दो नए जिलों की घोषणा से स्पष्ट हुआ है कि चीन की विस्तारवादी मंशा यथावत है। हालांकि भारत और चीन के बीच 1993 में प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव ने चीन यात्रा के दौरान वास्तविक नियंत्रण रेखा पर शांति और स्थिरता बनाए रखने की दृष्टि से एक समझौता किया था। समझौते की शर्तों के मुताबिक निश्चित हुआ था कि एक तो दूसरे पक्ष के खिलाफ बल या सेना के प्रयोग की धमकी नहीं दी जाएगी। दूसरे, दोनों देशों की सेनाओं की गतिविधियां नियंत्रण रेखा पार नहीं करेंगी। यदि भूलवश एक पक्ष के जवान नियंत्रण रेखा पार कर लेते हैं तो दूसरी तरफ से संकेत मिलते ही नियंत्रण रेखा के उस पार चले जाएंगे। तीसरे, दोनों पक्ष विश्वास बहाली के उपायों के जरिए नियंत्रण रेखा के इलाकों में काम करेंगे। सहमति से पहचाने गए क्षेत्रों में कोई भी पक्ष सैन्य अभ्यास के स्तर पर कार्य नहीं करेगा। बावजूद गलवान में सैन्य संघर्ष हो गया था। गलवान नदी घाटी क्षेत्र 1962 में हुई भारत-चीन की लड़ाई में भी प्रमुख युद्ध स्थल रहा था। गलवान घाटी श्योक नदी के इर्द-गिर्द है। नदी के दोनों किनारों पर ऊबड़-खाबड़ पथरीली जमीन है। नदी पहाड़ों को काटकर तेज धारा के रूप में बहती है। इस नदी घाटी की संरचना चंबल नदी और उसके बीहड़ों से मिलती-जुलती है। श्योक नदी का विवरण महाभारत और जम्मू-कश्मीर के प्राचीन इतिहास पर कल्हण द्वारा लिखे संस्कृत ग्रंथ 'राजतरंगिणी' में उल्लेखित है। हालांकि ब्रिटिश काल 1889 में श्योक नदी के स्रोत का पता करने के नजरिए से गुलाम रसूल गलवान के नेतृत्व में एक दल का गठन ब्रिटिश हुकूमत ने किया था। इस दल ने चांग चेनमो घाटी के उत्तर में स्थित नदी के स्रोत की खोज की। तब से इस नदी को गलवान कहा जाने लगा है। इस घाटी क्षेत्र में ही लेह से दौलत-बेग-ओल्डी तक 323 किमी लंबी पक्की सडक़ का निर्माण भारतीय सीमा सडक़ संगठन ने कर लिया है। इस मुख्य सडक़ से अनेक छोटी सडक़ें जुड़ी हुई हैं। इन्हीं मार्गों से सेना अपने ठिकानों तक पहुंचती है। इस सीमा रेखा पर दस ऐसे स्थल हैं जहां आए दिन झड़पें होती रहती हैं। 5-6 मई 2020 में चीनी सैनिकों ने लद्दाख की सीमा में तंबू गाढ़ लिए थे। इसी समय चीनी सैनिकों ने चीनी सीमा में सैन्य अभ्यास भी किया था। इस अभ्यास के बाद चीन और भारत ने सैन्य गतिविधियां बढ़ा दी थीं। इसी समय चीन ने यह भी दावा किया था कि पूरी गलवान घाटी पर उसी का अधिकार है। लगता है इस क्षेत्र में दो नए जिले (काउंटी) बनाने का विचार चीन की इसी साम्राज्यवादी मंशा का विस्तार है। चीन विवादित नियंत्रण रेखा पार कर अरुणाचल प्रदेश के चागलागम क्षेत्र में घुसने की कोशिश में लगा रहता है। 9 दिसंबर 2022 को अरुणाचल प्रदेश के तवांग क्षेत्र में भी दोनों देशों के बीच सैनिक झड़प हुई थी। वैसे भी चीन अपने किसी भी पड़ोसी देश का सगा नहीं है। चीन की सीमा 14 देशों से जुड़ी है और सभी से उसका सीमाई विवाद चलता रहता है। वह भारत के बरक्श बहरूपिया का चोला ओढ़े हुए है। एक तरफ वह पड़ोसी होने के नाते दोस्त की भूमिका में पेश आता है, वहीं दूसरी तरफ ढाई हजार साल पुराने भारत-चीन के सांस्कृतिक संबंधों के बहाने हिंदी-चीनी भाई-भाई का राग अलाप कर भारत से अपने कारोबारी हित साधता रहता है। चीन का एक अन्य मुखौटा दुश्मनी का है, जिसके चलते वह पूरे अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम पर अपना दावा ठोकता है। यही दावा अब वह लद्दाख पर जता रहा है। छोटे से देश भूटान को हड़पने की भी उसकी मंशाएं प्रकट रूप में सामने आती रहती हैं। चीन की यह मंशा भी रही है कि भारत की चीन की तुलना में अर्थव्यवस्था मजबूत नहीं होने पाए। इस दृष्टि से वह पाक अधिकृत कश्मीर, लद्दाख और अरुणाचल में अपनी नापाक मौजदूगी दर्ज कराकर भारत को परेशान करता है। इन बेजा हरकतों की प्रतिक्रिया में भारत द्वारा विनम्रता बरतने का लंबा इतिहास रहा है। इसी का परिणाम है कि चीन आक्रामकता दिखाने से बाज नहीं आता। दरअसल चीन का लोकतंत्रिक स्वांग उस सिंह की तरह है जो गाय का मुखौटा ओढक़र धूर्तता से दूसरे प्राणियों का शिकार करने का काम करता है।

आप का नजरीया

खेलों में उत्तराखंड से सीखना होगा

खेलों का राष्ट्रीय महाकुंभ इस बार हमारे पड़ोस उत्तराखंड में रौनक और शौकत बिखेरने के लिए पांव पसार रहा है। हिमाचल के बाद अस्तित्व में आए उत्तराखंड ने 38वीं राष्ट्रीय खेलों के आयोजन से अपना ढांचा इतना सुदृढ़ तो कर ही लिया कि राज्य में खेलों का चरित्र व प्रशिक्षण का ढर्रा बदल जाएगा। इससे पहले 2023 में गोवा जैसे छोटे राज्य ने खेलों के राष्ट्रीय आयोजन से ध्यान आकृष्ट किया था। ऐसे में सवाल यह कि हिमाचल कब ऐसे आयोजनों के मार्फत खेल वातावरण को खेल पर्यटन से जोडऩे का संकल्प लेगा। हिमाचल की आबोहवा व आधारभूत संरचना को अगर व्यवस्थित खेल ढांचे से जोड़ दें, तो राष्ट्रीय खेलों का आयोजन अगले कुछ सालों में एक दिशा परिवर्तन साबित होगा। उत्तराखंड में 28 जनवरी से 14 फरवरी तक खेलों के जरिए राष्ट्र के प्रतिमान सामने आएंगे, तो यह राज्य भविष्य की परिकल्पना में आगे बढ़ेगा। हमने पहले भी कहा था कि हिमाचल में राष्ट्रीय खेलों का आयोजन एक साथ आधा दर्जन शहरों के केंद्र में खेल ढांचे की जागीर बदल सकता है। इससे पूर्व क्रिकेट संघ ने अपने एक स्टेडियम के कारण खेल पर्यटन का अंतरराष्ट्रीय मुकाम हासिल किया है, तो बड़े आयोजनों के कारण धर्मशाला ट्रैफिक नियंत्रण की कार्यशाला में कई सफल प्रयोग कर पाया। ऐसे में अगर राष्ट्रीय स्तर के खेल आयोजनों के लिए पूरी तरह तैयार होना है या यहां खेल वातावरण विकसित करना है, तो एक साथ ऊना, हमीरपुर, बिलासपुर, धर्मशाला, मंडी, चंबा व पौंग बांध जैसे जलाशयों की परिधि में विशेष प्रयास करने होंगे। गोवा में राष्ट्रीय खेलों के कारण मापुसा, मडगांव, पंजिम, पोंडा और वास्को में एक साथ कई खेल गांव बन गए। हिमाचल में अपनी कनेक्टिविटी के कारण धर्मशाला में मुख्य स्टेडियम के अलावा बिलासपुर, ऊना, हमीरपुर व मंडी में विशेष खेलों का ढांचा अपने निखार पर होगा। कई इंडोर स्टेडियम, स्वीमिंग पूल, शूटिंग रेंज तथा वेलोड्रोम इस तरह निर्मित हो सकेंगे। विडंबना यह है कि हमारा अपना बजट खेलों के काबिल नहीं बनता। सबसे पहला प्रयास प्रेम कुमार धूमल के मुख्यमंत्रित्व काल में हुआ और इसके नतीजे में हमीरपुर व धर्मशाला में सिंथेटिक ट्रैक उभर कर सामने आए। इसके अलावा भारतीय खेल प्राधिकरण और राज्य के खेल छात्रावासों की भूमिका में प्रशिक्षण का दौर इतना बदल गया कि आज देश के करीब पांच सौ एथलीट धर्मशाला में रह कर निजी तौर पर प्रैक्टिस कर रहे हैं। आश्चर्य यह कि यहीं राष्ट्रीय खेल छात्रावास के लिए आया लगभग 25 करोड़ का बजट लौट गया और अब हाई आल्टीट्यूट ट्रेनिंग सेंटर की औपचारिकताएं इंद्रू नाग परिसर को पालिटिक्स में फंसा चुकी हैं। हिमाचल की आबोहवा में राष्ट्रीय प्रशिक्षण के कई शिविर और खेल अकादमियों के सफर पर उस वक्त विराम लग जाता है, जब राज्य की खेल नीति सिकुड़ और मुकर जाती है। विडंबना यह कि जो पारंपरिक खेल मैदान थे भी, वे पार्किंग या वाहन ट्रेनिंग सेंटर बन चुके है। सुजानपुर का मैदान किसी खेल कालेज का मुख्य परिसर होता, तो वहां की घास पर पशु न घूम रहे होते।

मांगे पूरी होने तक आत्महत्या करने वाले किसान का नहीं करेंगे अंतिम संस्कार

किसान संघर्ष कमेटी का एलान

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब पुलिस ने शंभू बॉर्डर पर आत्महत्या करने वाले किसान के टैंट से एक सुसाइड नोट बरामद किया है। इस बीच एकता का प्रस्ताव लेकर संयुक्त किसान मोर्चा की एक टीम शुक्रवार को खनोरी बॉर्डर पर पहुंचेगी। शंभू बॉर्डर पर तरनतारन जिला निवासी रेशम सिंह ने गुरुवार को सल्फास निगल कर आत्महत्या की थी। पुलिस को मिले सुसाइड नोट में रेशम सिंह ने कहा कि वह किसान मजदूर संघर्ष कमेटी के मेंबर हैं और मानते हैं कि मोदी सरकार व पंजाब सरकार को जगाने के लिए जान देने की जरूरत है इसलिए सबसे पहले वह अपनी जान दे रहे हैं। इसी दौरान शुक्रवार को किसान मजदूर संघर्ष कमेटी और किसान संघर्ष मोर्चा के सदस्यों ने भारत और पंजाब सरकार पर मामला दर्ज करने की मांग रख दी। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने एलान कर दिया है कि जब तक किसान के परिवार को नौकरी और 25 लाख रुपए नहीं दिए जाते, मृतक का न पोस्टमॉर्टम होगा और न ही संस्कार किया जाएगा। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने गुरुवार रात वीडियो जारी कर मृतक रेशम सिंह का न पोस्टमॉर्टम और न ही संस्कार करने की घोषणा की है। पंधेर ने वीडियो जारी कर कहा कि मरने वाले किसान का शव इस समय पटियाला स्थित रजिंदरा अस्पताल में रखा गया है। इसे देखते हुए दोनों फोरमों ने फैसला किया है कि किसान की आत्महत्या के लिए केंद्र सरकार पर मामला दर्ज किया जाना चाहिए। इसके अलावा परिवार को 25 लाख रुपए और परिवार के एक सदस्य को नौकरी दी जानी चाहिए। जब तक मांगों को नहीं माना जाएगा, किसान का संस्कार नहीं किया जाएगा।

अमृतसर की गुमटला चौकी में धमाका

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के अमृतसर में गुमटला चौकी पर बीती रात एक धमाका होने से सनसनी फैल गई। पुलिस ने इसे एक पुलिस वाहन का एडिएटर फटना बताया है, लेकिन आतंकी संगठन बब्बर खालसा ने पुलिस चौकी पर ग्रेनेड से हमला करने की बात कहते हुए इसकी जिम्मेदारी ली है। बताया गया कि गुरुवार देर रात करीब 12:30 बजे पुलिस चौकी में धमाके की आवाज सुनाई दी, जिसके बाद चौकी के अंदर तैनात सभी कर्मी बाहर आ गए। पुलिस के अनुसार चौकी के बाहर एएसआई तजिंदर सिंह की गाड़ी खड़ी थी, जिसका रेडिएटर फट गया और उसी के कारण धमाके की आवाज हुई। रेडिएटर फटने के कारण कूलेंट भी बाहर निकल गया। पुलिस आयुक्त गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने भी घटनास्थल का दौरा किया।

मुख्यमंत्री नवनियुक्त कार्मिकों से रविवार को करेंगे वर्चुअली संवाद

जोधपुर (हिंस)। जिला स्तरीय रोजगार उत्सव का आयोजन जिला मुख्यालय पर रविवार, 12 जनवरी को दोपहर 12 बजे डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज जोधपुर के ऑडिटोरियम में होगा। इस दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा नवनियुक्त कार्मिकों से वर्चुअली संवाद कर उन्हें संबोधित करेंगे। जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल ने बताया कि जिला स्तरीय कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को कार्य आवंटित करते हुए समुचित इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए है। जिला स्तरीय कार्यक्रम राज्य स्तरीय कार्यक्रम से वर्चुअली जुड़ेंगें। उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय कार्यक्रम के दौरान जिन नवनियुक्त कार्मिकों ने अभी तक नियुक्त पद पर कार्यग्रहण नहीं किया है, वे अपने गृह जिले के रोजगार उत्सव में शामिल होंगे। जबकि कार्यग्रहण कर चुके कार्मिक अपने पदस्थापन वाले जिलों से कार्यक्रम में भाग लेंगे।

सपा विधायक को फोन पर धमकाने वाला नेता गिरफ्तार

कानपुर (हिंस)। सपा विधायक नसीम सोलंकी को बार-बार फोन पर धमकी देने वाले नेता धीरज चड्ढा को आखिरकार स्वरूप नगर पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। इसके पूर्व गुरुवार देर रात सपा नेताओं ने थाने का घेराव करते हुए जमकर हंगामा काटा था। इसके बाद पुलिस ने आरोपी नेता के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसके घर पहुंची लेकिन वह फरार हो चुका था। पुलिस ने कई जगहों पर छापेमारी के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया। सीसामऊ विधानसभा सीट से नवनिर्वाचित विधायक नसीम सोलंकी और एक नेता धीरज चड्ढा के बीच फोन पर हुई बातचीत के आडियो उस समय से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं जब नसीम उप चुनाव के दौरान बनखंडेश्वर मंदिर में पूजन किया था। ताजा एक के बाद एक दो ऑडियो गुरुवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुए। ऑडियो में दोनों के बीच हुई बातचीत अचानक बहस में बदल गई पहले तो नेता ने विधायक को बहन बोलकर कहा कि मैं धीरज चड्ढा बोल रहा हूं। इस पर नसीम ने कहा बताइए, धीरज ने कहा कि बहन यह बताइए कोर्ट से आपको नोटिस गया, इसके बाद भी आप हाजिर नहीं हो रही हैं। आपके क्षेत्र में कहीं पर भी अलाव की व्यवस्था नहीं की गई है। इस पर नसीम ने कहा कि आप जाकर देखो अलाव बहुत जगहों पर जल रहा है। इस पर धीरज ने कहा कि आपके घर में जल रहा है क्या? नसीम ने कहा तमीज से बात करो। इस पर धीरज ने कहा कि तुम्हारा पूरा परिवार बदतमीज है, विधायक निधि का मिलने वाला पूरा रुपया लेकर क्या अपने घर में अलाव जलवा रही हो? इस पर नसीम भी गुस्से में बोलते हैं कि अलाव नहीं तुम्हारी चिता जलवा दें बेवकूफ बदतमीज आदमी इसकी शिकायत मैं पुलिस कमिश्नर से करूंगी। इस दौरान विधायक को अमर्यादित व अभद्र भाषा का भी प्रयोग किया गया। दोनों के बीच हुई बातचीत के दो आडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही सपा नेताओं में आक्रोश फैल गया गुरुवार की देर रात सपा के तमाम नेताओं ने थाने का घेराव करते हुए जमकर हंगामा काटा।

मेडिकल कॉलेज को मिले 450 नए नर्सिंग अधिकारी

जोधपुर (हिंस)। नर्सिंग भर्ती 2023 के पदस्थापन सूची में लगभग 450 नए नियमित नर्सिंग अधिकारी जोधपुर को मिले है जिससे पावटा, मंडोर, चौपासनी, महात्मा गांधी चिकित्सालय के सभी खाली पद पद भर गए है। वहीं काफी पद मथुरादास माथुर तथा उम्मेद अस्पताल के भी भर गए। राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन जोधपुर शहर के कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष एवं जिलाध्यक्ष जगदीश जाट ने बताया कि नए नर्सिंग अधिकारी मिलने के बाद इन अस्पतालों में पूर्व से पदस्थापित यूटीबी नर्सिंग अधिकारियों को हटाना प्रशासन की मजबूरी हो गई है। इसको लेकर आज राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन जोधपुर शहर ने डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल व नियंत्रक डॉ. बीएस जोधा से मुलाकात की तथा इस भर्ती के पश्चात भी उम्मेद, मथुरादास माथुर तथा अन्य अस्पतालों में रिक्त पड़े लगभग 550 पदों पर उन सभी यूटीबी नर्सिंग अधिकारियों को पदस्थापित करने का ज्ञापन सौंपा गया। इस पर प्रिंसिपल व नियंत्रक डॉ. बीएस जोधा ने जल्द पदस्थापित करने के लिए आश्वासन दिया। जिला अध्यक्ष जगदीश जाट ने बताया कि प्रिंसिपल व नियंत्रक डॉ. बीएस जोधा को ज्ञापन देकर मर्ज करने की मांग रखी गई। जाट ने बताया कि इस मेडिकल कॉलेज में लगभग 1020 पद रिक्त थे जिनमें से 670 पदों पर यूटीबी नर्सिंग अधिकारी कार्यरत है तथा 450 नए कार्मिकों के आदेश एक दिन पहले तथा पहले से लगे यूटीबी कार्मिकों में से लगभग 180 इस भर्ती में स्थायी हो गए। फिर भी अब 550 के करीब पद रिक्त है। चूंकि अब 500 के करीब यूटीबी नर्सिंग अधिकारी है तो इन्हें रिक्त पदों पर पदस्थापित करवाकर जोधपुर की जनता को फायदा दिया जा सकता है।

आरपीएससी परीक्षाएं : आरक्षित पदों के लिए चुने गए विकल्पों में संशोधन का दिया अवसर

अजमेर (हिंस)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा राजस्व अधिकारी ग्रेड-द्वितीय एवं अधिशाषी अधिकारी वर्ग -चतुर्थ (स्वायत्त शासन विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2022 के अंतर्गत अभ्यर्थियों द्वारा ऑनलाइन आवेदन में विभागीय कर्मचारियों के लिए आरक्षित पदों के लिए चुने गए विकल्पों में संशोधन का अवसर दिया गया है। संशोधन किये जाने के लिए 13 जनवरी 2025 से 17 जनवरी 2025 तक पांच दिवस का नि:शुल्क ऑनलाइन संशोधन किया जा सकेगा। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग सचिव ने बताया

कि उक्त परीक्षा के संदर्भ में आयोग के संयुक्त विज्ञापन 24 अगस्त 2022 एवं इसके क्रम में जारी शुद्धि पत्र 02 जनवरी 2023 एवं 14 अगस्त 2023 में विज्ञापित पदों में राजस्थान नगरपालिका अधीनस्थ एवं मंत्रालयिक सेवा के कर्मचारी तथा स्थानीय निकाय विभाग के मंत्रालयिक सेवा के कर्मचारियों के लिए ही पद आरक्षित है। इन पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि जो अभ्यर्थी उक्त आरक्षित पद वाले विभागों में कार्यरत हैं एवं उक्त आरक्षित पदों के लिए पात्रता रखते हैं केवल वे ही अभ्यर्थी आयोग द्वारा ऑनलाइन आवेदन में निम्न विकल्पों में से विकल्प संख्या एक या दो का चयन करें तथा जो अभ्यर्थी उक्त आरक्षित पदों के लिए पात्र नहीं है, वे विकल्प संख्या तीन का ही चयन करें।

नपा उपाध्यक्ष दिनेश अदलखा अपनी कुर्सी नहीं बचा पाए

सोनीपत (हिंस)। गन्नौर नगरपालिका परिसर में शुक्रवार को पार्षदों द्वारा नगरपालिका उपाध्यक्ष दिनेश अदलखा के खिलाफ लाया गया अविश्वास प्रस्ताव पास हो गया। करीब ढाई साल बाद यह प्रस्ताव पारित हुआ। एसडीएम मनीष कुमार फौगाट की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में नपाध्यक्ष अरुण त्यागी समेत 13 पार्षद उपस्थित थे, जबकि नपा उपाध्यक्ष सहित 4 पार्षदों ने बैठक में भाग लिया। सुरक्षा की दृष्टि से गन्नौर थाना प्रभारी जसपाल सिंह के नेतृत्व में पुलिस बल तैनात रहा। बैठक के दौरान 13 पार्षदों ने अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में वोट किया, जबकि नपाध्यक्ष ने अपने मताधिकार का प्रयोग नहीं किया। इस कारण दो तिहाई से अधिक पार्षदों द्वारा प्रस्ताव का समर्थन किए जाने से उपाध्यक्ष को अपनी कुर्सी गंवानी पड़ी। गत दिनों, 13 पार्षदों ने जिला उपायुक्त के समक्ष शपथ पत्र दाखिल कर उपाध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की बात कही थी। लेकिन बैठक के लिए समय निर्धारित न होने के कारण पार्षद हाईकोर्ट गए थे। बाद में 13 दिसंबर को बैठक के लिए समय निर्धारित किया गया। फिर 3 जनवरी को बैठक आयोजित हुई, लेकिन एसडीएम के अनुपस्थित रहने के कारण वह स्थगित हो गई। इसके बाद 10 जनवरी को यह बैठक आयोजित की गई, जिसमें अविश्वास प्रस्ताव पारित हो गया। नगरपालिका उपाध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पारित होने के बाद पार्षदों ने भाजपा नेता देवेंद्र कौशिक से मुलाकात की। पार्षदों ने उनसे जल्द नए उपाध्यक्ष का चुनाव करवाने की मांग की, ताकि शहर में विकास कार्यों की गति तेज हो सके।

तीन माह में अपराधियों पर लगाए अंकुश : नायब सैनी

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई करने के मामले में पुलिस को फ्री हैंड कर दिया गया है। पुलिस अधिकारी स्थिति के अनुसार निर्णय करते हुए कार्रवाई करेंगे। पुलिस अधिकारियों को अगले तीन माह के भीतर अपराधों पर अंकुश लगाने के साथ ही अपराधियों के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री शुक्रवार को प्रदेश के सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों, आईजी, डीजीआई व एडीजीपी स्तर के अधिकारियों की बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 31 मार्च से पहले देश में बने तीन नये कानूनों को राज्य में पूरी तरह से लागू करने के आदेश दिए गए। बैठक में मुख्य सचिव डॉ. विवेक जोशी, मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, गृह सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा, पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर और सीआईडी चीफ सौरभ सिंह समेत कई आलाधिकारी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने साइबर व महिलाओं के प्रति अपराधों में आई कमी पर संतोष जताया और पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर की पीठ ठोंकी। उन्होंने पुलिस को साल 2025 में 70 प्रतिशत गांव और वार्डों को नशामुक्त बनाने का लक्ष्य भी दिया। करीब सात हजार गांवों में फिलहाल 3350 गांव और 876 वार्ड नशामुक्त होने का दावा किया गया है। उन्होंने नशे का अवैध कारोबार करने वालों के प्रति किसी तरह की नरमी नहीं बरतने के आदेश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे संगठित गिरोहों का सफाया करने के लिए काम करें। मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों से कहा कि थानों में पीड़ित लोगों की एफआईआर दर्ज नहीं होती और जिनकी एफआईआर दर्ज हो जाती हैं, उन पर कार्रवाई नहीं होती। पुलिस की जांच भी कई-कई माह तक अधूरी पड़ी रहती हैं। एफआईआर दर्ज करने के बाद पीड़ितों को न्याय दिलाने तथा अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई की प्रक्रिया में तेजी लाने की जरूरत है। उन्होंने आलाधिकारियों को कहा कि यदि किसी पुलिस वाले की बदमाशों के साथ सांठगांठ के प्रमाण मिले, तो उसे किसी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि अच्छा काम करने वाले पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को सरकार सम्मानित करने का काम करेगी और सरकार की छवि खराब करने वाले पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई होगी।

हिंदू परिवार के घर में मजार बनाकर धर्म परिवर्तन कराने में चार लोग गिरफ्तार

हमीरपुर (हिंस)। जिले में शुक्रवार को कथित मौलाना ने झाड़फूंक कर बीमार महिला का इलाज करने का झांसा देकर धर्म परिवर्तन का मामला मौदहा कस्बे सहित क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर धर्म परिवर्तन का मामला दर्ज कर जांच तेज कर दी है। मौदहा कस्बा में सारी रात चले नाटकीय घटनाक्रम के बाद आखिरकार पुलिस ने प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन कराने और हिंदू समुदाय के घर में मजार बनाकर धार्मिक अनुष्ठान सम्पन्न कराने का मामला दर्ज किया है। गुरुवार की आधी रात कस्बे में उस समय हड़कंप मच गया जब एक हिंदू समुदाय के व्यक्ति के घर में कथित मौलाना सहित अन्य लोगों ने मुस्लिम धर्म की गतिविधियां शुरू कर दी। इसके बाद आसपास के लोगों ने हिंदू संगठनों के युवाओं को मामले की जानकारी दी और उसके बाद संगठन के युवाओं ने पुलिस को मामले से अवगत कराया तो पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल प्रभाव से छापेमारी की। उक्त मकान में कथित मौलाना हूरुददीन पुत्र बुद्धू निवासी मोहल्ला छिपटहरी मर्दन नाका बांदा जो लगभग एक दशक से कस्बे के अलग अलग मोहल्लों में रह रहा था। मौलाना ने महिला उर्मिला का झाड़फूंक के माध्यम से इलाज शुरू किया था। उर्मिला ने बताया कि बाबा ने कहा था कि तुम्हारे घर में प्रेत दफन है, इसलिए यहां पर बाबा का मजार बनाकर कुछ अनुष्ठान करना पड़ेगा। और वही अनुष्ठान बाबा हूरुददीन कर रहा था, जिसमें कव्वालियों का प्रोग्राम चल रहा था और हमारे घर में मजार भी बनवा दिया है। बाकी धर्म परिवर्तन जैसी कोई बात नहीं है। हम हिंदू हैं और हिंदू ही रहेंगे। पुलिस ने मामले में देररात छापेमारी कर कव्वालों सहित कथित मौलाना को गिरफ्तार किया है। महिला उर्मिला की तहरीर पर पांच लोगों के विरुद्ध विधि विरुद्ध धर्म परिवर्तन कराने की धारा सहित अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच तेज कर दी है। अपर पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार गुप्ता ने शुक्रवार को बताया कि मौदहा में एक घर में धर्म परिवर्तन की सूचना मिली थी। जिस पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए हूरुद्दीन, मेराज हसन, इरफान सहित अन्य लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर चार लोगों को गिरफ्तार किया है। जबकि सभी से पूछताछ की जा रही है।

राजस्थान पुलिस का पेपर लीक माफिया पर शिकंजा

जयपुर (हिंस)। प्रदेश में वर्ष 2023 तक विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाओं के कारण युवाओं में व्याप्त निराशा को दूर करने के लिए राज्य सरकार के निर्देश पर राजस्थान पुलिस की *स्पेशल इंवेस्टिगेशन टीम* (एसआईटी) ने विगत एक साल के दौरान एक के बाद एक अनेक प्रभावी कार्रवाइयों को अंजाम देकर नई नजीर पेश की है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश में नई सरकार का नेतृत्व संभालने के तुरंत बाद 16 दिसंबर 2023 को पेपर लीक से सम्बंधित प्रकरणों की गहन जांच एवं नकल गिरोह से जुड़े आरोपियों की धरपकड़ करते हुए हताश युवाओं के विश्वास को लौटाने के लिए अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, एटीएस और एसओजी के नेतृत्व में *एसआईटी* के गठन का निर्णय लिया था। एसआईटी ने प्रदेश में पेपर लीक की रोकथाम के लिए इस सम्बन्ध में दर्ज मामलों में न केवल जांच को त्वरित तरीके से आगे बढ़ाया है, बल्कि दोषियों के विरुद्ध सख्त से सख्त एक्शन से जताया है कि राज्य सरकार युवाओं को न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। पुलिस महानिदेशक उत्कल रंजन साहू ने बताया कि राजस्थान पुलिस की *एसआईटी* ने पिछले एक साल के अंतराल में पेपर लीक के अनेकानेक अपराधियों और पेपर लीक के मामलों में सम्मिलित गैंग के सरगनाओं की गिरफ्तारी से यह स्पष्ट संदेश दिया है कि प्रदेश में कानून के साथ खिलवाड़ किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि *एसआईटी* की निर्णायक कार्रवाईयों से बने माहौल के बीच प्रदेश में गत एक साल में राजस्थान लोक सेवा आयोग की 145 एवं राजस्थान अधीनस्थ सेवा बोर्ड की 25 परीक्षाएं बिना पेपर लीक पारदर्शी तरीके से आयोजित की गई है। डीजीपी साहू ने बताया कि प्रदेश में जेईएन पेपर लीक एवं उप निरीक्षक पुलिस एवं प्लाटून कमाण्डर भर्ती परीक्षा-2021 के पेपर लीक में सम्मिलित मुख्य गैंग सरगनाओं के साथ-साथ उनके सहयोगी तथा गलत तरीके से लाभान्वित हुए परीक्षार्थियों को भी गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से अनेक आरोपी वर्तमान में भी सलाखों के पीछे हैं। उन्होंने बताया कि *एसआईटी* द्वारा परीक्षाओं में गड़बड़ी और अनियमितताओं के बारे में अलग-अलग स्रोतों से प्राप्त शिकायतों के आधार पर 2300 से अधिक परिवादों की जांच की जा रही है। अब तक 94 एफआईआर दर्ज की गई है, वहीं पेपर लीक मामलों में 244 आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है, इनमें से 176 आरोपी मौजूदा समय में जेल में है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी) एटीएस और एसओजी तथा *एसआईटी* के प्रमुख वीके सिंह ने बताया कि प्रदेश में कैलेंडर वर्ष 2024 के दौरान एसओजी के थाने पर पेपर लीक, डमी अभ्यर्थियों के सहारे चयन तथा प्राइवेट विश्वविद्यालयों द्वारा फर्जी डिग्री सर्टिफिकेट थोक में जारी करने और इनका बड़े स्तर पर इस्तेमाल करते हुए सरकारी नौकरियां प्राप्त करने से जुड़ी 91 एफआईआर रजिस्टर की गई। उन्होंने बताया कि एसआईटी की जांच में विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में डमी अभ्यर्थी बैठाकर अनुचित साधनों के प्रयोग से चयनित होने वालों की संख्या बहुत अधिक होने का खुलासा हुआ। यह भी एक पेपर लीक जैसी गम्भीर समस्या थी, जो कि अब तक दबी हुई थी। एसआईटी ने इसे उजागर कर परीक्षा प्रणाली में सुधार करवाए हैं। एडीजी एसओजी एवं एटीएस सिंह ने बताया कि एसआईटी ने आरपीएससी द्वारा आयोजित अधिशाषी अधिकारी एवं राजस्व अधिकारी(ईओ/आरओ) भर्ती परीक्षा-2023 की जांच कर 20 आरोपितों को गिरफ्तार करते हुए इनमें पेपर लीक एवं अनुचित साधनों के उपयोग का पर्दाफाश भी किया है, राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा इस परीक्षा को निरस्त कर पुन: आयोजन की घोषणा की गई है। इसके साथ ही बेकरिया पेपर लीक प्रकरण में दिसम्बर 2022 में राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती परीक्षा-2022 के सिलसिले में थाना बेकरिया जिला उदयपुर में गिरफ्तार छह आरोपितों की जमानत याचिका राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर पीठ द्वारा सुनवाई के बाद अगस्त 2024 में खारिज की गई। ये आरोपी वर्ष 2023 से न्यायिक अभिरक्षा में है। सिंह ने बताया कि एसआईटी की जांच में ज्ञात हुआ कि पेपर लीक करने एवं डमी अभ्यर्थी की सहायता से चयन कराने वाले गैंग द्वारा बिना योग्यता वाले अभ्यर्थियों का अनुचित साधनों से चयन करवा दिया जाता था। परीक्षा का फार्म भरते समय उनके द्वारा यह घोषणा की जाती थी कि कि वे अमुक विश्वविद्यालय से अंतिम वर्ष के विद्यार्थी हैं किन्तु वे वास्तव में विद्यार्थी नहीं हो कर चयनित होने पर किसी प्राइवेट यूनिवर्सिटी से फर्जी डिग्री लाकर एवं अनुचित तरीकों से बड़ी संख्या में सरकारी नौकरी प्राप्त कर लेते थे।

समाजवादी पार्टी के पूर्व अध्यक्ष ने खुद को गोली मारकर की आत्महत्या

लखनऊ (हिंस)। लखनऊ के मौलवीगंज में समाजवादी पार्टी के पूर्व महानगर अध्यक्ष मुजीबुर्रहमान उर्फ बबलू ने अपनी कैंसर की बीमारी से परेशान होकर खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। मुजीबुर्रहमान के आत्महत्या की जानकारी मिलते ही वर्तमान महानगर अध्यक्ष सहित तमाम नेता एवं जनप्रतिनिधि उनके आवास पर पहुंचें। शुक्रवार को समाजवादी पार्टी के पूर्व महानगर अध्यक्ष मुजीबुर्रहमान उर्फ बबलू कैंसर जैसी गम्भीर बीमारी से लड़ाई लड़ रहे थे। मुजीबुर्रहमान को कैंसर से लड़ते हुए दो वर्ष बीत चुके थे। सुबह के वक्त अपने आवास पर ही उन्होंने अपनी लाइसेंसी रिवाल्वर से खुद को गोली मारी और खून से लथपथ गिर पड़े। जब तक परिजन कुछ समझ पाते, उनकी मौत हो गयी। घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय थाना वजीरगंज की पुलिस भी मौके पर पहुंची।

राजद नेता आलोक मेहता के बिहार सहित पूरे देश में 16 ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

पटना (हिंस)। बिहार सरकार के पूर्व मंत्री और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के वरिष्ठ नेता आलोक कुमार मेहता के 16 ठिकानों पर आज सुबह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की रेड पड़ी है। यह मामला बैंक लोन से डुड़ा हुआ बताया जा रहा है। यह छापेमारी बिहार, दिल्ली और उत्तर प्रदेश समेत 16 ठिकानों पर जारी है। प्रवर्तन निदेशालय कि टीम आज सुबह-सुबह आलोक मेहता के राजधानी पटना के आवास पर पहुंची है और यहां भी छापेमारी कर रही है। टीम के अधिकारी राजद के विधायक से मामले कि जानकारी ले रहे हैं। बताया जा रहा है कि वैशाली शहरी कॉरपोरेशन बैंक से जुड़ा करोड़ों रुपए के बैंक लोन घोटाला का यह मामला है। इस मामले में बैंक के प्रमोटर, चेयरमैन, सीएमडी, सीईओ सहित कई अन्य अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध बताई जा रही है। फिलहाल, राजद विधायक के पटना के सरकारी आवास पर भी एक टीम छापेमारी कर रही है। तकरीबन 85 करोड़ के बैंक घोटाले की बात कही जा रही है। इसमें फर्जी तरीके से लोन अकाउंट बनाया गया और पैसे का फर्जीवाड़ा किया गया। आलोक मेहता राजद के बड़े नेता है और उजियारपुर इलाके से इनका वास्ता रहा है। ऐसे में बिहार के 9 ठिकानों पर ईडी की टीम छापेमारी कर रही है। आलोक मेहता इस सरकारी बैंक के प्रमोटर रहे हैं। ऐसे में उनकी भूमिका काफी संदिग्ध बताई जा रही है। आलोक मेहता महागठबंधन की सरकार में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग का जिम्मा संभाल रहे थे। पहले इस बैंक में आलोक मेहता और उनके पिता चेयरमैन बने। आलोक मेहता करीब 20 साल तक इस बैंक के चेयरमैन रहे है। खुलासा हुआ कि लिच्छवि कोल्ड स्टोरेज प्राइवेट लिमिटेड और महुआ कोऑपरेटिव कोल्ड स्टोरेज नाम की 2 कंपनियों ने बैंक के करीब 60 करोड़ का गबन किया है। इन दो कंपनियों ने अपनी गारंटी पर करोड़ का लोन निकासी किया था। फर्जी कागजातों के सहारे किसानो के नाम पर दी गई। करोड़ों के इस लोन में बैंक ने भी नियम कायदो को ताक पर रख लोन जारी किया था। खुलासा ये भी हुआ की इस कोऑपरेटिव बैंक प्रबंधन ने फर्जी एलआईसी बांड और फर्जी पहचानपत्र वाले लोगों के नाम 30 करोड़ से ज्यादा रकम की निकासी कर ली है। बताया जाता है कि आलोक मेहता के पिता तुलसीदास मेहता ने करीब 35 साल पहले हाजीपुर में वैशाली शहरी कोऑपरेटिव बैंक की शुरुआत की थी। राजनितिक रसूख के दम पर बैंक चल निकला और साल 1996 में इस बैंक को आरबीआई का लाइसेंस भी मिल गया। इसके बाद आलोक मेहता (1995 से ही) बैंक के चेयरमैन बने और लगातार 2012 तक बैंक के प्रबंधन की कमान संभाले रखा। इस बीच 2004 में उजियारपुर से लोकसभा का चुनाव जीत सांसद भी बने लेकिन आलोक मेहता लगातार बैंक प्रबंधन की कमान संभाले रहे। 2012 में अचानक आलोक मेहता ने बैंक प्रबंधन का शीर्ष कमान अपने मंत्री पिता तुलसीदास मेहता को सौंप दिया और बैंक से खुद को अलग कर लिया। इस दौरान यह बात भी सामने आई है कि 2015 में भी इस तरह की गड़बड़ी हुई थी, जिसमें आरबीआई ने बैंक के वित्तीय कारोबार को बंद करा दिया था। गड़बड़ियों के आरोप में आलोक मेहता के पिता तुलसीदास मेहता पर एक्शन हुआ था। विवाद में आने के बाद आलोक मेहता के भतीजे संजीव को बैंक की कमान सौंप दी गई और संजीव लगातार इस बैंक के चेयरमैन बने रहे।

बीपीएससी छात्रों के समर्थन में 12 जनवरी को पप्पू यादव समर्थक करेंगे बिहार बंद

सहरसा (हिंस)। सांसद पप्पू यादव के आह्वान पर बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित 70वीं परीक्षा में हुई गंभीर अनियमितताओं, पेपर लीक और पुन: परीक्षा करवाने के मांग को लेकर छात्र, युवा-शक्ति द्वारा 12 जनवरी को बिहार बंद का एलान किया गया है। उसी संदर्भ में भी युवा शक्ति के कार्यकताओं के द्वारा सहरसा बंद भी किया जाएगा। जाप के पूर्व जिलाध्यक्ष रंजन यादव ने व्यापारी से आग्रह करते हुए कहा प्रदेश में प्रतियोगिता परीक्षा बिना पेपर लीक आयोजन हो। इसके लिए आयोजित बिहार बंद को सफल बनाने का काम करें। यह कोई राजनितिक आंदोलन नहीं है। यह आपके और आपके बच्चों के भविष्य के लिए है। कोई अपनी मेहनत की कमाई से, कोई खेत बेच कर, तो गहने गिरवी रखकर अपने बच्चों को पढ़ाते हैं, ताकि उसे नौकरी मिल सके। मगर जिसको आप लोगों ने वोट देकर सत्ता और विपक्ष में बिठाया, वो नौकरी ही बेच देते हैं। इससे बिहार को बचाने के लिए यह बंद है और उम्मीद है, 12 तारीख को आप सभी जुरूर अपनी आवाज बुलंद करेंगे। युवा शक्ति के जिलाध्यक्ष कपिल देव यादव ने कहा बीपीएससी परीक्षा रद्द कर पुन: निष्पक्ष परीक्षा कराने, पेपर लीक और अनियमितताओं की उच्चस्तरीय जांच की मांग पर छात्रों का समर्थन करते हुए आईए युवा

दिवस पर एकजुट हों और छात्रों के भविष्य के लिए आवाज उठाएं। स्वामी विवेकानंद जी के शब्दों में उठो, जागो और तब तक मत रुको, जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो। छात्रों के अधिकार और न्याय के लिए आप तमाम शहरवासी इस बंदी को सफल बनाने हेतु सहयोग करें। शिक्षाविद कमलेश्वरी यादव और शशिभूषण यादव ने कहा यह मामला केवल छात्रों के भविष्य का नहीं, बल्कि हमारी प्रशासनिक प्रणाली की साख और पारदर्शिता से जुड़ा है। छात्रों के साथ अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हमारी लड़ाई उनके हक और न्याय के लिए जारी रहेगी।

फैबटेक टेक्नोलॉजीज की स्टॉक मार्केट में धांसू एंट्री, पहले दिन ही निवेशकों का पैसा डबल

नई दिल्ली

बायोटेक सेक्टर के लिए प्री-इंजीनियर्ड और प्री-फैब्रीकेटेड मॉड्यूलर पैनल बनाने वाली कंपनी फैबटेक टेक्नोलॉजीज क्लीनरूम्स लिमिटेड ने लिस्टिंग के जरिए स्टॉक मार्केट में जबरदस्त एंट्री की। घरेलू शेयर बाजार के निगेटिव सेंटीमेंट्स के बावजूद इस कंपनी के शेयर ने पहले दिन ही अपने आईपीओ निवेशकों का पैसा डबल कर दिया।

आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 85 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयर एसएमई सेगमेंट के लिए मैक्सिमम परमीसिबल प्रीमियम 90 प्रतिशत के साथ 161.50 रुपये के स्तर पर लिस्ट हुए। लिस्टिंग के तुरंत बाद खरीदारी का सपोर्ट मिलने के कारण थोड़ी ही देर में कंपनी के शेयर उछल कर 169.57 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही 99.49 प्रतिशत का मुनाफा हो गया है।

फैबटेक टेक्नोलॉजीज क्लीनरूम्स लिमिटेड का 27.74 करोड़ रुपये का आईपीओ 3 से 7 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 740.37 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन में 224.50 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन 1,485.52 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 715.05 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के जरिए 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 32.64 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। इस आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरत को पूरा करने, एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को खरीदने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। फैबटेक टेक्नोलॉजीज क्लीनरूम्स लिमिटेड की आर्थिक स्थिति पर नजर डालें, तो 2021-22 में कंपनी को 3.60 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था।

न्यूज ब्रीफ

एसईसीआई ने अपनी संचयी आवंटित क्षमता 73 गीगावाट से अधिक बढ़ाई

नई दिल्ली। भारतीय सौर ऊर्जा निगम (एसईसीआई) ने दिसंबर में अपनी नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए संचयी आवंटित क्षमता को 73 गीगावाट से अधिक बढ़ा दिया है। जानकारी के अनुसार अक्षय ऊर्जा कार्यान्वयन एजेंसी (आरईआईए) ने इस प्रगति की सराहना की और बताया कि एसईसीआई जलवायु लक्ष्यों को पूरा करने के लिए महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। एसईसीआई के रूप में एक अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम की भूमिका के बारे में एक बयान में कहा गया कि यह भारत में नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के विकास और विस्तार में महत्वपूर्ण योगदान देता है। उसने भी सुनिश्चित किया कि इसकी संचयी ऊर्जा उत्पादन क्षमता 31 दिसंबर 2024 तक 73 गीगावाट से अधिक हो गई है। साथ ही एसईसीआई ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के साथ समझौता ज्ञापन के तहत अपने प्रदर्शन के लिए उत्कृष्ट रेटिंग हासिल की है। इसके परिणामस्वरूप उसे 100 में से 96 अंक प्राप्त हुए हैं। वित्त मंत्रालय द्वारा 30 अगस्त 2024 को एसईसीआई को नवरत्न का दर्जा भी प्रदान किया गया था।

वित्त वर्ष 2024-25 में पूंजी बाजारों से जुटाई गई राशि में वृद्धि की उम्मीदः बुच

मुंबई। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच ने एक और बड़ी घोषणा की है, जिसके अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 में पूंजी बाजारों से जुटाई जाने वाली राशि में लगभग 21 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद है। इसका अनुमानित मुख्य कारण है शेयर और ऋण साधनों के माध्यम से जुटाई जा रही धनराशि में वृद्धि। चेयरपर्सन ने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 के पिछले नौ महीनों में व्यापारिक संस्थाओं द्वारा शेयर से 3.3 लाख करोड़ रुपये तथा ऋण बाजारों से 7.3 लाख करोड़ रुपये जुटाए गए हैं, जिससे कुल जुटाई गई राशि 10.7 लाख करोड़ रुपये हो गई है। इसके साथ ही रियल एस्टेट निवेश ट्रस्टों, बुनियादी ढांचा निवेश ट्रस्टों और म्युनिसिपल बॉण्डों के द्वारा जुटाई गई धनराशि में भी वृद्धि की उम्मीद है। बुच ने उम्मीद जताई कि इस धनराशि में भविष्य में और भी वृद्धि हो सकती है। सेबी प्रमुख ने इस संदेश को दिया कि नियामक म्यूचुअल फंडों के नए प्रस्तावों को तेजी से मंजूरी दे रहा है और जल्द ही 250 रुपये की न्यूनतम राशि के साथ व्यवस्थित निवेश योजनाएं भी शुरू की जाएंगी। इससे स्पष्ट है कि भारतीय वित्तीय बाजारों में सत्ता और सुविधा की वृद्धि के साथ ही सेबी ने वित्त वर्ष 2024-25 में नये उत्थान के लिए एक बहुत ही उत्साही रूप से नकारात्मकीकरण की ओर कदम बढ़ाने का अभिप्रेरणा प्रदान किया है।

बेहतर परिणाम के लिए असाधारण प्रयास जरूरीः एलएंडटी

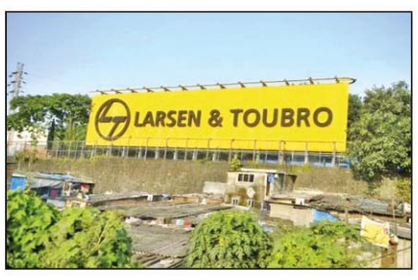

नई दिल्ली। एलएंडटी (लार्सन एंड टूब्रो) के चेयरमैन एसएन सुब्रमण्यन ने हाल ही में काम के घंटों पर की गई टिप्पणी के बाद काफी चर्चा में आए हैं। उन्होंने कर्मचारियों से 90 घंटे सप्ताह में काम करने की अपील की थी, जिसे कंपनी ने जारी बयान के माध्यम से समर्थन दिया है। इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर हंगामा मच गया और बहुत से यूजर्स ने इसे गलत बताया। चेयरमैन सुब्रमण्यन ने कहा कि भारत के विकास में सहायता के लिए असाधारण प्रयास की जरूरत है। उन्होंने यहां तक कहा कि उन्हें अपने कर्मचारियों के साथ असाधारण संबंध बनाने की जरूरत है ताकि कंपनी अपने उद्देश्यों को हासिल कर सके। जबकि सबसे पहले इस वीडियो को रेडिट पर शेयर किया गया था, लेकिन इसके बाद यह वायरल हो गया। चेयरमैन की इस टिप्पणी पर सोशल मीडिया पर गहरी विवादिता पर के साथ-साथ आलोचनाएं भी थीं। इसी के साथ पिछले साल इंफोसिस के सह-संस्थापक नारायण मूर्ति ने भी भारतीय युवाओं को सप्ताह में 70 घंटे काम करने की सलाह दी थी।

शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन गिरावट निवेशकों ने गंवाए 5.70 लाख करोड़ रुपये

नई दिल्ली

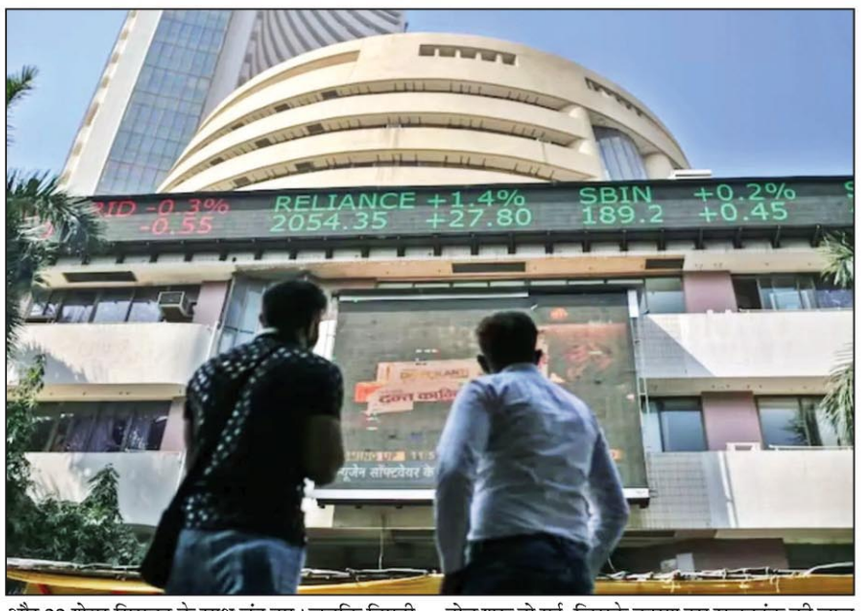

घरेलू शेयर बाजार लगातार तीसरे कारोबारी दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। के कारोबार की शुरुआत मामूली बढ़त के साथ हुई थी। हालांकि बाजार खुलते ही लिवाल और बिकवाल एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश में लग गए, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल भी लगातार ऊपर नीचे होती रही। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.31 प्रतिशत और निफ्टी 0.40 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।

दिन भर के कारोबार के बाद आईटी और टेक सेक्टर के अलावा बाकी सभी सेक्टोरल इंडेक्स गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। बैंकिंग, फार्मास्यूटिकल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक दबाव बना रहा। इसी तरह एनर्जी, मेटल और ऑटोमोबाइल इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, आईटी इंडेक्स 3.44 प्रतिशत और टेक इंडेक्स 2.24 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 2.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 2.40 प्रतिशत की कमजोरी के साथ के कारोबार का अंत किया।

शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब पौने छह लाख करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद घट कर 429.79 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 435.49 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 5.70 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,078 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 829 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 3,162 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 87 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,518 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 401 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 2,117 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 8 शेयर बढ़त के साथ और 22 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 14 शेयर हरे निशान में और 36 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स 62.38 अंक की मामूली बढ़त के साथ 77,682.59 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बाजार में तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल भी लगातार ऊपर-नीचे होती रही। खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 299.49 अंक की तेजी के साथ 77,919.70 अंक तक पहुंचा। वहीं बिकवाली का दबाव बनने पर ये सूचकांक 520.60 अंक की गिरावट के साथ 77,099.55 अंक तक लुढ़क गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 241.30 अंक टूट कर 77,378.91 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 25.40 अंक की तेजी के साथ 23,551.90 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की होड़ शुरू हो गई, जिसके कारण इस सूचकांक की चाल में लगातार उतार चढ़ाव होता रहा। खरीदारी के सपोर्ट से निफ्टी 70.10 अंक की मजबूती के साथ 23,596.60 अंक तक पहुंचा। दूसरी ओर, बिकवाली का दबाव बनने पर इस सूचकांक ने 182.15 अंक की कमजोरी के साथ 23,344.35 अंक तक गोता भी लगा दिया। दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद निफ्टी ने 95 अंक लुढ़क कर 23,431.50 अंक के स्तर पर के कारोबार का अंत किया। पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टीसीएस 5.62 प्रतिशत, टेक महिंद्रा 3.82 प्रतिशत, एचसीएल टेक्नोलॉजी 3.12 प्रतिशत, विप्रो 2.82 प्रतिशत और इंफोसिस 2.59 प्रतिशत की मजबूती के साथ के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, श्रीराम फाइनेंस 5.33 प्रतिशत, इंडसइंड बैंक 4.41 प्रतिशत, अडाणी एंटरप्राइजेज 4.18 प्रतिशत, एनटीपीसी 3.78 प्रतिशत और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स 3.64 प्रतिशत की कमजोरी के साथ के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

उपकरण उद्योग ने पीएलआई के दूसरे चरण, कर युक्तिकरण की मांग की

नई दिल्ली

उपकरण एवं उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग ने सरकार से कंप्रेसर तथा मोटर जैसे उच्च मूल्य वाले घटकों के लिए प्रोत्साहन योजना को बढ़ावा देने का दूसरा चरण चालू करने की मांग की है। उद्योग निकाय कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स एंड अप्लायंसेज मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (सीईएएमएए) ने भी आयात पर शुल्क में कटौती की मांग की है, जिससे उत्पादों को वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाने में मदद मिलेगी। सीईएएमएए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि करों में कटौती करने की आवश्यकता है ताकि उत्पादक संगठन प्रतिस्पर्धी बन सकें। उन्होंने प्लग एंड प्ले सुविधाओं के बड़े केंद्रों की स्थापना पर भी ध्यान देने का सुझाव दिया। अधिकारी ने बताया कि सरकार की पीएलआई योजना ने उत्कृष्टता के केंद्र बनाने में मदद की है और निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने में सहायक है। इस उद्यम में पिछले वर्षों मूल्य संवर्धन अच्छे प्रदर्शन का गवाह रहा है और उन्होंने दावा किया कि यह अभी और भी बढ़ने की संभावना है।

सीईएएमएए ने भी की आयात पर शुल्क में कटौती की मांग

जेएसडब्ल्यू स्टील का कच्चा इस्पात उत्पादन 2.3 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू स्टील ने अपने कच्चा इस्पात उत्पादन में बढ़ोतरी दर्ज की है, जिसके परिणामस्वरूप वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में उत्पादन 2.3 प्रतिशत बढ़कर 70.3 लाख टन पहुंच गया है। कंपनी ने बीएसई को दी जानकारी में बताया कि चालू वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही में इस्पात उत्पादन 68.7 लाख टन था। पूर्व परीक्षण के अलावा भारतीय परिचालन में क्षमता उपयोग 91 प्रतिशत रहा। कंपनी ने बताया कि अक्टूबर में एक ब्लास्ट फर्नेस में अस्थिरता के कारण तिमाही में उत्पादन और क्षमता उपयोग प्रभावित हुआ, लेकिन सामान्य परिचालन नवंबर के पहले सप्ताह में पुनर्संचालित हो गया।

कृषि मंत्री का स्वागत

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का रायपुर पहुंचने पर बृजमोहन अग्रवाल और डॉ. रमन सिंह ने किया स्वागत।

सर्राफा बाजार में लगातार दूसरे दिन महंगा हुआ सोना, चांदी में बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में तेजी का रुख बना हुआ है। हालांकि चांदी के भाव में लगातार दूसरे दिन कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोना 350 रुपये से लेकर 380 रुपये प्रति 10 ग्राम तक उछल गया है। इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 79,350 रुपये से लेकर 79,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 72,750 रुपये से लेकर 72,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में बदलाव नहीं होने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत भी 92,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही बनी हुई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 79,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 72,750 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 79,200 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 79,250 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 72,650 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 79,200 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 72,600 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 79,200 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 79,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 72,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 79,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 72,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 79,350 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में तेजी का रुख बना हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 79,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर ही कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 72,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशियाई बाजारों में भी बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बंद रहे। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.28 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 42,515.69 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। वहीं, एशियाई बाजारों में लगातार दबाव बना हुआ है।

यूरोपीय बाजारों में पिछले सत्र के दौरान लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.83 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,319.69 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.51 प्रतिशत उछल कर 7,490.28 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। दूसरी ओर, डीएएक्स इंडेक्स 0.06 प्रतिशत की गिरावट के साथ 20,317.10 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में लगातार दबाव बना हुआ है। एशिया के 9 बाजारों में से 8 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि इकलौता जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। फिलहाल जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.72 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,115.42 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 160 अंक यानी 0.68 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,500 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 0.35 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 19,173.51 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स में बड़ी गिरावट आई है। फिलहाल ये सूचकांक 1.70 प्रतिशत टूट कर 3,797.10 अंक तक गिर गया है।

इसी तरह निक्केई इंडेक्स 426.35 अंक यानी 1.08 प्रतिशत लुढ़क कर 39,178.74 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा ताईवान वेटेड इंडेक्स 0.08 प्रतिशत फिसल कर 23,061.62 अंक के स्तर पर, कोस्पी इंडेक्स 0.10 प्रतिशत टूट कर 2,519.38 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.63 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,354.33 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.39 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,198.83 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के एक बड़े मामले में 75.16 करोड़ की संपत्तियों कुर्क की

लखनऊ। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग के बड़े मामले में 75.16 करोड़ रुपये की संपत्तियों को कुर्क करने की कार्रवाई की है। धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 के तहत, ईडी ने मेसर्स थ्री सी प्रमोटर्स एंड डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड और अन्य समूह कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की है। इस मामले में मेसर्स हैसिंडा प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा धोखाधड़ी का आरोप है। जांच से पता चला कि नोएडा के सेक्टर 107 में स्थित लोटस 300 परियोजना में निवेशकों की राशि लेकर परियोजना पूरी नहीं हुई, जिसकी वजह से कंपनी दिवालिया हो गई। ईडी ने मेसर्स थ्री सी ग्रुप के निदेशकों और प्रमोटरों के परिसरों में छापेमारी की और 42 करोड़ रुपये की नकदी, हीरे और आभूषण, आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए। ईडी ने यह भी जानकारी दी कि असुरक्षित ऋण के रूप में धन का उपयोग होता रहा, जो अचल संपत्तियों की खरीद में किया गया। अब तक की कुल संपत्तियों की कीमत 98.29 करोड़ रुपये हो चुकी है और इस मामले में सख्त कार्रवाई की जा रही है। जांच जारी है और और भी संपत्तियां जब्त की जा सकती हैं।

वानखेड़े स्टेडियम की 50वीं वर्षगांठ पर एमसीए में मौजूद रहेंगे तेंदुलकर, गावस्कर समेत कई भारतीय कप्तान

मुंबई

मुंबई के दिग्गज क्रिकेटर और भारतीय टीम के पूर्व कप्तान 19 जनवरी को प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम की 50वीं वर्षगांठ मनाने के लिए मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) में शामिल होंगे।

एमसीए की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ये कार्यक्रम 12 जनवरी को शुरू होंगे और 19 जनवरी को एक भव्य मुख्य कार्यक्रम होगा, जिसमें प्रशंसकों के लिए एक रोमांचक शाम होगी।

मुंबई के दिग्गज, पूर्व और वर्तमान भारतीय क्रिकेट कप्तान - जिनमें सचिन तेंदुलकर, सुनील गावस्कर, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, रवि शास्त्री, अजिंक्य रहाणे, दिलीप वेंगसरकर और डायना एडुल्जी शामिल हैं, वानखेड़े स्टेडियम के ऐतिहासिक महत्व को मनाने के लिए एकजुट होंगे। यह उत्सव खेल की विरासत में स्टेडियम की महत्वपूर्ण भूमिका का सम्मान करने का वादा करता है।

मुख्य कार्यक्रम में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट दोनों से मुंबई के दिग्गज पुरुष और महिला खिलाड़ी भी शामिल होंगे।

इस शाम की मेजबानी प्रतिभाशाली मंदिरा बेदी और प्रसन्ना संत करेंगे, जो आकर्षक प्रदर्शनों की एक श्रृंखला के माध्यम से दर्शकों का मार्गदर्शन करेंगे। कार्यक्रम में प्रसिद्ध कलाकारों अवधूत गुप्ते और अजय-अतुल प्रदर्शन से लोगों का मनोरंजन करेंगे, साथ ही लेजर शो का भी आयोजन किया जाएगा।

इस अवसर पर एमसीए अध्यक्ष अजिंक्य नाइक ने कहा, जैसा कि हम प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम की 50वीं वर्षगांठ मना रहे हैं, मैं सभी क्रिकेट प्रशंसकों को इस महत्वपूर्ण अवसर का हिस्सा बनने के लिए हार्दिक आमंत्रित करता हूँ। हमारे महान नायक इस समारोह में हमारे साथ शामिल होंगे, और साथ मिलकर हम वानखेड़े स्टेडियम की समृद्ध विरासत को ट्रिब्यूट देंगे जो मुंबई का गौरव है। आइए इस उत्सव को वास्तव में अविस्मरणीय बनाएं। समारोह के एक भाग के रूप में, एमसीए के पदाधिकारी और शीर्ष परिषद के सदस्य 19 जनवरी को एक कॉफी टेबल बुक जारी करेंगे।

न्यूज़ ब्रीफ

दिनेश कार्तिक का अनुभव एसए20 सीजन 3 में फ्रेंचाइजी की मदद करेगा: डेविड मिलर

केपटाउन। पार्ल रॉयल्स के कप्तान डेविड मिलर ने अनुभवी बल्लेबाज दिनेश कार्तिक की प्रशंसा की और कहा कि विकेटकीपर-बल्लेबाज का अनुभव एसए20 सीजन 3 में फ्रेंचाइजी की मदद करेगा। एसए20 में डेविड मिलर की अगुआई वाली पार्ल रॉयल्स आज सनराइजर्स ईस्टर्न केप के खिलाफ टूर्नामेंट में अपना सफर शुरू करेगी। एसए20 सीजन 3 से पहले आधिकारिक कप्तानों की प्रेस कॉन्फ्रेंस में मिलर ने कहा कि रॉयल्स-आधारित फ्रैंचाइजी में कई नए चेहरे और रोमांचक युवा खिलाड़ी हैं। एसए20 रिलीज के अनुसार, मिलर ने कहा, मुझे लगता है कि इस साल हमारे पास कई नए चेहरे, कुछ रोमांचक युवा खिलाड़ी हैं। हमारे पास कुछ बेहतरीन प्रतिभाएँ हैं, इसलिए उन्हें पाकर हम बहुत उत्साहित हैं। साथ ही एक नया कोच, ट्रेवर पेनी, जिसके पास ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, कनाडा और जिम्बाब्वे के चार पासपोर्ट हैं। इसलिए वह काफी अनुभवी है और उसने यात्रा की है। वह कई सालों से दुनिया भर में कोचिंग और खेल रहा है, इसलिए उसे सेट-अप में पाकर बहुत अच्छा लगा। इस साल के एसए20 का एक मुख्य आकर्षण दिनेश कार्तिक का शामिल होना है, जो पार्ल रॉयल्स का प्रतिनिधित्व करेंगे। मिलर ने कहा, इंग्लैंड के शीर्ष बल्लेबाज जो रूट का अनुभव भी टी20 टूर्नामेंट के आगामी सत्र में फ्रैंचाइजी की मदद करेगा।

प्रीमियर लीग क्लब एवर्टन ने कोच सीन डाइचे को किया बर्खास्त

लंदन। प्रीमियर लीग क्लब एवर्टन ने अपने कोच सीन डाइचे को बर्खास्त कर दिया है। क्लब ने गुरुवार को उक्त घोषणा की। क्लब ने एक बयान में कहा, एवर्टन फुटबॉल क्लब इस बात की पुष्टि करता है कि सीन डाइचे को तत्काल प्रभाव से सीनियर पुरुष टीम के प्रथम टीम मैनेजर के पद से मुक्त कर दिया गया है। बयान में कहा गया कि डाइचे के सहायक इयान वोन, स्टीव स्टोन, मार्क हावर्ड और बिली मर्सर भी क्लब छोड़ कर चले गए हैं। डाइचे ने बोर्नमाउथ से 1-0 की हार के बाद अपना पद छोड़ दिया, जिससे एवर्टन प्रीमियर लीग में 16वें स्थान पर आ गया, हालांकि इस कदम का समय आश्चर्यजनक है, क्योंकि उसी शाम एवर्टन को एफए कप के तीसरे दौर में पीटरबोरो से खेलना है। पूर्व खिलाड़ी लीटन बैन्स, जो वर्तमान में एवर्टन की अंडर-18 टीम के कोच हैं, को अस्थायी रूप से प्रभारी बनाया गया है, क्लब ने घोषणा की है कि वह स्थायी प्रतिस्थापन की तलाश शुरू कर रहा है। 53 वर्षीय डाइचे ने फ्रैंक लैम्पार्ड की जगह लेने के बाद लगभग दो सीजन के बाद पद छोड़ दिया, एवर्टन को रिलीगेशन ज़ोन में रखा गया और उन्होंने 2022-23 सीजन में इसे सुरक्षित स्थान पर पहुँचाया, पिछले सीज़न में 15वें स्थान पर रहा। हालाँकि इस अभियान में एवर्टन का डिफेंस मज़बूत रहा है, लेकिन गोल करने में उसे संघर्ष करना पड़ा है, 19 लीग खेलों में उसने सिर्फ़ 15 बार गोल किया है।

दक्षिण अफ़्रीकी खेल मंत्री ने अफगानिस्तान क्रिकेट के बहिष्कार के आह्वान का किया समर्थन

नई दिल्ली। कई ब्रिटिश राजनेताओं द्वारा इंग्लैंड से अगले महीने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में अफगानिस्तान के खिलाफ नहीं खेलने की अपील के बाद, दक्षिण अफ्रीका के खेल मंत्री गेटन मैकेंजी ने भी महिलाओं के अधिकारों पर तालिबान सरकार की कार्रवाई का हवाला देते हुए बहिष्कार का समर्थन किया है। उन्होंने गुरुवार को एक बयान में कहा, क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका, अन्य देशों के महासंघों और आईसीसी को इस बारे में सावधानी से सोचना होगा कि क्रिकेट खेल दुनिया को क्या संदेश देना चाहता है, और खासकर खेल में महिलाओं को। खेल मंत्री के तौर पर यह अंतिम निर्णय लेना मेरे लिए नहीं है कि दक्षिण अफ्रीका को अफगानिस्तान के खिलाफ क्रिकेट मैचों का सम्मान करना चाहिए या नहीं। अगर यह मेरा फैसला होता, तो निश्चित रूप से मैं खेलने से रोकता। उन्होंने कहा, मेरे लिए एक ऐसे व्यक्ति के रूप में, जो ऐसी जाति से आता है, जिसे रंगभेद के दौरान खेल के अवसरों तक समान पहुंच की अनुमति नहीं थी, आज जब दुनिया में कहीं भी महिलाओं के साथ ऐसा ही व्यवहार किया जा रहा है, तो इस पर आंखें मूंद लेना पाखंड और अनैतिक होगा। इससे पहले, 160 से अधिक ब्रिटिश राजनेताओं ने इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) को एक क्रॉस-पार्टी पत्र पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें मांग की गई थी कि इंग्लैंड 26 फरवरी को लाहौर में अफगानिस्तान के खिलाफ अपने मैच का बहिष्कार करे। इस बीच, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के अध्यक्ष माइक बेयर्ड ने कहा कि पाखंड का आरोप लगने के बाद उन्हें हमारे द्वारा अपनाए गए रुख पर बहुत गर्व है। उन्होंने कहा, हमने एक रुख अपनाया है, और हम गर्व से उस जगह पर खड़े हैं, जहां हमें लगता है कि हमें खड़ा होना चाहिए।

डीपी वर्ल्ड आईएलटी20

सीजन 3 के उद्घाटन समारोह में जलवा बिखेरेंगे शाहिद कपूर, पूजा हेगड़े, सोनम बाजवा

दुबई

डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 सीजन 3 के उद्घाटन समारोह में 11 जनवरी शनिवार को बॉलीवुड के मेगास्टार शाहिद कपूर, पूजा हेगड़े और सोनम बाजवा अपना जलवा बिखेरेंगे। डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 का तीसरा सीजन 11 जनवरी से 9 फरवरी 2025 तक चलेगा।

शाहिद, पूजा और सोनम अपने ब्लॉकबस्टर गानों पर शानदार प्रदर्शन के साथ समारोह की शुरुआत करेंगे। इस अवसर को और भी शानदार बनाने के लिए, प्रसिद्ध बॉलीवुड निर्माता और अभिनेता जैकी भगनानी और रिधिमा पाठक उद्घाटन समारोह की मेज़बानी करेंगे।

उद्घाटन समारोह को लेकर शाहिद कपूर ने आयोजकों की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा, अगर आप मुझे जानते हैं, तो आप जानते होंगे कि मुझे क्रिकेट और डांसिंग कितना पसंद है। और जब ये दोनों चीजें एक साथ आती हैं, तो आप दोनों दुनिया का सबसे अच्छा अनुभव प्राप्त करने की उम्मीद कर सकते हैं, यही वजह है कि मैं 11 जनवरी 2025 को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में डीपी वर्ल्ड इंटरनेशनल लीग टी20 के उद्घाटन समारोह का हिस्सा बनने के लिए वास्तव में उत्सुक हूं। बॉलीवुड और क्रिकेट के जश्न के लिए अभी अपने टिकट खरीदें, जिसमें असली क्रिकेट-टेनमेंट की भावना हो।

उद्घाटन की शाम बॉलीवुड के बेहतरीन और टी20 क्रिकेट के शिखर का अनूठा संगम पेश करेगी, जो रिंग

ऑफ फायर के नाम से मशहूर डीआईएस की शानदार पृष्ठभूमि में होगा। सीजन के उद्घाटन के लिए टिकटों की बिक्री शानदार रही है, और डीआईएस में शनिवार की शाम को खास अंदाज में स्टेडियम खचाखच भरा हुआ है।

सीजन की पहली गेंद स्थानीय समयानुसार शाम 7:15 बजे फेंकी जाएगी, जब पिछले साल के ग्रैंड फिनाले के रोमांचक रीमैच में गत चैंपियन एमआई एमिरेट्स का सामना दुबई कैपिटल्स से होगा।

छह डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 फ्रेंचाइजी ने आंद्रे रसेल (अबू धाबी नाइट राइडर्स), सुनील नरेन (अबू धाबी नाइट राइडर्स), एलेक्स हेल्स (डेजर्ट वाइपर्स), शेरफेन रदरफोर्ड (डेजर्ट वाइपर्स), डेविड वार्नर (दुबई कैपिटल्स), रोवमैन पॉवेल (दुबई कैपिटल्स), क्रिस जॉर्डन (गल्फ जायंट्स), शिमरॉन हेटमायर (गल्फ जायंट्स), अकील होसैन (एमआई एमिरेट्स), निकोलस पूरन (एमआई एमिरेट्स), आदिल राशिद (सीजन 2 में शारजाह वॉरियर्स वाइल्डकार्ड पिक) और जॉनसन चार्ल्स (शारजाह वॉरियर्स) जैसे टी20 सुपरस्टार्स को रिटेन किया है।

इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल के महान खिलाड़ी जेसन रॉय (शारजाह वारियर्स) पिछले सीजन में अबू धाबी नाइट राइडर्स के लिए दो बार खेलने के बाद लीग में वापस आ गए हैं।

वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान जेसन होल्डर अबू धाबी नाइट राइडर्स के लिए खेलेंगे, ऑलराउंडर पिछले सीजन में दुबई कैपिटल्स के लिए खेले थे। इंग्लैंड के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट और पाकिस्तान के बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर सूफियान मुकीम भी अबू धाबी नाइट राइडर्स में शामिल हो गए हैं।

इसके अलावा, टिम साउथी (शारजाह वारियर्स), फखर जमान (डेजर्ट वाइपर्स), शाई होप (दुबई कैपिटल्स), लॉकी फर्ग्यूसन (डेजर्ट वाइपर्स), रोस्टन चेस (अबू धाबी नाइट राइडर्स), मैथ्यू वेड (शारजाह वारियर्स), इब्राहिम जादरान (गल्फ जायंट्स) और रोमारियो शेफर्ड (एमआई एमिरेट्स) सीजन 3 में अपना डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 डेब्यू करने के लिए तैयार हैं।

बांग्लादेश श्रृंखला के लिए वेस्टइंडीज टीम में शामिल हुईं चेरी फ्रेजर, जैनिलिया ग्लासगो

नई दिल्ली

बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू मैदान पर होने वाले आगामी सफेद गेंद श्रृंखला के लिए ऑलराउंडर चेरी-एन फ्रेजर और अनकैप्ड तेज गेंदबाज जैनिलिया ग्लासगो को वेस्टइंडीज की 15 सदस्यीय महिला क्रिकेट टीम में शामिल किया गया है।

सफेद गेंद श्रृंखला 19 जनवरी को तीन वनडे मैचों के साथ शुरू होगी और 30 जनवरी को तीन टी20 मैचों के साथ समाप्त होगी। सेंट किट्स सभी मैचों की मेजबानी करेगा। तेज गेंदबाज शमिलिया कोनेल और मध्यक्रम की बल्लेबाज रशदा विलियम्स भारत दौरे पर टीम के साथ नहीं थीं। सीडब्ल्यूआई की विज्ञप्ति के अनुसार, वेस्टइंडीज अनुभवी ऑलराउंडर स्टेफनी टेलर के बिना ही खेलेगी, जो अभी भी घुटने की चोट से उबर रही हैं। फ्रेजर ने कुल 12 वनडे खेले हैं और इस प्रारूप में उनका आखिरी प्रदर्शन अक्टूबर 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ था। हालाँकि, उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन पिछले साल जून में हंबनटोटा में श्रीलंका के खिलाफ टी20 में था। इस बीच, ग्लासगो ने चार टी20आई में हिस्सा लिया है, इनमें से आखिरी मैच मई 2024 में कराची में पाकिस्तान के खिलाफ था। हालाँकि वह 2023 से वेस्टइंडीज की वनडे टीम के साथ यात्रा कर रही है, लेकिन ग्लासगो को कभी भी वनडे में मौका नहीं मिला। सीडब्ल्यूआई की विज्ञप्ति के अनुसार, दोनों ने तस्मानिया में राज्य क्रिकेट में सफल प्रदर्शन किया है और उन्हें शामिल किया गया है। वेस्टइंडीज वर्तमान में महिला चैम्पियनशिप तालिका में नौवें स्थान पर है, जिसमें शीर्ष छह टीमें इस साल के अंत में भारत में होने वाले वनडे विश्व कप के लिए स्वत: योग्यता प्राप्त कर रही हैं। 21 मैचों में 14 अंकों के साथ, उनके लिए सीधे योग्यता प्राप्त करना असंभव है, भले ही वे बांग्लादेश पर 3-0 की जीत के साथ अधिकतम 20 अंक हासिल करें, जबकि न्यूजीलैंड 21 अंकों के साथ छठे स्थान पर है। हालांकि, 21 मैचों में 19 अंकों के साथ सातवें स्थान पर रहने वाला बांग्लादेश न्यूजीलैंड को पीछे छोड़कर शीर्ष छह में जगह बना सकता है। वेस्टइंडीज के मुख्य कोच शेन डेइट्ज ने कहा, बांग्लादेश का दौरा हमारी तैयारी के लिए एक आदर्श समय पर हुआ है। वे एक कुशल इकाई हैं, जिन्होंने प्रभावशाली विकास दिखाया है।

मिश्रित युगल बैउमिंटन

क्वालालंपुर में मिश्रित युगल बैउमिंटन मुकाबले में खेलते हुए फेंग यांजझी व हुआंग डोंगपिंग।

वर्ल्ड पैडल लीग का भारत में पदार्पण, मुंबई करेगा मेजबानी

मुंबई

यूएई में अपनी जबरदस्त सफलता के बाद, वर्ल्ड पैडल लीग (डब्ल्यूपीएल) भारतीय पैडल महासंघ (आईपीएफ) के समर्थन भारत में पदार्पण को तैयार है। इस लीग का आयोजन मुंबई के नेस्को सेंटर में 5 से 8 फरवरी तक किया जाएगा। लीग में 4 टीमें हिस्सा लेंगी, जिनमें दुनिया के 32 शीर्ष पैडल खिलाड़ी भाग लेंगे। दर्शकों को 4 दिनों में कोर्टसाइड एक्शन का भरपूर आनंद मिलेगा।

क्लाउडिया फर्नांडीज सांचेज (महिला विश्व नंबर 3), मार्टा ऑर्टेगा गैलेगो (महिला विश्व नंबर 7), सोफिया अराउजो (महिला विश्व नंबर 8), एलेजांद्रा सालाजार बेंगोएचिया (महिला विश्व नंबर 15), फेडेरिको चिंगोटो (पुरुष विश्व नंबर 4), जॉन सैन्ज़ (पुरुष विश्व नंबर 9), कार्लोस डैनियल गुटिरेज़ (पुरुष विश्व नंबर 19) सहित कई शीर्ष अंतरराष्ट्रीय पैडल खिलाड़ी पहली बार भारतीय धरती पर प्रतिस्पर्धा करेंगे।

प्रमुख शहरों में बढ़ती भागीदारी

और बढ़ते बुनियादी ढांचे के साथ, पैडल भारत में तेजी से बढ़ रहा है। डब्ल्यूपीएल और आईपीएफ के बीच साझेदारी खेल के विकास को और तेज करने के लिए तैयार है, जो खेल प्रेमियों की एक विस्तृत श्रृंखला को प्रेरित करेगी। वर्ल्ड पैडल लीग में अब एक महीने से भी कम समय बचा है, ऐसे में भारतीय पैडल महासंघ की अध्यक्ष स्नेहा अब्राहम सहगल ने कहा, वर्ल्ड पैडल लीग की तैयारियां जोरों पर हैं और हम भारत में इसके बहुप्रतीक्षित आगाज का इंतजार कर रहे हैं। पैडल के कुछ सबसे बड़े नाम अपने कौशल का प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं, यह आयोजन भारत में खेल की लोकप्रियता को बढ़ाने का वादा करता है। यह निश्चित रूप से पैडल के लिए एक नया अध्याय शुरू करेगा, जो सभी आयु समूहों के अधिक भारतीय प्रशंसकों को इस रोमांचक खेल से जुड़ने के लिए प्रेरित करेगा।

पीसीबी हॉल ऑफ फेम में शामिल हुए मिस्बाह, इंजमाम, सईद, मुश्ताक

लाहौर

इंजमाम-उल-हक, मिस्बाह-उल-हक, मुश्ताक मोहम्मद और सईद अनवर को 2024 के लिए पीसीबी हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने शुक्रवार को उक्त घोषणा की।

पीसीबी हर साल दो पूर्व क्रिकेटरों को पीसीबी हॉल ऑफ फेम में शामिल करता है। लेकिन इस बार, 2024 के लिए चार खिलाड़ियों को शामिल किया गया, क्योंकि 2023 में कोई खिलाड़ी शामिल नहीं था। पीसीबी के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने बोर्ड द्वारा जारी एक बयान में कहा, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की ओर से, मैं इन चार क्रिकेट दिग्गजों को पीसीबी हॉल ऑफ फेम में शामिल किए जाने पर हार्दिक बधाई देता हूं। यह सम्मान पाकिस्तान क्रिकेट और वैश्विक खेल में उनके उत्कृष्ट योगदान सम्मान है। पूर्व कप्तान इंजमाम-उल-हक ने वनडे क्रिकेट में पाकिस्तान के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड बनाया है, उनके नाम 11,701 रन दर्ज हैं। वह वर्तमान में 8,829 रन के साथ पाकिस्तान के टेस्ट रन बनाने वालों की सूची में तीसरे स्थान पर हैं। स्पिनरों के सबसे बड़े दु:स्वप्न इंजमाम ने 31 टेस्ट मैचों में पाकिस्तान की कप्तानी की, जिसमें से 11 जीते, नौ ड्रॉ रहे और 11 हारे। उन्होंने 87 वनडे मैचों में भी पाकिस्तान की कप्तानी की, जिसमें से 51 जीते, 33 हारे और 3 में कोई नतीजा नहीं निकला। उनके 25 टेस्ट शतकों में से 17 जीत के दौरान आए; उनके 10 वनडे शतकों में से सात पाकिस्तान की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मिस्बाह-उल-हक पाकिस्तान के पूर्व खिलाड़ियों के प्रतिभाशाली पूल में एक और खिलाड़ी हैं। अपनी बेदाग

तकनीक के लिए जाने जाने वाले मिस्बाह ने 56 टेस्ट मैचों में पाकिस्तान का नेतृत्व किया और 26 जीते। उन्होंने 2015 विश्व कप और आठ टी 20 आई सहित 87 मैचों में भी टीम का नेतृत्व किया। अपने शानदार करियर के दौरान, मिस्बाह ने 162 एकदिवसीय मैचों में 5,122 रन बनाए, जो शतक बनाए बिना करियर में किसी भी व्यक्ति द्वारा बनाए गए सबसे अधिक रन हैं। 42 अर्धशतक बनाने के बावजूद, सितारे मिस्बाह के पक्ष में नहीं थे क्योंकि वह 50 ओवर के प्रारूप में तीन अंकों का आंकड़ा छूने में विफल रहे। हरफनमौला कौशल वाले आक्रामक चरित्र मुश्ताक मोहम्मद ने 1959-1979 तक 57 टेस्ट मैचों में 3,643 रन बनाए और 79 विकेट लिए। उन्होंने 1976 से 1979 के बीच 19 टेस्ट मैचों में पाकिस्तान की कप्तानी की, जिसमें से आठ में जीत हासिल की, जिसमें 1977 में सिडनी में ऑस्ट्रेलिया में पाकिस्तान की पहली टेस्ट जीत भी शामिल है, सात ड्रॉ रहे और चार हारे। सईद अनवर, जो अपने समय में एक तेजतर्रार बल्लेबाज थे, ने अपने तीसरे टेस्ट में 169 रन बनाए और 55 टेस्ट मैचों में 11 शतकों सहित 4,052 रन बनाए। उन्होंने सात टेस्ट मैचों में पाकिस्तान की कप्तानी भी की। सईद का बल्ले से कौशल सिर्फ लाल गेंद के क्रिकेट तक ही सीमित नहीं था। उन्होंने 247 एकदिवसीय मैचों में उल्लेखनीय 8,824 रन बनाए, जिसमें घर से बाहर 205 एकदिवसीय मैचों में 7,227 रन शामिल हैं। नकवी ने कहा, मुश्ताक मोहम्मद को पाकिस्तान के बेहतरीन कप्तानों में से एक माना जाता है, जो अपनी शानदार नेतृत्व क्षमता और प्रेरणादायी शैली के लिए जाने जाते हैं। इंजमाम-उल-हक की अपार प्रतिभा और मैच जीतने की क्षमता ने खेल पर एक अमिट छाप छोड़ी है। मिस्बाह-उल-हक ने चुनौतीपूर्ण समय में पाकिस्तान टीम की कमान संभाली, उसे टेस्ट रैंकिंग के शिखर पर पहुंचाया और कैरेबियाई में ऐतिहासिक श्रृंखला जीत हासिल की।

ध्यान साधना

दुखों और रोगों से मुक्ति दिलाता है मेडिटेशन

ध्यान द्वारा अनेक लाभ होते हैं, ध्यान करने वाला सदा निरोग रहता है, उसे कभी भी कोई रोग नहीं होता। शरीर में भारीपन या आलस्य नहीं रहता, शरीर का वर्ण उज्जवल हो जाता है। ध्यान द्वारा हम सब प्रकार के दुखों से भी मुक्ति पा सकते हैं। साधारणतया जीवन में एक के बाद एक समस्याएं आती रहती हैं। उनसे बचने के लिए लोग तरह-तरह के उपाय भी करते हैं। कई लोग दुखों से बचने के लिए शराब, सिगरेट व अन्य खतरनाक किस्म के नशों का प्रयोग करते हैं। इससे उनका दुख कम तो नहीं होता, अपितु और अधिक बढ़ जाता है। उनका शरीर भी नशे की अग्नि में जल कर भस्म हो जाता है। जो दुख आने पर नशा नहीं करते वे चिंताएं इतनी रखते हैं कि चिंता से उनकी चिता बन जाती है।

ध्यान से रोगों और दुखों से छुटकारा

ध्यान द्वारा हम अनेक प्रकार के रोगों से ही नहीं, अनेक प्रकार के दुखों से भी छुटकारा पा सकते हैं। ध्यान द्वारा हम लाभ चाहते हैं तो हमें यह भी जानना आवश्यक है कि

हम ध्यान कैसे करें?

ध्यान की सही प्रक्रिया क्या है?
ध्यान के लिए किन बातों का ध्यान रखा जाए?
ध्यान करने के लिए किस प्रकार बैठा जाए।

इस संबंध में योगी बताते हैं कि ध्यान करने बैठें तो सिर, गला और छाती उठाए रख कर सीधी रखें, इधर-उधर न झुकने दें एवं शरीर सीधा और स्थिर रखें। यदि हम सिर, गला और छाती सीधे न रखेंगे, तो निद्रा और आलस्य के कारण ध्यान नहीं सध पाएगा। इसके और भी कारण हैं। मेरुदंड सीधा रखना आवश्यक है।

यह अवश्य रखें ध्यान

ध्यान करने बैठें तो यह अवश्य ध्यान रखना चाहिए कि शरीर को अकड़ाया न जाए, बल्कि उसे सरल और सहज ढंग से सीधा रखा जाए। जब हम ध्यान में एकाग्रता का प्रयास करते हैं, तो इंद्रियां जैसे बरबस ही विषयों की तरफ भागने लगती हैं। ऐसा करने का उनका पुराना अभ्यास पड़ा हुआ है। अतः इंद्रियों को बाहरी विषयों से हटाकर परमात्मा अथवा उसके स्वरूप दिव्य ज्योति में ध्यान लगाना चाहिए। जहां ध्यान किया जाए वहां आसन की भूमि समतल होनी चाहिए, वहां कूड़ा-करकट नहीं होना चाहिए। ध्यान का अभ्यास करने वाले की प्रकृति यदि ठीक है, तो शुरू से उसे कभी कोहरा दिखाई देता है, कभी धुआं दिखाई देता है, कभी सूर्य के समान प्रकाश दिखाई देता है, कभी आग जैसा तेज दिखाई देता है, कभी जुगनू की टिमटिमाहट-सी दिखाई देती है। ऐसे दृश्य यह आभास देते हैं कि ध्यान-साधना प्रगति पथ पर है और ध्यान में उन्नति हो रही है।

ध्यान की प्रक्रिया निरंतर चलती रहने से एक स्थिति यह आती है कि ध्यानी को पृथ्वी, जल, तेज, वायु एवं आकाश पर अधिकार प्राप्त हो जाता है। इन महाभूतों से संबंधित पांचों योगविषयक सिद्धियां प्राप्त हो जाती हैं। जब शरीर ध्यानस्थ होता है, तो परमात्मा की कृपा बरसती है। सभी प्रकार के दुखों का अंत हो जाता है। रोगनाश के लिए ध्यान एक अत्यंत प्रभावशाली उपाय है। ध्यान करने वाला आत्मतत्व के द्वारा ब्रह्मतत्व को भली-भांति प्रत्यक्ष कर लेता है और फिर वह सब प्रकार के बंधनों से सदा के लिए छूट जाता है।

ईर्ष्या से ग्रसित इंसान

स्वयं को पहुंचाता है नुकसान

इंसान विपरीत भावों के जाल में उलझता हुआ जीता है। उसके कुछ भाव सकारात्मक होते हैं और कुछ नकारात्मक। प्रेम, सद्भाव, सेवा और त्याग की प्रवृत्ति जहां जीवन के उत्थान का कारण बनती है, वहीं दूसरी ओर क्रोध, ईर्ष्या, द्वेष जैसे भाव मानव को कितना नुकसान पहुंचाते हैं, इसकी अनुभूति उसे खुद भी नहीं हो पाती। इनमें ईर्ष्या एक नकारात्मक भाव है, जिसकी तीव्रता कभी मंद तो कभी तेज प्रतीत होती है। कहीं-कहीं तो अत्यधिक ईर्ष्या से ग्रस्त प्राणी दूसरों को हानि पहुंचाने के साथ स्वयं अपने विनाश की ओर अग्रसर होता जाता है। यदि यह मानें कि चिंता चिता के समान है तो ईर्ष्या उसकी अग्नि है। तभी तो इसे जलन की संज्ञा दी जाती है। स्वभाव में ईर्ष्या का पुट कहीं न कहीं अपने आप में छोटेपन का परिचायक है। मनुष्य प्रत्येक क्षेत्र में सफल नहीं हो सकता, परंतु अविवेकी लोग यह मानने लगते हैं कि मैं सबसे अग्रणी हूं, मुझसे अच्छा या योग्य और कोई नहीं। ऐसी परिस्थिति में जब वे वह नहीं प्राप्त कर पाते जो दूसरे आसानी से भोग रहे होते हैं तो वे ईर्ष्या के भाव से ग्रस्त होने लगते हैं। यह भाव उनकी प्रकृति व संस्कार का हिस्सा बन जाता है। फिर ईर्ष्या जन्म देती है क्रोध और

घृणा को, जो और भी भयंकर परिणाम का कारण बनते हैं।

मनोविज्ञानी भी इस तथ्य की पुष्टि करते हैं कि एक सीमा से आगे पहुंचकर ईर्ष्या मनुष्य को एक प्रकार की रुग्णावस्था में पहुंचा देती है। दुर्भाग्य तो यह है कि उसे इस विषम परिस्थिति का ज्ञान ही नहीं हो पाता कि कब ईर्ष्या की मनोदशा उसे किस दलदल में धंसाने लगती है। ईर्ष्या एक ऐसा छिपा हुआ भाव है जिसे मनुष्य जानते-समझते हुए भी अस्वीकार करता रहता है। वैज्ञानिक विश्लेषण यहां तक सिद्ध करने का दावा करते हैं कि क्रोध और ईर्ष्या की स्थिति में शरीर में नुक्सानदेह हार्मोन का स्राव ज्यादा होता है। ईष्या से ग्रस्ति प्राणी स्वयं अपने को ही पीड़ा देता है। यदि दूसरों से व्यर्थ की होड़ न करके संयम रखते हुए मनुष्य खुद को ऊपर उठाने में प्रयासरत रहे तो कोई कारण नहीं कि ईर्ष्या जैसी अग्नि से बचा न जा सके।

सेहत के लिए हानिकारक हैं ये फूड

आज के समय में ज्यादातर लोग बाहर की चीज़ें खाना पसंद करते है। ये उनकी सेहत के लिए बिल्कुल अच्छी नहीं होती। लेकिन हम अपनी डेली रूटीन में भी घर पर ऐसी कई चीज़ों का सेवन करते हैं, जो हमारी सेहत के लिए हानिकारक होती है। बावजूद इसके हम अपनी व्यस्त लाइफ के कारण अपने खान-पान पर ध्यान नहीं देते और जाने-अनजाने में घर बैठे कई बीमारियों को बुलावा दे देते हैं। आईए जानते हैं उन हानिकारक चीजों के बारे में

पैक्ड फूड: चॉकलेट, पैक्ड जूस, पॉपकॉर्न इन सभी में आर्टिफिशियल रंग मिला होता है, जो हमारे शरीर के लिए हानिकारक होता है। इसलिए इनका सेवन करने से बचें।

बासी खाना: बहुत से लोग रात के बचे चावल या बासी खाना अगले दिन खा लेते हैं, जिसे खाने से आपकी सेहत पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

अचार: अधिक मात्रा में अचार खाने से भी जुकाम, सूजन और गांठ जैसी बीमारी हो सकती है।

अंडा और दूध: किसी भी जानवर से निकलने वाली चीज़े जैसे कि दूध या अंडा बिना उबाले नहीं खाना चाहिए। इससे आप बीमार का शिकार हो सकते हैं।

चाय या कॉफी: अक्सर लोग सुबह उठकर खाली पेट चाय या कॉफी पीते हैं। इससे पेट में एसिडिटी की समस्या होती है।

वैसलीन को इन तरीकों से करें इस्तेमाल

सर्दियों में फटे होंठों को मुलायम और हाथों को कोमल बनाने के लिए हर घर में पेट्रोलियम जेली का इस्तेमाल होता आ रहा है. इसके अलावा, पैरों की फटी एड़ियों को भी फिर पहले जैसी खूबसूरत बनाने के लिए पेट्रोलियम जेली लगाई जाती है. लेकिन सिर्फ हाथ-पैरों को सुंदर बनाने के अलावा पेट्रोलियम जेली को और भी कई तरीकों से इस्तेमाल किया जा सकता है. आपको बता दें कि पेट्रोलियम जेली को ज़्यादातर लोग वैसलीन के नाम से जानते हैं. यहां जानिए इसके चौंका देने वाले 7 फायदों के बारे में, जिससे आप सभी अब तक अनजान रहे हैं.

1. अगर आप हर वक्त महकना चाहते हैं और बार-बार परफ्यूम लगाने के झंझट से बचना चाहते हैं तो इसे लगाने से पहले उस जगह पेट्रोलियम जेली लगा लें. जैसे आपको गर्दन और कलाईयों पर परफ्यूम लगाना है तो उस जगह पहले थोड़ी पेट्रोलियम जैली यानी वैसलीन लगा लें और फिर परफ्यूम स्प्रे करें. इससे खुशबू पूरे दिन बनी रहेगी.

2. शूज़ को पॉलिश करने वाली वैक्स खत्म हो जाए और आपको जूते चमकाने हो! तो ऐसे में थोड़ी-सी पेट्रोलियम जेली अपने जूतों पर लगाएं और साफ कपड़े से इसे रगड़ें. ऐसा करने से आपके जूते शाइन करने लगेंगे. पेट्रोलियम जेली का बेस्ट पार्ट ये है कि इससे आप किसी भी रंग के शूज़ और हील्स को चमका सकते हैं.

3. सर्दियों में सिर्फ आपके या हमारे नहीं बल्कि जानवरों के नाखून भी सूख जाते हैं. अगर आपके घर में पालतू जानवर हों तो आप अपने पेट्स के नाखूनों के आस-पास थोड़ी पेट्रोलियम जेली से मसाज कर सकते हैं. ध्यान रखें जेली कम मात्रा में ही लगाएं ताकि वो इसे चाट ना सकें. इससे उनके नाखून चमक उठेंगे. अगर आपके पालतू जानवर को कोई समस्या पहले से हो तो आप पेट्रोलियम जेली के इस्तेमाल से पहले पशुचिकित्सक से सलाह ज़रूर लें.

4. आप बाहर जाने को तैयार हों और अचानक आपकी चेन खराब हो जाए! ऐसी सिचुएशन में गुस्सा होने के बजाय ज़रा सी पेट्रोलियम जेली चेन पर लगाएं और उसे दो-तीन बार ऊपर-नीचे करें. बस आपकी चेन अब ठीक हो गई है. कुछ लोल मोम का भी इस्तेमाल करते हैं, लेकिन पेट्रोलियम जेली से भी ये काम किया जा सकता है.

5. बालों में जूंओं हो जाना? पेट्रोलियम जेली आपकी इस परेशानी को भी खत्म कर सकता है. इसके लिए जेली को अपनी स्कैल्प पर लगाएं और थोड़ी देर बाद बालों को धो लें. इससे आपके जुएं तो कम हो जाएंगे लेकिन पेट्रोलियम जेली सिर से पूरी तरह निकालने के लिए कई बार धोना पड़ सकता है.

6. आपने नोटिस किया होगा जो लोग बालों को कलर करते हैं उनकी गर्दन और माथा दोनों भी रंग जाते हैं. आपके साथ ऐसा ना हो इसीलिए बालों को कलर करने से पहले माथे और गर्दन सभी जगह अच्छे से पेट्रोलियम जेली लगा लें. इससे आपके बालों का रंग आपकी स्किन पर नहीं आएगा.

7. हर लड़की रोज़ाना बाहर जाने से पहले मेकअप करती है. जितनी मेहनत वो इसे चेहरे पर लगाने में करती है उससे ज़रा सा भी समय अगर वो हटाने में करे तो चेहरे पर दाग-धब्बे, रिंकल्स नहीं हों. इसके लिए कॉटन में थोड़ी-सी पेट्रोलियम जेली लगाकर चेहरा साफ करें. इससे आपका आई मेकअप भी हट जाएगा.

चर्बी कम करती है नींबू की चाय

नींबू की चाय तो सभी हैं लेकिन इसके फायदे कम ही जानते हैं। नींबू की चाय पीने से पेट की चर्बी कम होती है। आयुर्वेद के जानकार मदन जोगी इसके फायदे बता रहे हैं।

यह हैं नींबू की चाय पीने के फायदे

नींबू की चाय पेट पर जमा होने वाली चर्बी को कम करती है। इसके अलावा नींबू में पाया जाना वाला विटामिन सी शरीर से जहरीले पदार्थ को भी बाहर निकालता है।

नींबू की चाय जुखाम में ही राहत पहुंचाती है। दिन में दो तीन बार पीने से यह खराब गले में भी राहत पहुंचाता है। इसके अलावा नींबू की चाय से शरीर का इम्युन सिस्टम भी मजबूत होता है।

नींबू की चाय पीने से दिमाग ताजा रहता है और मानसिक थकावट नहीं होती है। नींबू की चाय पीने से सिरर्दद, कमजोरी और सुस्ती भी दूर होती है।

नींबू की चाय डायबिटिज के रोगियों के लिए भी फायदेमंद है। नींबू की चाय पीने से शरीर में इंसुलिन का स्त्राव बढ़ता है जिससे शुगर नियंत्रित रहता है।

घरेलू उपाय

हमेशा के लिए खत्म हो जाएगी फटी एड़ियों की परेशानी

सर्दियों में फटी एड़ियों की परेशानी आम है. लेकिन ये और भी बुरी उस वक्त हो जाती है जब पैरों की रेगुलर केयर ना की जाए. रोज़ाना एड़ियों पर ध्यान ना देने से स्किन दिन ब दिन सख्त होने लग जाती है और ड्राय होकर फटने लगती है. फटने पर इसमें दर्द शुरु हो जाता है. अगर आप इस परेशानी से नहीं जूझना चाहती हैं तो पैरों का भी चेहरे की तरह ध्यान रखें और नीचे दिए गए टिप्स को अपनाएं.

1. सर्दियों में सबसे असरदार है पैट्रोलियम जैली. इसे बस आपको रोज़ाना रात को लगाना है. इसके लिए पैरों को अच्छे से धोने के बाद कॉटन तौलिए से पोंछे. उसके बाद एड़ियों पर वैसलीन लगाएं और मोज़े पहनकर सोएं.

2. सर्दियों में घर में भी मोज़े पहनकर रखें. बेहतर होगा कि आप सुबह नहाने के बाद भी पैरों को पोंछकर मॉइश्चराइज़र लगा लें. पैरों को खुला कम रखें. धूप में पैरों की गरम तेल से अच्छी तरह मालिश करें.

3. पैरों को हफ्ते में एक बार पेडीक्योर करें. इससे आपके पैरों की एक्स्ट्रा स्किन की लेयर हट जाएगी. इसके लिए आधा बाल्टी गरम पानी में थोड़ा नमक और शैम्पू डालें. नमक में ऐसी एक्सफोलिएटिंग प्रॉपर्टीज़ होती हैं, जिससे डेड स्किन जल्दी निकल जाती है. नेलपेंट हटाकर पैरों को पानी में डुबोएं. इससे आपके पैरों से सभी बैक्टिरिया भी निकल जाएंगे. फुट स्क्रबर से पैरों को 15 से 20 मिनट साफ करें. उसके बाद तौलिए से पोंछकर क्रीम लगाकर मोज़े पहन लें.

4. अगर आपकी एड़िया बहुत ही ज़्यादा फटी हो तो रात को सोने से पहले पैरो को साफ करके एड़ियों में गुनगुना मोम लगा लें. इससे आपकी फटी एड़ियां जल्दी ठीक हो जाएंगी.

5. अगर आपको रोज़ाना मोज़े नहीं पहनने हो तो नहाने के बाद एड़ियों को हल्का स्क्रब करें और सरसों या फिर नारियल का तेल ज़रूर लगाएं. ये दोनों ऑयल भी डेड स्किन को खत्म कर त्वचा को जल्दी रिकवर करते हैं.

डायबिटीज मरीज के लिए वरदान है कसूरी मेथी

सर्दियों में कसूरी मेथी का अधिक सेवन किया जाता है, जो हरे पत्तेदार सब्जियों में आती है, जो हमारे स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद है। कसूरी मेथी में कैल्शियम, आयरन और विटामिन भरपूर मात्रा में होते है। इसमें पाएं जाने तत्व शरीर में बैक्टीरिया और फंगस इफैक्शन से लड़ने में मदद करते है। इसके अलावा भी इसके सेवन से कई तरह की परेशानियों दूर होती है। आइए जानते है कैसे।

पेट की प्रॉबल्म : कसूरी मेथी पेट की समस्याओं में काफी फायदेमंद है। इसके सेवन से कब्ज, दस्त, एसिडिटी जैसी प्रॉबल्म दूर रहती है। अगर पेट में किसी प्रकार की एलर्जी भी हो तो इसमें कसूरी मेथी काफी फायदेमंद हो सकती है।

कोलेस्ट्रॉल रखें कंट्रोल : कसूरी मेथी एथेरोस्क्लेरोसिस को कम करने में मदद करती है। लिपिड फ्लकचुएशन से पीड़ित रोगी के लिए कसूरी मेथी काफी फायदेमंद साबित हो सकती है। यह कोलेस्ट्रॉल के लेवल को ठीक रखती है।

डायबिटीज : कसूरी मेथी एंटी-डाबेटिक एलिमेंट की तरह काम करती है जो टाइप-2 डायबिटीज से ग्रसित मरीज के लिए काफी फायदेमंद है। इसलिए ऐसी स्थिति में कसूरी मेथी का सेवन करें।

त्वचा के लिए लाभकारी : कसूरी मेथी में विटामिन और आयरन भरपूर होता है जो त्वचा को किसी भी तरह की इंफेक्शन से बचाएं रखते है। इसके सेवन से चेहरे पर पिंपल्स और डार्क सर्कल की समस्या नहीं होती।

रेसिपी

शकरकंद-आलू के पकौड़े

सामग्री

शकरकंद- 1 कप कसा हुआ, कच्चे आलू- 1 कप छिले और कसे हुए, मूँगफली पाउडर- 2 चम्मच, अरारोट पाउडर- 1 चम्मच, लाल मिर्च पाउडर- 1/2 चम्मच, धनिया- बारीक कटा हुआ, हरी मिर्च- 1 बारीक कटी हुई, नमक- स्वादानुसार, तेल- तलने के लिए

विधि

सबसे पहले कसे हुए शकरकंद और आलू को एक बड़े बोल में डाल कर अच्छी तरह मिला लीजिए। अब मूंगफली पाउडर, आरारोट पाउडर, महीन कटी प्याज, हरी मिर्च, लाल मिर्च पाउडर और हरी धनिया को इस मिश्रण में डालकर अच्छी तरह मिला लें। अब कढ़ाई को गैस पर रख कर इसमें तेल डाल कर गरम करें। इस मिश्रण के बराबर आकार के हथेली के बीच में रख कर छोटे छोटे गोले बना लें। गर्म तेल में आहिस्ता से एक बार में चार से पांच गोले डालें। इन्हें हलका सुनहरा होने तक मध्यम आंच पर तल लें ताकि ये अंदर तक सिक जायें और कुरकुरे हो जायें। इसी प्रकार सारे पकौड़े तल लें। गरमा गरम पकोड़ों को हरे धनिए की चटनी या सॉस के साथ सर्व करें।

हरा भरा मेथी पुलाव

सामग्री

1-1/2 कप बासमती चावल, 1 कप हरा मटर, 50 ग्राम पनीर (छोटे-छोटे टुकड़ों में काट कर तल ले), 100 ग्राम मेथी पत्ता (कटा हुआ), 2 टमाटर (कटे हुए), 4-5 लहसुन का पेस्ट, 2-3 हरी मिर्च कटी हुई, 1/4 टी स्पून हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और नमक स्वादानुसार, टे.स्पून तेल/बटर।

विधि

मेथी पत्ते को अच्छी तरह धो ले। पैन में तेल डालकर गरम करे और लहसुन पेस्ट डालकर हल्का भूरा होने तक भूने। उसके बाद कटा टमाटर, मटर, मेथी, हरी मिर्च, नमक, लाल मिर्च पाउडर और हल्दी पाउडर पैन में डालकर 8/9 मिनट तकअच्छी तरह भून ले। चावल को भी पैन में डालकर 5 मिनट तक फाई करे। उसके बाद पानी डालकर पांच मिनट तक धीमी आंच पर पकाए। तले हुए पनीर को चावल के ऊपर डाल कर रायते के साथ सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**